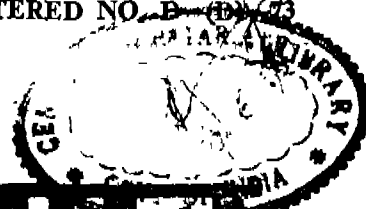




भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



14/5/80

सं० 18] नई दिल्ली, शनिवार, मई 3, 1980 (वैशाख 13, 1902)
No. 18] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 3, 1980 (VAISAKHA 13, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, निपटंत्रक और महालेखायुक्त, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० ए० 12019/1/79-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में बरिष्ठ वैयक्तिक सहायक श्री के० सुन्दरम को 17-3-1980 से 25-3-1980 तक और 27-3-1980 से 26-6-1980 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर स्थानान्तरण पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्वागत अधिकारी के पद पर स्थापना रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री के० सुन्दरम, अध्यक्ष के विशेष सहायक के संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका वेतन वित्त मंत्रालय व्यय विभाग के समय समय पर संशोधित का० शा० एफ० 10 (24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अप्रैल 1980

सं० ए० 35014/2/79-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० से० संवर्ग

के स्थायी सहायक श्री ओ० पी० गोयल को 1-4-1980 से तीन वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानान्तरण पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्वागत अधिकारी के पद पर स्थापना रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री गोयल, स्वागत अधिकारी के संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे और उनका वेतन वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के समय समय पर संशोधित का० शा० सं० एफ० 10 (24) ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव,
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० ए० 38015/2/79-प्रशा० II—श्री एस० एल० खोपड़ा ने 31 मार्च, 1980 (अमरावती) से निवृत्त होने पर अपनी सेवा निवृत्ति के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्वागत अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल, 1980

सं० 18 आर० सी० टी० 1—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री ए० सी० पंचधारी, मुख्य अभियंता, केन्द्रीय लोक-निर्माण विभाग, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक 3 अप्रैल, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से मुख्य तकनीकी परीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एन० एल० लखनपाल
उप-सचिव,
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 अप्रैल 1980

सं० ओ० दो० 1444/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) इफ्तेखार निसा बेगम को 4-3-80 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

के० आर० के० प्रसाद
सहायक निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

कर्मचारी चयन आयोग

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110003, दिनांक 10 अप्रैल, 1980

सं० ए-22013/1/80-प्र०—भारत सरकार के खाद्य विभाग, बम्बई, में कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री ए० के० अग्रवाल को कर्मचारी चयन आयोग के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई में, 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, श्री के० एस० मुन्दरामूर्ति के स्थान पर, जिनकी सेवायें उनके मूल संवर्ग अर्थात् निर्माण व आवास मन्त्रालय को 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से ही वापिस सौंप दी गई हैं, अनुभाग अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।

Division ID

अवर सचिव (प्रशासन)

Date of

Call No

Processed

Date of Transfer

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल

सं० पी० एफ०/जे-81/73-प्रशा०-1—ए० सी० प्रभु म निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, कलकत्ता पुलिस से प्रतिनियुक्त पुलिस निरीक्षक श्री जे० सी० सरकार को दिनांक 29-2-80 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/आधिक अपराध स्कन्ध, कलकत्ता में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 15 अप्रैल 1980

सं० पी० एफ०/बी०-107/70-प्रशा०-1—पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी श्री बिमलेन्दु भौमिक को दिनांक 10-3-80 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आधिक अपराध स्कन्ध, कलकत्ता शाखा में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

की० ला० घोषर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 8 अप्रैल 1980

सं० ई-38013(3)/24/79-कार्मिक—हैदराबाद को स्थानांतरित होने पर श्री ए० एस० एम० राव ने 22 फरवरी, 1980 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० रामागुन्डम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 23 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० ओ० मिट, हैदराबाद के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह० अपठनीय
महानिरीक्षक

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

Checked देवास, दिनांक 10 अप्रैल 1980

फा० सं० बी० ए० पी०/सी०/5/80—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/79 दिनांक 9-1-80 के अनुक्रम में श्री अशोक जोशी को तकरीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 12-4-80 से आगामी तीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महोलेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल 1980

सं० स्था० I/ए० 4/80-81/12—महोलेखाकार, श्री के० संपत, स्थायी अनुभाग अधिकारी के, उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकांरी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

यह पदोन्नत सन् 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं० 4367 के अन्तिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

एम० ए० सौन्दरराजन
वरिष्ठ उपमहानिदेशाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 अप्रैल 1980

सं० 204/ए-प्रशासन/130/79-80—वार्षिक निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्री आर० रामबुरई, स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी, दिनांक 31-3-80 (अपराह्न) लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 205/ए-प्रशासन/130/79-80—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाओं अधीनस्थ, लेखा सेवा के स्थायी श्री ए० एन० गोपालकृष्णन को संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, (आयुक्त फैंक्टरी) जबलपुर में, दिनांक 14-3-80 (अपराह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश पर्यन्त तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० बी० दास भौमिक
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाओं

उद्योग मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 8 अप्रैल 1980

सं० सी० एल० बी० 11/10 (2)/77-80—कपास नियंत्रण आदेश, 1955 के खंड 5 (1) में प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10 (1)/73-74/सीएलबी-11 दिनांक 19 दिसम्बर 1974 में निम्नलिखित प्रतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में स्पष्टीकरण (एक) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(एक) औसत मासिक खपत विनिर्माता द्वारा वस्त्र आयुक्त को भेजे गए सीएसटी-एच प्रपत्र में सूचित सितम्बर, 1978/अगस्त, 1979 में हुई वास्तविक खपत के आधार पर संगणित होगी।”

म० वा० चेंबुरकर
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 8 अप्रैल 1980

सं० ई-II (7)—इस विभाग के अधिसूचना सं० ई-II (7), दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 7 प्रभाग 2 के अधीन निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात् :—

1. “कोबरा एस और सरपेंट (बाईट)” प्रविष्टि के *पश्चात् *कलर स्मोक्स केवल बाह्य प्रयोग हेतु”।

इंगुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० ए-17011/153/80-प्र०-6—इस महानिदेशालय के अधीन मद्रास निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद से भण्डार परीक्षक (वस्त्र) के पद पर अवनत होने पर श्री सुनील कुमार चक्रवर्ती ने दिनांक 16 जनवरी, 1980 के अपराह्न से उस कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) का पद भार छोड़ दिया।

सं० ए-17011/170/80-प्र०-6—महानिदेशक, पूति तथा निपटान, निदेशक पूति (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थाई भण्डार परीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूति (ग्रेड 1) श्री ए० एम० परांजपे को दिनांक 1 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जीनियरी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० 2819बी०/ए०-32013 (4-ड्रिलर)/78-19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री के० के० मुखर्जी को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 व० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 22 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1980

सं० ए०-19011 (28)/70-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एन० एन० सुब्रह्मण्यन, वर्तमान प्रमुख अयस्क प्रसाधन अधिकारी (तदर्थ आधार पर) को स्थानापन्न रूप में प्रमुख अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 27-3-80 को अपराह्न से अगले आदेश तक सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बी० अली
कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 8 अप्रैल 1980

सं० स्था० 1-5615/881-अधिकारी—डाक्टर कुलदेव सिंह नेगी, एम० बी० बी० एम०, भारतीय सर्वेक्षण विभाग औषधालय हाथीबड़कला, देहरादून में डाक्टर ए० एन० चटर्जी जो दिनांक 30-6-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर दिनांक 25-2-80 (पूर्वाह्न) से सा० सि० से० ग्रुप "बी" में चिकित्सा अधिकारी के पद पर 1155/- रु० (कुल) प्रतिमाह वेतन पर अधिकतम अवधि 6 माह (90 दिन के बाद 25-5-80 को एक दिन के लिए सेवा विच्छेद करके) अथवा जब तक उक्त औषधालय में किसी नियमित डाक्टर की नियुक्ति नहीं कर ली जाती, जो भी पहले हो, के लिए, पूर्णतया अस्थायी आधार पर नियुक्त किए जाते हैं।

प्राधिकार :—स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का पत्र सं० ए-12034/20/79-के० स्वास्थ्य सेवाएं, दिनांक 8-8-1979।

दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० स्था० 1-5616/579-सिले० 74 (क्लास II)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० स्था० 1-5520/579-सिले० 74

(क्लास II) दिनांक 3 जुलाई, 1979, के अनुक्रम में श्री जे० एम० शर्मा, अधिकारी सर्वेक्षक, ग्रुप "बी" की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 30-9-1979 से 6 माह के लिए और अथवा उस समय तक के लिए जब तक कि यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, बड़ा बी जाती है।

के० एल० खोसला
मेजर जनरल
भारत के महसर्वेक्षक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-11, दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० 14-2/80-एम० (टी)-स्मारक (पर्यटन)—प्राचीन संस्मारक, पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष नियमावली, 1959 के नियम-8 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं (के० वी० सौन्दर राजन), निदेशक (स्मारक), यह निदेश जारी करता हूँ कि राजगिरी पर्वत दुर्ग, जिजो, दक्षिण-आरकोट, जिला तमिलनाडु के स्मारकों में दिनांक 21 अप्रैल, से 30 अप्रैल, 1980 तक 10 दिनों के लिए (इनमें दोनों तारीखें सम्मिलित हैं) देवी कमलाकन्नियाम्मन के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष में प्रवेश निशुल्क होगा।

के० वी० सौन्दर राजन,
निदेशक (स्मारक)
कृते महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० 10/47/79-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री अशोक कुमार डेसरकार को दिनांक 14 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, आकाशवाणी, कलकत्ता में अस्थायी आधार पर सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

एच०, विश्वास
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

(फिल्म समारोह निदेशालय)

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 अप्रैल 1980,

सं० 4/10/80-एफ०एफ०डी—यह एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि फिल्म समारोह निदेशालय 11/एफ०डी सं० 1/2/80-एफ०एफ०डी दिनांक 25 जनवरी, 1980 में प्रकाशित राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1980 की नियमावली नियम 9 के

1	2	3	4
		निर्देशक श्री मृणाल सेन, 4 ई-मोतीलाल नेहरू रोड कलकत्ता-700029	'रजत कमल' और केवल रु० 5,000 (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार
(ख) स्पर्श (हिन्दी)		निर्माता श्री बासु भट्टाचार्य आरोही फिल्म मेवर्स गोल्ड मिस्ट, 36 कार्टर रोड, बान्द्रा, बम्बई-50	'रजत कमल' और केवल रु० 10,000/- (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार
		निर्देशक श्री मती साई प्राजपे मार्फत आरोही फिल्म मेवर्स गोल्ड मिस्ट, 36, कार्टर रोड, बान्द्रा, बम्बई-50	'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार
(ग) आरिबु (तमिल)		निर्माता कु० ललिता के० आर० न० 9, 6वां मेन रोड बयलिकवल बंगलौर-3	'रजत कमल' और केवल रु० 10,000 (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार
		निर्देशक श्री कंटी रामचन्द्र न० 6वीं मेन रोड, बयलिकवल बंगलौर-560003	'रजत कमल' और केवल रु० 5,000 (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार
(घ) पैर-जियमबतम (मलयालम)		निर्माता श्री प्रेम प्रकाश, प्रकाश भवन, कोट्टायम-6 (केरल राज्य)	'रजत कमल' और केवल रु० 10,000/- (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार
		निर्देशक श्री पी० पदमराजन टी० सी० 17/373 पजाप्पुरा पी० ओ० त्रिवेन्द्रम केरल राज्य	'रजत कमल' और केवल रु० 5000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार
(ङ) विश्वासन (मराठी)		निर्माता श्री डी० वी० राव और श्री जम्बर पटेल बी-201 कल्पिता एनकलेवस सहर रोड, ग्रन्थेरी (ई) बम्बई-400069	'रजत कमल' और केवल रु० 10,000 (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार
		निर्देशक डा० जम्बर पटेल कुर-कुम रोड, डौंड, जिन्हा पुणे, महाराष्ट्र	'रजत कमल' और केवल रु० 5000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार
(च) श्रीकृष्ण रागा (उड़िया)		निर्माता श्री बितरंजन मोहंती, 2097, रामेश्वर, पटना-भुवनेश्वर-2	'रजत कमल' और केवल रु० 10,000/- (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार

1	2	3	4
	निर्देशक		
	श्री सोना मुखर्जी		'रजत कमल' और केवल रु० 10,001
	मार्फत श्री एस० सी० सरकार,		(दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
	पलित पाड़ा, कटक		
	निर्माता		
(छ) पासी (तमिल)	श्रीमती जी० ललिता		'रजत कमल' और केवल रु० 10,000/-
	4, अशोक स्ट्रीट,		(दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
	अलवारपेट, मद्रास-600018		
	निर्देशक		
	श्री दुरै 4-अशोक स्ट्रीट,		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/-
	अलवारपेट,		(पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
	मद्रास-600018		
(ग) नग्न सत्यम्	निर्माता		
(तेलुगु)	श्री यू० विश्वेश्वरराय		'रजत कमल' और केवल रु० 10,000/-
	46, उस्मान रोड,		(दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
	मद्रास-600017		
	निर्देशक		
	श्री यू० विश्वेश्वरराय		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/-
	14, तीसरी स्ट्रीट,		(पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
	हबीबुल्लाह रोड,		
	'टी' नगर मद्रास-17		
	निर्माता		
(घ) आलिंगनागी	श्री जी० नारायण शर्मा		'रजत कमल' और केवल रु० 10,000/-
वाकमडासू	एन० एस० फिल्म,		(दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
(मणिपुरी)	पाउना रोड, इम्फाल।		
	निर्देशक		
	श्री अरिबाम श्याम		'रजत कमल' और केवल 5,000/- (पांच
	शर्मा, थागमेब्रन्द,		हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
	इम्फाल		
5. सर्वोत्तम बाल-फिल्म के लिए पुरस्कार			
डॉगेप्रेडडा	निर्माता		
मन्कालु (कन्नड़)	(1) श्री टी० एस० नरसिंहन और		'स्वर्ण कमल' और 15,000/- (पन्द्रह हजार
	(2) श्री बी० एस० सोमसुन्दर		रु०) का नकद पुरस्कार।
	मेसर्स कोमल प्रोडक्शन्स		
	4/54, पहली मेन रोड,		
	टाटा, सिन्धु फार्म,		
	दासवानागुडी बंगलौर-560004		
	निर्देशक		
	श्री यू० एस० वेदीराज		'रजत कमल' और केवल (दस हजार रु०)
	199/22ए क्रॉस,		10,000/- का नकद पुरस्कार
	तीसरा ब्लॉक, जयानगर बंगलौर-21		
6. सर्वोत्तम निर्देशन के लिए पुरस्कार			
एक दिन प्रतिदिन	श्रीमृगाल सेन		'रजत कमल' और केवल रु० 20,000
(बंगला)	4ई, मोतीलाल नेहरू रोड,		(बीस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
	कलकत्ता-700029		

1	2	3	4
7. सर्वोत्तम स्क्रीनप्ले के लिए पुरस्कार			
स्पर्श (हिन्दी)	श्रीमती साईप्राजपे आरोही फिल्म मेकर्स बोल्ड मिस्ट, 36, कार्टर रोड बान्दरा बम्बई-50		'रजत कमल' और केवल रु० 10,000 (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
8. सर्वोत्तम अभिनय के लिए पुरस्कार			
(क) सर्वोत्तम अभिनेता स्पर्श (हिन्दी)	श्री नसीरुद्दीनशाह मार्फत आरोही फिल्म मेकर्स, गोल्ड मिस्ट, 36, कार्टर रोड, बान्दरा, बम्बई-50		'रजत कमल' और केवल रु० 10,000 (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
(ख) सर्वोत्तम अभिनेत्री पासी (तमिल)	श्रीमती शोभा अशोकनगर मद्रास-600083		'रजत कमल' और केवल रु० 10,000/- (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
(ग) सर्वोत्तम बाल अभिनेता आंगन की कली	बेबी गीता खन्ना शोले, 7 बंगला बरसोवा, बम्बई-400058		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000 (पांच हजार) का नकद पुरस्कार।
9. सर्वोत्तम सिनेमेटोग्राफी (रंगीन) के लिए पुरस्कार			
शोध (हिन्दी)	श्री राजन किनागी 138, अराम नगर 11 अम्बेरी, बम्बई-400061		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
10. सर्वोत्तम सिनेमेटोग्राफी (ब्लैक) के लिए पुरस्कार			
सीमप्रसन्नपुष्प (बंगला)	श्री कमल नायक 13 म्ही, महेशबैरक लेन, कलकत्ता-700011		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
11. सर्वोत्तम सम्पादक के लिए पुरस्कार			
एक दिन प्रतिदिन (बंगला)	श्री गंगा धर नास्कर 3, हसीशभा रोड, कलकत्ता-700041		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
12. सर्वोत्तम कला निर्देशन के लिए पुरस्कार			
22 जून, 1897	श्रीमती जगपटवर्धन, 55/14 इरेंडवाना, पूना-411004, महाराष्ट्र		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/- पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
13. सर्वोत्तम संगीत निर्देशन के लिए पुरस्कार			
मंकराभरणम (तेलुगु)	श्री के०वी० महादेवन 121, जी० एन० शेड्टी रोड, 'टी' नगर, मद्रास-17		'रजत कमल' और केवल रु० 10,000/- का नकद पुरस्कार।
14. सर्वोत्तम पार्श्व गायक के लिए पुरस्कार			
मंकराभरणम	श्री ए०वी० बालसुब्रह्मण्यम 64, कस्टर्ड कस स्ट्रीट, कामवार नगर-मद्रास-34		'रजत कमल' और केवल रु० 10,000 (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
15. सर्वोत्तम पार्श्व गायिका के लिए पुरस्कार			
मंकराभरणम	श्रीमती वाणी जयराम 273 काष्ठत्रियास मद्रास-18		'रजत कमल' और केवल रु० 10,000 (दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।

1	2	3	4
II. लघु फिल्म			
1. सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्त चित्र)			
कालबेलियात्र नामेड्डम आफ राजस्थान (अंग्रेजी)	निर्माता श्री तेजवीर सिंह 59, रीगल बिल्डिंग्स कनाट सर्कस नई दिल्ली-110001 निर्देशक श्री बालमीक थापर 59, रीगल बिल्डिंग्स कनाट सर्कस नई दिल्ली-110001		'रजत कमल' और केवल रु० 5000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
2. सर्वोत्तम शिक्षाप्रद और ज्ञानवर्धक फिल्म			
ए. मैटर आफ लाइफ एंड डैथ (अंग्रेजी)	निर्माता फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24-डा० जी० देशमुख मार्ग बम्बई-400026 निर्देशक श्री ए० एन० परमेश मार्फत फिल्म प्रभाग भारत सरकार 24-डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
3. सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (गैर व्यापारिक/व्यापारिक)			
स्टोरी आफ इन्डिपेंडेंस (अंग्रेजी)	निर्माता फिल्म मीडिया, 47, लक्ष्मी इन्शुरेन्स बिल्डिंग सर पी० एम० रोड, फोर्ट बम्बई-400001 निर्देशक मैसर्स लिन्टास इंडिया लिमिटेड और फिल्म मीडिया द्वारा रचनात्मक योगदान मार्फत 47, लक्ष्मी इन्शुरेन्स बिल्डिंग, सर पी० एम० रोड फोर्ट, बम्बई-400001		'रजत कमल'।
4. सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म			
चाइल्ड आन ए चैस बोर्ड	निर्माता फिल्म प्रभाग भारत सरकार डा० जी० देशमुख मार्ग बम्बई-400026 निर्देशक श्री विजय बी० चन्द्र मार्फत फिल्म प्रभाग,		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
			'रजत कमल' और केवल रु० 4,000/- (चार हजार रु०) का नकद पुरस्कार।

1	2	3	4
		भारत सरकार डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026	
5. सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन मिशन ट चाइना (आई०एन० आर० नं० 1585)	कैमरामैन श्री एच० एस० आडवाणी फिल्म प्रभाग भारत सरकार 24-डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
6. सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र (आई०एन०आर० नं० 1592)	निर्माता फिल्म प्रभाग, भारत सरकार 24-डा० जी० देशमुख मार्ग-बम्बई-400026		'रजत कमल' और केवल रु० 5,000/- (पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
उपरी द्वारा विशेष सराहना आचार्य कृपालानी (अंग्रेजी)	निर्माता फिल्म प्रभाग भारत सरकार 24 डा० जी० देशमुख बम्बई-400026 निर्देशक श्री गिरीश वैद्य फिल्म प्रभाग 24-डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026		
ए मान्यमैट ट फ्रैंडशिप (अंग्रेजी)	निर्माता फिल्म प्रभाग, भारत सरकार 24-डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026 निर्देशक श्री पी० एन० कौल फिल्म प्रभाग, भारत सरकार 24-डा० जी० देशमुख मार्ग बम्बई-400026		
3. दादा साहेब फाल्के पुरस्कार	श्री सोहराब मोदी पाइलट, 211, बन्दर रोड, बम्बई		'स्वर्ण कमल' और केवल 40,000 रु० (चालीस हजार रु०) का नकद पुरस्कार और एक शाल।

एम० एल० जुनेजा,
संयुक्त निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1980

सं० ए० 19019/24/77-(जे० आई० पी०)/प्रशा०-I—
सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर डा० (कुमारी) बिमला
भूद ने 31 जनवरी, 1980 के अपराह्न को जवाहर लाल स्नात-
कोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी से

दन्त चिकित्सा के प्रोफेसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया
है।

सं० ए० 31014/2/79-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महा-
निदेशक, ने श्री पुरुषोत्तम काकड़ा को 1 अक्टूबर, 1977
से राजकुमारी अमृतकौर कालेज आर्ब नर्सिंग, नई दिल्ली में
भौतिक विज्ञान के लेक्चरर के पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त
किया है।

सं० ए० 31014/7/79-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० के० एन० टण्डन को 20 अक्तूबर, 1977 से, केन्द्रीय अनुसन्धान संस्थान, कसौली, में पशु चिकित्सा सहायक सर्जन के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० ए० 19019/25/79 के० सं० स्वा० यो०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० कुमारी लता श्रीवास्तवा को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 3-3-1980 पूर्वाह्न से अस्थाई आधार पर आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष,
उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 21 मार्च 1980

सं० 8 (24)/79-मुष्टि/644—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को स्टेशन आफिसर के पद पर भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में 1 मार्च 1979 से मूल रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	वेतनमान ग्रेड	प्रभाग	बी० ए० आर० सी० में वर्तमान स्थायी पद पर नियुक्ति
1.	श्री जे० एस० पद्म (जी/102/116)	उप-मुख्य अभियन्ता	रसायन अभियांत्रिकी (एफ० एस० एस०)	सब आफिसर
2.	श्री के० बी० बालकृष्णन (जी/102/126)	स्टेशन आफिसर	रसायन अभियांत्रिकी (एफ० एस० एस०)	—

एच० बी० अवतरामाणी
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० विप्राइप्र/3 (262) 76-प्रशासन/379/3942—इस प्रभाग की दिनांक फरवरी, 25, 1980 की समसंख्यक अधि-

सूचना के अनुक्रम में इस प्रभाग के एक स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री एन० टी० बारबानी, जो इस प्रभाग में फरवरी 19, 1980 के पूर्वाह्न से अप्रैल 3, 1980 के अपराह्न तक के लिए सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किए गए थे, को मई 17, 1980 के अपराह्न तक के लिए उसी पद का कार्यभार अस्थायी रूप से संभाले रखने के लिए अनुज्ञा प्रदान कर दी गई है।

ब० वि० धत्ते,
प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400 001, दिनांक 11 अप्रैल 1980

सं० डी० पी० एस०/23/8/77-स्थापना/5951—निदेशक, परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय एवं भंडार निदेशालय इस निदेशालय के सहायक लेखाकार श्री जे० पी० साठे को सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में रुपए 650-30-740-35-800-40-40-960 के वेतन क्रम में 30-1-1980 (पूर्वाह्न) से 3-3-1980 (पूर्वाह्न) तक तथैव रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० प० ख० प्र०-1/23/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री एम० शिम्मैया को परमाणु खनिज प्रभाग में 14 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र० 123/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री शिव कुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में 20 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

मिस्वनंतपुरम-695 022, दिनांक 1 अप्रैल 1980

स्थापना अनुभाग

सं० बी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ/1 (17)—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन में अन्तरिक्ष विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा जारी की गई कार्यालय ज्ञापन सं० 2/2 (19)/77-1 दिनांक 13-12-1979 के अनुसार 1 जनवरी 1980 से प्रशासनिक श्रेणी के सहायक प्रशासन अधिकारियों के वेतनमान

रू० 550-25-750-द० रो०-30-900-से रू० 650-30 740-35-880-द० रो०-40-960 के रूप में परिशोधित किए जाने के कारण वीएसएससी के निम्नलिखित अधिकारियों को 1 जनवरी 1980 से परिशोधित वेतनमान में रखा गया है।

क्रम सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग/सुविधा
1.	श्री एन० शंकरा अय्यर	सहायक प्रशासन अधिकारी	सी० एच० एफ०
2.	श्री वी० पी० दामोदरन	"	पी० जी० ए० नम्बियार
3.	श्री वी० करुणाकरन	"	पी० जी० ए० नायर
4.	श्री जी० मुरलीधरन	"	पी० जी० ए० नायर
5.	श्री ए० पी० राजगोपाल	सहायक जनसम्पर्क अधिकारी	पी० जी० ए०

पी० ए० कुरियन
प्रशासन अधिकारी-II (स्थापना)
कृते नियन्त्रक वी०एस०एस०सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं० ए० 31013/1/79 ई०ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 17 जनवरी, 1980 से नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग तथा विमान क्षेत्र संगठन में वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3
1.	श्री के० जी० अय्यर	मद्रास एयरपोर्ट
2.	श्री पी० सी० व्यास	लिबिया सरकार के पास प्रतिनियुक्ति पर
3.	श्री के० वी० पी० अयंगर	मद्रास एयरपोर्ट
4.	श्री वी० जी० करनाड	बम्बई एयरपोर्ट
5.	श्री टी० एस० एन० राव	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
6.	श्री बी० एम० राय	कलकत्ता एयरपोर्ट
7.	श्री एस० भट्ट	सहायक निदेशक (सी० एल० एंड ए०) मुख्यालय
8.	श्री आर० एन० भटनागर	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद
9.	श्री के० एन० बहल	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद
10.	श्री के० सी० दुग्गल	सहायक निदेशक (टी० एंड ई०) मुख्यालय
11.	श्री आई० एम० तुली	अगरतला
12.	श्री वी० वी० बग्गा	सहायक निदेशक (प्रचालन) मुख्यालय

1	2	3
13.	श्री आर० जे० युवराज	बम्बई एयरपोर्ट
14.	श्री एम० के० दास	कलकत्ता एयरपोर्ट
15.	श्री एम० एस० जी० के० वैरियर	वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधि-कारी, ए० टी० सी० पी० (सी) मुख्यालय
16.	श्री पी० के० विश्वास	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
17.	श्री डी० एन० गुप्ता	बम्बई, एयरपोर्ट
18.	श्री पी० आई० सी० विद्यासागर	बंगलूर

दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० ए० 38013/1/80 ई०ए०—सर्वश्री ए० सी० सरकार तथा एस० आर० दास शर्मा सहायक विमान क्षेत्र अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 मार्च 1980 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

विश्व विनोद जौहरी
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1980

सं० ए० 12025/2/79-ई०सी०—राष्ट्रपति जी ने श्री सांमित्रा सैना को दिनांक 17-3-80 (पूर्वाह्न) से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। और उन्हें अन्य आदेश होने तक नियंत्रक संचार कार्यालय, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता में तैनात किया जाता है।

दिनांक 14 अप्रैल 1980

सं० ए० 32013/11/79-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो तकनीकी अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से दिए गए स्टेशन पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर 6 मास की अवधि के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
सर्वश्री				
1.	आर० सम्पत-कुमारन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	21-3-80 (पूर्वाह्न)
2.	विश्वनाथ	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	20-3-80 (पूर्वाह्न)

आर० एन० दास
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० 1/73/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एस० एस० मलिक को 1-6-1979 से 28-8-1979 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा
उप निदेशक (प्रशा०),
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

मद्रास-34, दिनांक 19 मार्च 1980

सं० 11/3/22/80—निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मद्रास समाहर्तालय के निरीक्षक, अधीक्षक वर्ग—'ख' में स्थानापन्न तथा नियुक्त हुए हैं और प्रत्येक व्यक्ति के नाम के आगे नियमित किए गए स्थान तथा तारीख सूचित किए गए हैं।

क्र० सं०	नाम	नियमित किए गये स्थानी अधीक्षक वर्ग 'ख' में	शामिल होने की तारीख
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	वी० राधाकृष्णन्	मुख्यालय मद्रास	04-08-79
2.	जी० आर० बालसुन्दरम्	कूनूर डिवीजन	24-08-79
3.	मी वी० नी० लालोचनन्	मद्रास III डिवीजन	03-08-79
4.	सी० जॉन लाज़र	कूनूर डिवीजन उटी रेंज	03-10-79
5.	आर० अनन्तनारायनन्	कोयंबतूर डिवीजन	27-08-79
6.	आर० कृष्णसामी	कोयंबतूर डिवीजन	21-09-79
7.	एस० श्रीनिवासन्	मद्रास II डिवीजन	11-01-80
8.	एम० श्रीनिवासन	मुख्यालय मद्रास	17-12-79
9.	एस० मुन्नमण्यम्	मद्रास III डिवीजन	08-02-80

1	2	3	4
	सर्व श्री		
10.	आर० वेंकटराघ्यम्	मुख्यालय, मद्रास	03-12-79 (मध्याह्न)
11.	आर० सी० मुत्तुसामी	पोल्लाचि डिवीजन	28-12-79
12.	आर० बालमुन्नमण्यम्	मद्रास I डिवीजन	30-09-79 (मध्याह्न)
13.	जोति पांडयन जेसुडियान्	सेलम रेंज कोयंबतूर II डिवीजन	29-12-79
14.	आर० कृष्णन्	गोवि रेंज ईरोड डिवीजन	22-12-79
15.	एस० बालसुन्दरम्	कोटगिरि रेंज कूनूर डिवीजन	22-12-79 (मध्याह्न)
16.	एम० पृथ्वीराज	पोल्लनूर रेंज पोल्लाचि डिवीजन	31-01-80

बम्बई-400 020, दिनांक 19 अप्रैल 1980

सं० II/3ई (ए) 2/77पी०टी-1—निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने पदोन्नति पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह "ख" के रूप में अपने नामों के आगे अंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तिथि
1.	श्री एस० बी० कुलकर्णी	4-1-78
2.	श्री जी० के० मिरानी	4-1-78
3.	श्री जे० आर० देशमुख	3-1-78
4.	श्री एस० एस० जोशी	16-1-78
5.	श्री के० एस० टिपनिस	16-1-78
6.	श्री एम० एम० मोदी	16-1-78
7.	श्री आर० एन० आरतानी	1-2-78
8.	श्री एम० वी० रेकर	16-1-78
9.	श्री के० ई० धुसे	16-1-78
10.	श्री के० एस० प्रभू	1-2-78
11.	श्री पी० पी० दम्बल	24-1-78
12.	श्री बी० के० वदगावकर	16-1-78
13.	श्री आर० जी० कदम	16-1-78
14.	श्री एन० एम० चैनानी	6-2-78
15.	श्री वी० बी० कुलकर्णी	16-1-78
16.	श्री टी० एम० कदम	1-2-78

क्र० सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तिथि	क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तिथि
17.	श्री एफ० डिंसोजा	16-1-78	58.	श्री बी० एस० सावंत	26-10-78
18.	श्री एस० पी० मोंडकर	16-1-78	59.	श्री के० वेनुगोपालन	1-3-79
19.	श्री ए० आर० पाटील	1-2-78	60.	श्री बाय० सी० सलगंवकर	27-10-78
20.	श्री जे० एफ० सिलवा	30-1-78		मध्याह्न से	
21.	श्री ए० वी० बोरकर	16-1-78	61.	श्री जी० एस० शानभाग	25-10-78
22.	श्री जे० वी० गोकुलगंधी	16-1-78	62.	श्री यु० जी० भाटिया	1-11-78
23.	श्री एस० वी० जोशी	16-1-78	63.	श्री ए० आर० कुदालकर	16-11-78
24.	श्री वी० डी० जाधव	16-1-78	64.	श्री ए० आर० एस० मेदाले	26-10-78
25.	श्री एम० एच० लालवानी	16-1-78		मध्याह्न से	
26.	श्री सी० बाय० महाजन	16-1-78	65.	श्री जी० एस० पतकी	1-11-78
27.	श्री जे० के० बिबीकर	16-1-78	66.	श्री सी० टी० लीलारमान	1-11-78
28.	श्री एम० एच० अडजानिया	2-2-78	67.	श्री ए० के० आर० मन्सूरी	15-11-78
29.	श्री एस० के० सांगले	16-1-78		मध्याह्न से	
30.	श्री आर० विजयराघवन	1-2-78	68.	श्री बी० के० पाटील	15-11-78
31.	श्री जे० एन० मुरार	16-1-78	69.	श्री एन० एस० सिंगेसान	15-11-78
32.	श्री बी० डी० सावरे	1-2-78	70.	श्री एस० वी० मुले	15-11-78
33.	श्री एच० जी० पेसवानी	27-1-78	71.	श्री आर० जी० शिवदसानी	15-11-78
34.	श्री डी० एस० थावरानी	16-1-78	72.	श्री पी० बी० देशपांडे	15-11-78
35.	श्री आर० बाय० जायदे	23-3-78	73.	श्री टी० पी० डोंगरे	15-11-78
36.	श्री एस० वी० पतेकर	16-1-78		मध्याह्न से	
37.	श्री ए० वी० तरखडकर	28-2-78	74.	श्री एच० वी० नाडकर्णी	16-11-78
38.	श्री जेम्स पोथेन	6-2-78	75.	श्री पी० एस० कर्किद	15-11-78
39.	श्री टी० एन० सुन्दरम	16-1-78	76.	श्री एम० आर० डनीअल्स	15-11-78
40.	श्री एम० एल० जकोबी	3-2-78	77.	श्री एस० वी० खैरे	15-11-78
41.	श्री एल० के० देशपांडे	16-1-78	78.	श्री पी० एस० मालेगांवकर	15-11-78
42.	श्री एम० एच० मिरचन्दानी	15-3-78		मध्याह्न से	
43.	श्री आर० वी० सावडुत	19-4-78	79.	श्री पी० एस० पोपले	15-11-78
44.	श्री जी० बी० वांगणकर	24-5-78	80.	श्री आर० यू० पिल्लै	16-12-78
45.	श्री एस० के० शिन्दे	3-6-78	81.	श्री वी० आर० भोसले	28-2-79
46.	श्री पी० आर० कदम	1-6-78	82.	श्री ई० पी० बतासे	19-2-78
47.	श्री एस० एम० चव्हाण	11-7-78	83.	श्री एम० एस० जे० अगा	26-11-78
48.	श्री एस० बी० उनावने	4-7-78		मध्याह्न से	
49.	श्री एस० एस० गायकवाड़	30-8-78	84.	श्री एम० के० देशमुख	15-11-78
50.	श्री एस० के० लोन्धे	1-8-78	85.	श्री के० एस० जाधव	20-2-79
51.	श्री बी० एम० निकालजी	1-8-78	86.	श्री वी० डी० देवघर	19-3-79
52.	श्री सी० क० निर्भरण	21-9-78	87.	श्री ए० के० जोशी	12-3-79
53.	श्री ए० पी० गुजर	25-9-78	88.	श्री एस० एस० राणे	1-3-79
54.	श्री सी० डी० बाधमारे	22-8-78	89.	श्री बी० एच० महाजनी	8-3-79
	मध्याह्न से		90.	श्री एल० एम० कुलकर्णी	26-3-79
55.	श्री जी० बी० मेस्त्री	15-11-78	91.	श्री पी० ए० मोतियानी	22-3-79
56.	श्री एफ० एस० मचाडा	9-1-79	92.	श्री एस० जे० चुगानी	11-4-79
57.	श्री जी० एन० दबके	28-10-78	93.	श्री बी० एम० गुप्ते	5-5-79
			94.	श्री टी० एन० केतकर	4-5-79
			95.	श्री के० एल० नारंग	5-6-79

2	3
96. श्री आर० के० शाह	4-6-79
97. श्री बी० बी० लुते	4-6-79
98. श्री डी० एम० केलकर	5-6-79
99. श्री एन० एम० राजे	7-6-79
100. श्री आर० डी० कर्णिक	4-6-79
	मध्याह्न से
101. श्री एस० एल० काम्बले	29-6-79
	मध्याह्न से
102. श्री जे० आर० मराठे	11-6-79
103. श्री एन० डी० गडग	11-6-79
104. श्री जे० आर० खन्ना	8-6-79
105. श्री एन० एच० देशपांडे	11-6-79
	मध्याह्न से
106. श्री के० के० विजय	8-6-79
107. श्री वी० जी० राणे	5-7-79
108. श्री बी० के० कात्तारिया	11-6-79
109. श्री के० एम० दौलतानी	8-6-79
	मध्याह्न से
110. श्री डी० ए० आर० मन्सुरी	30-6-79
	मध्याह्न से
111. श्री ई० पी० वेन्गोपालन	30-6-79
	मध्याह्न से

सं० II/3 ई (फ) 2/77-I—बम्बई केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क समाहर्तालय के निम्नलिखित समूह "ख" के राजपत्रित अधिकारी/अधीक्षक/प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/अधिवार्षिकी/स्वैच्छिक आधार पर अपने नामों के आगे अंकित तिथियों को अप० में सेवानिवृत्त हो गए हैं :—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	श्री के० एन० जोशी	अधीक्षक	31-7-78
2.	श्री एन० आर० राजा-ध्यक्ष	प्रशासनिक अधि-कारी	31-7-78
3.	श्री एल० एफ० पेस	अधीक्षक	31-7-78
4.	श्री बी० एल० गायकवाड	अधीक्षक	31-8-78
5.	श्री एस० एन० टकले	अधीक्षक	30-9-78
6.	श्री जे० जे० डिसिल्वा	अधीक्षक	30-9-78
7.	श्री जी० जी० किणी	सहा० मुख्य लेखा अधिकारी	30-9-78
8.	श्री एस० वी० शेट	अधीक्षक	31-10-78
9.	श्री वी० एस० कुलकर्णी	अधीक्षक	31-10-78
10.	श्री एफ० एक्स० गोयस	अधीक्षक	31-12-78
11.	श्री वाय० वी० आकरकर	अधीक्षक	31-1-79
12.	श्री एन० के० चव्हाण	अधीक्षक	31-1-79
13.	श्री एम० आर० किर्तीकर	प्रशा० अधिकारी	31-1-79

1	2	3	4
14.	श्री एस० बी० प्रभू	प्रशा० अधिकारी	31-1-79
15.	श्री पी० एस० दोन्दे	अधीक्षक	28-2-79
16.	श्री एस० बी० तोरवी	अधीक्षक	28-2-79
17.	श्री ए० एम० ए० शेख	अधीक्षक	28-2-79
18.	श्री ए० एच० आय० शेख	सहा० मुख्य लेखा अधिकारी	28-2-79
19.	श्री के० बी० ऐलानी	अधीक्षक	31-3-79
20.	श्री वी० पी० राजेश्वर	अधीक्षक	30-4-79
21.	श्री एम० एच० अडजानिया	अधीक्षक	31-5-79
22.	श्री आर० डी० भाटकर	अधीक्षक	31-5-79
23.	श्री एन० ए० पिजाणी	अधीक्षक	30-6-79
24.	श्री एस० वी० घटोले	अधीक्षक	30-6-79
25.	श्री एम० जी० पंडीत	अधीक्षक	30-11-79
26.	श्री पी० वी० गोन्साल्विस	अधीक्षक	30-11-79

कु० श्री० दिलिपसिंहजी,
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (समाहर्ता)

मद्रास-600 034, दिनांक 19 मार्च 1980

सी० सं० 11/3/24/79-स्था०—श्री डब्ल्यू० एस० पार्थसारथी कार्यालय अधीक्षक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कार्यालय, मद्रास प्रशासनिक अधिकारी वर्ग 'ख' में स्थानापन्न हुए हैं और मद्रास-II डिविजन में (आगे आदेश देने तक) तारीख 31-12-79 से नियुक्त किए गए हैं।

बी० आर० रेड्डी,
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1980

सं० 9/80—श्री जीवन कृष्ण ने, जो कि पहले चण्डीगढ़ समाहर्तालय में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 11-1-80 के आदेश सं० 10/80 (फा० सं० ए-22012/38/79-प्रशा० II) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरित होने पर, 31 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० एल० रेड्डी,
निरीक्षण निदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 7 अप्रैल 1980

सं० 1-टी आर०(3)/76—राष्ट्रपति, मोगल लाइन लिमिटेड, बम्बई, के अधिकारी कप्तान ए० एन० श्रोसमानी को प्रतिनियुक्ति पर प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र" में तारीख 6-10-1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक तदर्थ आधार पर नाटिकल अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एम० सिधु,
नौवहन उप महानिदेशक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1980

सं० 78/आर० ई० 161/1—रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं की सामान्य जानकारी के लिए एतद्वारा सूचित किया जाता है कि अलग-अलग खंडों के लिए नीचे दी गई तारीखों को अथवा उनके बाद ए० सी० ऊपरी कर्षण तारों में 25 कि० वा० की उच्च वोल्टता वाली ऊर्जा चालू की जायेगी :—

खंड	तारीख
चिराला (छोड़कर) से उप्पुगुडूर (छोड़कर) तक	15-4-1980
उप्पुगुडूर (महित) से ओंगोल (महित) तक	15-4-1980
ओंगोल (छोड़कर) से बिटगंटा (छोड़कर) तक	30-6-1980

उसी तारीख से ऊपरी कर्षण लाइन हर समय बिजलीयुक्त मानी जायेगी तथा कोई अनधिकृत व्यक्ति उसके सामीप्य में न तो आयेगा न काम करेगा।

जनता को भी चेतावनी दी जाती है कि :

1. खंड में बिजली कर्षण तारों और फिटिंग से दूर रहें।
2. व्यक्तिगत रूप से सीधे अथवा खम्भों, बांसों, धातु की छड़ जैसी चीजों के जरिए ऐसी तारों और फिटिंग के पास अथवा सम्पर्क में न आये क्योंकि ऐसा करना घातक सिद्ध होगा।
3. डिब्बों के बाहर अपने शरीर के किसी हिस्से को झुकाना अथवा बाहर नहीं निकालना चाहिए अन्यथा घायल होने का खतरा है क्योंकि लाइन के दोनों ओर कर्षण तारों के लिए इस्पात के स्तूल खड़े किए गए हैं।
4. बिजली की फिटिंग और ऊपरी बिजली तारों से दो मीटर के क्षेत्र में अन्दर न आये।
5. ऊपरी तारों के पास न तो आये, न काम करें।
6. पायदानों पर यात्रा करना अथवा डिब्बों की छत पर चढ़ना मना है क्योंकि ऐसा करना घातक सिद्ध हो सकता है।

7. यदि किसी टूटी तार को देखें तो कृपया निकटवर्ती स्टेशन मास्टर को सूचना दें। इस चेतावनी की उपेक्षा करने के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना के लिए रेल प्रशासन जिम्मेदार नहीं होगा।

के० बालचन्द्रन,
सचिव, रेलवे बोर्ड

दक्षिण मध्य रेलवे

मिकन्दराबाद, 10 अप्रैल 1980

सं० पी० (जी० ए० जेड०) 185/लिखा—श्री टी० रामानुजा-चारी, दक्षिण मध्य रेलवे के लेखा विभाग के स्थानापन्न अधिकारी (श्रेणी-II) को उसी विभाग की श्रेणी-II (ग्रुप ख) सेवा में 29-3-1979 से म्यादी किया जाता है।

एन० नीलकण्ठ शर्मा,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० भाटिया ब्रादर्स ट्रांसपोर्ट कं० 8347 रोशनारा रोड, दिल्ली (प्रा०) लिमिटेड के विषय में
नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं० 2916/21735—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मै० भाटिया ब्रादर्स ट्रांसपोर्ट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

हर लाल
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स बादी ब्रादर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 12840/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स बादी ब्रादर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स मीरान्डा एग्री इन्डस्ट्रीज रीसर्च प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 18070/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि मैसर्स मोरान्डा अगरो इन्डस्ट्रीज रोमच प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स ओरीयन्ट इनस्युलसन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980]

सं० 12196/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स ओरीयन्ट इनस्युलेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स मेगनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 11917/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मेगनेटिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० गुप्ता
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स भावनगर पोटरोज लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं०/560/2079—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी

जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स भावनगर पोटरोज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सोमू ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० 4162/560(5)/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सोमू ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

(ह० अपठनीय)
कम्पनियों का सहायक सहायक रजिस्ट्रार

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं एफ 48-एडी(एटी)/79 भाग II—श्री बनवारीलाल, सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण, चंडीगढ़ [न्यायपीठ, चंडीगढ़ को स्वअनुरोध पर उनके अपने मूल विभाग [पंचायती राज (I) विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार] में, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बलिया (उ० प्र०) के पद पर नियुक्ति के लिए प्रत्यावर्तित कर दिया गया है उन्होंने 6 मार्च, 1980 के अपराह्न में सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, चंडीगढ़ न्यायपीठ, चंडीगढ़ के पद प्रभार का परित्याग कर दिया।

टी० डी० शर्मा
अध्यक्ष

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० भार०-I/
8-79/5691—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी प्लॉट नं० 5-ए, जो मकान
नं० 69 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त 1979 को।

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
बाराबिस रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स ईश एशस्मल्टिंग कम्पनी 69/5-ए नजफगढ़
रोड, नई दिल्ली हिस्सेदारों के द्वारा श्री अमर नाथ पसरीचा
(2) श्री बनारसी लाल पसरीचा (3) श्री अशोक कुमार
पसरीचा (4) श्री राज कुमार निवासी जे-59 राजौरी
गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. सुमेर मल पटवारी ट्रस्ट इसके मैनेजिंग डायरेक्टर
ट्रस्टी श्री के० एल० जैन, के-71 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोःस्नाक्षरी के पान
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैक्टरी का नमूना प्लॉट नं० 5-ए, मकान नं०
69 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 5777
वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली।

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 4/14 क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० /II/एस० आर०
II/8-79/2810—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० बी/160 है तथा जो नरैणा बिहार,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि उपायध्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित अन्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उसे बचने में
सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्रीमती सत्यावती विधवा स्वर्गीय श्री करम चं
कक्कड़ निवासी ई-24/A डी डी ए फव्वट राजौरी गार्डन
नजदीक मायापुरी जी-8 इलाका नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अनसूया प्रसाद जखानधुरा पुत्र स्वर्गीय श्री विशेष-
शरद दत्त खानधुरी निवासी बी-160 नरैणा बिहार डी०
डी० ए० कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० बी/160 नरैणा बिहार नई दिल्ली
में है। उसके साथ 4 कमरे एक स्टोर, किचन, 2 बरामदे
एक बाथरूम, लैटरिन, ऑन जी एफ और स्टेयर केस
इत्यादि हैं।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख : 14-4-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर० I 8-79/5713—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक० 14/46 है तथा जो (एक० -- 14/46) माडल टाउन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री यायूबानस नारायण पुत्र श्री रायका नाराक निवासी जी-3/5 माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती समकौर धर्मपत्नी सरदार ज्ञान सिंह कोहली निवासी एक 14/46 माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पट्टाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

[अनुसूची]

मकान नं० एक० 14/46 जिसका क्षेत्रफल 233.3/10 वर्ग गज, माडल टाउन गांव के इलाके मलिकपुर चानी दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

मोहर: []

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० /II/एस० आर०-1/8-79/5711—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3436 से 3441 तक है तथा जो और 3471 से 3476 तक मेन हाउज काजी वार्ड नं० 6 दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भगवान भाजन आश्रम बिन्दावन के द्वारा श्री बिहारी लाल झूनझूनवाला पुत्र श्री वशेश्वर नाथ सेन्टेटरी (अन्तरक)

2. श्रीमती उमा जैन पत्नी श्री सुरेश चंद जैन 1323 गली गुलियान दरीबा कलान, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3436 से 3441 तक और 3471 से 3476 तक मेन हाउज काजी, वार्ड नं० 6, दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 14-4-1980
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/8-79/6717—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 19 ब्लाक बी (बी/19) है तथा जो कम्यूनिटी सेंटर किंगजवे कैम्प नार्थ, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डाक्टर मुखर्जी नगर, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नरेश कुमार वर्मा पुत्र श्री ऐ० आर० वर्मा निवासी ऐ०-63 कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री डागर मल सोनी पुत्र श्री हंस राज श्री अशोक कुमार सोनी और निरदोश कुमार सोनी पुत्र श्री डागर मल सोनी निवासी 740 छोटा बाजार कश्मीरी गेट दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 19 ब्लाक बी (बी-19) जिसका क्षेत्रफल 101.44 वर्ग मीटर कम्यूनिटी सेंटर किंगजवे कैम्प नार्थ, डा० मुखर्जी नगर में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक: 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/एम० आर०-II/8-79/2762—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो एन० डब्ल्यू० ए० रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकाारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री बलदेव राज निवासी 9 जिनजी रोड, आजाद माविट दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राजन कुमार पुत्र श्री आर० बी० कौर और श्रीमती शीला रानी धर्मपत्नी श्री आर० बी० बत्रा निवासी 6/14 पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 15 जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग मीटर, एन० डब्ल्यू० ए० रोड, पंजाबी बाग गाँव के इलाके मादीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-4-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्ज्यू०/II/एस० आर०-II
/8-79 2761—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो नार्थ वैस्ट एवेन्यू रोड़,
पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अगस्त, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामप्रकाश पुत्र श्री बलदेव राज निवासी 9
शिवजी रोड़ आजाद मार्केट, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार बत्रा एवं श्री राजेश कुमार बत्रा
पुत्र श्री आर० बी० बत्रा निवासी 6/14 पंजाबी बाग
ईस्ट, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट का हिस्सा जिसका नं० 15, नार्थ वैस्ट
एवेन्यू रोड़ जिस कालोनी को पंजाबी बाग के नाम से
जाना जाता है। गाँव के इलाके मावीपुर दिल्ली राज्य
दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर्द्र० ए० सी० एम्पू०-II एस० आर०--
II/8-79 5702---अतः मुझे, आर० सी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1557 है तथा जो फेज गंज, पटौदी हाउस
दरयागंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्त बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है। ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

4-46GI/80

1. श्रीमती राजहरनी विधवा स्व० श्री ए० देवा
मिहू निवासी मकान नं० एच०-53 न्यू सीलमपुर, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री सुदर्शन कुमार मागत पुत्र श्री सन्त राम निवासी ऐ०
डी-38 टैगोर गार्डन सरकारी कवाटर नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2. मंजिल बिल्डिंग जिसका नं० 1557 फेज गंज
नजदीक पटौदी हाउस दरयागंज नई दिल्ली में स्थित है।
जिसका बार्ड नं० 11 है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एफ्यू० II एम० आर०-I
/8-79 5639-अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिनकी सं० के०-2/8 है तथा जो माडल टाउन,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, प्रगस्त, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती सत्या मचदेवा धर्मपत्नी श्री के० एल०
मचदेवा निवासी के०-2/8 माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री निरंजन लाल गुप्ता पुत्र श्री जे० एन० गुप्ता
निवासी एफ०-9/4, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जिसका प्लॉट नं० के०-2/8,
माडल टाउन गांव के इलाके मलीक पुर बघौनी
दिल्ली राज्य दिल्ली में है जिसका क्षेत्रफल 272.22
वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी० एफ्यू० II एम० आर०--
II/2808---अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 34 रोड नं० 52 कलास बी०

पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री अवतार सिंह सचदेवा पुत्र श्री नंद लाल
सचदेवा निवासी 34/52 पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री जग राम पुत्र श्री हरकी राम (2) श्री हबा
सिंह (3) श्री वृष्ण कुमार (4) श्री विशन कुमार और
ललित कुमार शर्मा पुत्र श्री जग राम निवासी 34/52
पंजाबी बाग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 34 रोड नं० 52 कलास-बी पंजाबी बाग,
में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० आर०-140/अर्जन-अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके परका 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 215/464 का 17/28 भाग तथा जो पान दरीबा चार बाग, लखनऊ में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राखा गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अन्तर्गत कर देने के अन्तरण के दायित्व में नहीं होगा या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :-

1. श्रीमती मीनादेवी अग्रवाल (अन्तरण)
2. श्री रामचन्द्र अमरनाथी (अन्तरिती)
3. बिक्रेता एवं किराएदारान

किरायेदारः (1) मैमर्स प्रेम मायकिल बक्स (2) प्रेम मायकिल बक्स (3) बहुरूपल (4) मन्तसिंह (5) मन्तामिह हलवाई (6) गोपीराम हलवाई (7) सुन्दर बनिया (8) हरीश चन्द्र खेड़ा (9) सरदार मन्तन मिह (10) प्रभाकर बागची (11) रहीम बक्श (12) मनादीन (13) मुशालाल बह्म (14) अगने कन्हार (15) रामप्रसाद (16) मुखही बह्म (17) महादेव (18) सरदार महेन्द्रामिह (19) सरदार चरणसिंह (20) ए० टी० बुजिफ (21) गालूरम अग्रवाल (22) रामनिवास अग्रवाल (23) ए० टी० बोरा (24) अण्णा सहायक। (वे व्यक्ति, जिनके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेश के अन्तरण कि कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को परागित अन्तर्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्राय व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

संश्लेषणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रथम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रथम में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 61 व 61 ए पर बनी हमारत जिसका नगर महाराजि का नम्बर 215/464 है उसका 17/28वा भाग जो माहलवा पानदरीबा चारबाग (पुराना कैनिंग स्ट्रीट) शहर लखनऊ में स्थित है सम्पत्ति का यह पब विवरण जो मेवडीड व फार्म 37 जी संख्या 5572/79 में वर्णित है जो पब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 16-10-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 28-12-1979

मोहर

प्रकृ. आई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निर्देश सं० आ०-142/अर्जन-अन्तः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मजान सं० 280-ए व 280-बी है तथा जो
मो० काली बाड़ी बरेली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-9-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में शासकिक कर के तय किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्ति की दर का उक्त
अधिनियम के प्रधिन कर देने के अन्तरक का
दायित्व में कमा करने या उन्ने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या प्रत्यक्ष आस्ति-
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- 1 श्री राजेन्द्र प्रकाश (अन्तरक)
- 2 श्री रामबहादुर व केशव प्रसाद (अन्तरिती)
- 3 विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पान लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मजान नं० 280-ए व 280-बी मय कोठरी दालान,
टिनरोड, गोदाम सहन मय जमीन व नल पानी मय मशीन व
पिटिंग आदि व डूकानात स्थित मोहल्ला काली बाड़ी पो० ओ०
सिटी शहर बरेली व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडोड
व फार्म 37-जी सं० 4543/1/79 में वर्णित है जिनका
पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक
21-9-79 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 19-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० आर०-143/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन० एम० पी० सी० 30/33 है तथा
जो मालदहिया, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती मुकुल रानी दास गुप्ता (अन्तरक)
2. श्री राजेन्द्र किशोर राय व देवेन्द्र किशोर राय
3. श्रीमती मुकुल रानी दास गुप्ता व उनके परिवार
के सदस्य। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला इंटों का बना पक्का मकान जो कि
फ्रीहोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 1526 वर्गफिट है पर बना
हुआ है। यह एस० पी० नं० 541 का भाग है और
इसका नगर महापालिका नं० सी०-30/33 मालदहिया
वाराणसी है। तथा संपत्ति का वह सब विवरण जो फार्म
37-जी संख्या 7946 व सेलडीड में किया जा चुका है
जिनका पंजीकरण अब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय
में दिनांक 15-9-1979 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 फरवरी, 1980

निर्देश सं० बी-89/अर्जन--अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी प्लॉट सं० 124/ए है तथा जो महानगर हा० स्कूल लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

1. श्रीमती शान्ति चौहान (अन्तरक)
2. श्रीमती बीना रस्तोगी (अन्तरिती)
3. बिक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट लीजहोल्ड नं० सी० 128/ए पैमाइश 4573 वर्गफिट वाले महानगर हाउसिंग स्कीम महानगर लखनऊ व संपत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी सख्या 4308 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 20-8-79 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 फरवरी, 1980

निर्देश सं० सी-26/अर्जन----अतः मुझे, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० बी० 15 है तथा जो एल० रोड, महानगर, लखनऊ में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री इफ्तिकार अहमद (अन्तरक)
2. श्री चन्द्रशेखर श्रीमती संख्या शर्मा (अन्तरिती)
3. श्री इफ्तिकार अहमद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संगति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० बी-13 स्थित एल रोड, महानगर एक्सटेंशन लखनऊ। क्षेत्रफल : 6324 वर्गफिट सीमा : पूर्व प्लॉट सं० बी-11 व 41 पश्चिम : 60 फिट चौड़ी एल० रोड और प्लॉट सं० बी०-1 व 14 दक्षिण प्लॉट नं० बी०-1 व 12 पैमाईश पूर्व-पश्चिम : 62 फिट। उत्तर दक्षिण : 102 फिट और संपत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5186 में वर्णित है जिनका रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-9-79 को हो चुका है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 29-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० जे-51/अर्जन—अतः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी मकान सं० ई० सी० .02/237 है तथा जो
कटरा चौद खां बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-8-79
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सवा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-46GI/80

- 1 श्री मिर्जा अंसगर अली बेग (अन्तरक)
- 2 श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल (अन्तरिती)
- 3 डा० भवानी शंकर अग्रवाल (वह व्यक्ति, जिसने
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करा हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० ई० सी० .02/237 स्थित
मोहल्ला कटरा चौद खां शहर बरेली व सम्पत्ति का वह
सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 4725
में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के
कार्यालय में दिनांक 3-9-1979 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री साविन्दर सिंह (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री विश्वनाथ बहल (अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक एवं अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० वी०-45/अर्जन—अतः, मुझे, अमरसिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी दीपक बिल्डिंग का आधा भाग है तथा जो
बुद्धबाजार, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-79
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दीपक बिल्डिंग का आधा भाग स्थित बुद्धबाजार स्टेशन
रोड, मुरादाबाद, यू० पी० व संपत्ति का वह सब विवरण
जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 4969 में वर्णित है
जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय
में दिनांक 29-8-79 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29-2-80
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० के०-90/अर्जन--अतः मुझे, अमरसिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 5 ब्लाक-ए है तथा जो कस्तूरबानगर
सिगरारामपुरा, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उगये चक्के में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रमाकान्त मिश्रा व जरिये अटार्नी अनुराग
मिश्रा (2) श्री अनुराग मिश्रा। (अन्तरक)
2. फर्म कुमार कारपेट एक्सपोर्ट्स व जरिये पार्टनर्स
रंजीतकुमार, अजीतकुमार, श्रीमती प्रभावती देवी और
ऊषा देवी व मंजू देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

।। (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2450 वर्गफिट क्षेत्रफल का प्लॉट नं० 5 ब्लाक-ए,
कस्तूरबानगर मोहल्ला सिगरा ग्राम रामापुरा, वाराणसी
मय तीन मंजिला मकान जो इस पर बना हुआ है व सम्पत्ति
का वह सब विवरण जो पेंजीड व फार्म 37-जी संख्या
5929 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 2-8-1979 को हो
चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 25-3-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए०-81/अर्जन-अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-27/78ए-1 तथा बी 27/78 ए-1-ए है तथा जो न्यू कालोनी, भेलूपुर, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. डा० जे० एम० घोषाल (अन्तरक)
2. श्री अरुण कुमार, जायस कुमार, भूपेन्द्र कुमार व अश्विनी कुमार (अन्तरिती)
3. उपरोक्त विक्रेता (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोधितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान नं० बी 27/78 ए-1 तथा बी 27/78-ए-1-ए मय भूमि के स्थित: मुहल्ला न्यू कालोनी भेलूपुर, शहर: वाराणसी व वह सारी सम्पत्ति जिसका विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 6841 में दिया गया है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 23-8-79 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 3-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निर्देश सं० सी०आर० 869 ए०सी०क्यू०-23-II/79-80--

अतः, मुझे, एस० एन० मोडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० जमीन का प्लॉट एम० नं० 148, 135/1 और 143 है तथा जो गांव वालन्जा जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री नानाभाई अंबालाल देसाई बलन्जा त० कामरेज (अन्तरक)

1. (1) श्री बनमालीभाई लल्लूभाई पटेल

(2) श्री बुलाभाई लल्लूभाई पटेल।

(3) श्री हण्डुभाई लल्लूभाई पटेल
वेन्डेसर, ता० चोरयासी जिला सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धार्शेय :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हरेखंडी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती लायक जमीन 24 एकड़ गांव वालन्जा तालुका कामरेज में स्थित है और रजिस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय कामरेज में दिनांक 1-8-79 को नं० 774/79 से की गई है।

एस० एन० मोडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० पी० आर० नं० 870 ए० सी० क्यू० 23- / 79-80—अत मुझे, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोड नं० 1275 सोयशेरी नं० 2 वाई नं० 5 है तथा जो हीरापुर, सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-8-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. प्रभुदास हीरालाल पटेल 6/2202 महीधरपुरा, नगरशेरी ताका सुरत। (अन्तरक)

2 (1) श्री सुरेशचन्द्रा शंकरलाल सिंगवाला
(2) श्री दिनेश चन्द्र शंकरलाल सिंगवाला
(3) श्री भूपेन्द्रा शंकरलाल सिंगवाला

शक्ति कृपा को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
विभाग-2 वेरच्छा रोड, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अससची

मिलकर नोड नं० 1225 वाई नं० 5 जो सोइशेरी सुरत में स्थित है और रजिस्ट्री रजिस्टर्ड कार्यालय सुरत में दिनांक 1-8-79 को नं० 1275/79 से रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 15-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 फरवरी 1980

रेफ० सं० पी० आर० नं० 878 एकन 23-II/
79-80—अतः मुझे, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9, म्यु० नं० 13, सर्वे० नं० 328-9 टी० पी० नं० 5 है तथा जो नर्मद नगर अठवा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-8-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

2. नीलाबेन प्रावीन खन्ना ठाकर नामद नगर सोसायटी अठवा लाइनम, सूरत। (अन्तरक)

2. श्री वृजलाल दुर्लभराम जोशी लाल दरवाजा गुन्डी शेरी, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलकियत जो साप में 441 चौरस वार है, और जो नार्मदनगर में प्लॉट नं० 9 और टी० पी० सं० 5, अठवा कारन सूरत में हम यह मलकियत रजिस्टर्ड नं० 2987 के अतिरिक्त नं० 7-8-79 के दिन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० पी० आर० नं० 887 एक्वि० 23-4-1/79-80—

अतः मुझे एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 184/1 + 3 कि जमीन
है तथा जो गडखोल ता० अंकलेश्वर में स्थित है (और
इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-8-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति:—

1. श्री फकीरभाई देवजीभाई, काजी फलीभा, अंकलेश्वर
(अन्तरक)
2. श्री अम्बालाल चिमनलाल और दूसरे, अंकलेश्वर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो गडखोल ता० अंकलेश्वर में है जिसका
सं० नं० 184/1 + 3 है यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अंकलेश्वर के द्वारा ता० 2-8-79 को रजिस्टर्ड
की गई है।

एस० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-3-1980

माहूर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

रेफ० नं० पी० आर० नं० 888 एडि० 23-14/
79-80—अतः मुझे, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 184/1 + 3 की जमीन है
तथा जो गडखोल ता० अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6-46GI/80

1. श्री फकीरभाई देवजीभाई काजी फलीआ, अंकलेश्वर
(अन्तरक)
2. (1) श्री अम्बालाल भीमनलाल और दूसरे अंकलेश्वर
(2) धनमुखभाई चुन्नीलाल मीठाईवाला, अंकलेश्वर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो गडखोल ता० अंकलेश्वर में है और जिसका
सर्वे नं० 184/1 + 3 है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अंकलेश्वर के कार्यालय में ता० 2-8-1979 को रजिस्टर्ड
की गई है।

एम० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० एक्वी० 23-I 2529(922)/11-4/
79-80--अतः मुझे एम० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और ज़मीन सं० सर्वे नं० 1723, सिटी सर्वे चार्ज नं०
3, शीट नं० 151 म्यून० नं० 10-6-56 पैकी है तथा
जो बागिया रोड, पोरबंदर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,
1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

1. श्री जे. ए. नालजी पाचगतीया मार्फत श्री पी० डी०
कक्कड़, एडवोकेट मार्फत एम० पी० रोड, पोरबंदर।
(अन्तरक)

2. श्री प्रभुदास देवचन्द चोंटाई सुतारवाडा, पोरबंदर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे।---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---उपरोक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त
आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिनका सर्वे नं० 1723, सिटी सर्वे
नं० 3, शीट नं० 151 म्यून० नं० 10-6-56 पैकी
नं० 916-83 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली गेरेज कम तथा
कम्पाउन्डपोल के साथ जो बागिया रोड पोरबंदर में स्थित
है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 2904 अगस्त 1979 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पोरबंदर द्वारा रजिस्टर्ड हुआ
याने उसमें जैसे प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 10-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1 श्री जेराज लालजी पाचमतीया, मार्फत श्री पी० डी० कश्कड़, एडवोकेट एम० जी० रोड, पोरबंदर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री जयनीलाल रामजी गठीया, केदारेश्वर रोड, पोरबंदर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-2529(923)/11-

4/79-80---अतः मुझे एम० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 1723 पैकी वार्ड नं० 3, शीट नं० 151-म्युनि० नं० 10-6-56 है तथा जो बडीया रोड, पोरबंदर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध भूखुर्वों में और पूर्ण रूपा में गणित है), राजस्वीयता प्राप्त करी के कार्यालय, पोरबंदर में राजस्वीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पुरा दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 1723 वाली मिट्टी सर्वे वार्ड नं० 3, शीट नं० 151-म्युनि० नं० 10-6-51 पैकी 189-58 वर्गगज क्षेत्रफल वाली जो बडीया रोड पोरबंदर में स्थित है तथा बिन्की दस्तावेज नं० 2907/अगस्त 1979 में राजस्वीयता अधिारी पोरबंदर द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है जाने उससे जैसी प्रापटी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 10-1-1980

सांहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० ए० सी० न्यू० 23-I-2529(924) 11-4/

79-80—यतः मुक्त, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० सिटी सर्वे नं० 1723 पैकी शीट नं० 151, वार्ड नं० 3, म्युनि० नं० 10-6-56 है तथा जो वाडिया रोड, पोरबंदर में स्थित है (और इसमें उपाब्ज अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जेराज लालजी पांचमतीया मार्फत श्री पी० डी० कक्कड़, एडवोकेट एम० जी० रोड, पोरबंदर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जय गौरी रतिलाल जोगिया ठक्कर, पोरबंदर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सिटी सर्वे नं० 1723, पैकी शीट नं० 151, वार्ड नं० 3, म्युनि० नं० 10-6-56 जो वाडिया रोड, पोरबंदर में स्थित है। 187-79 वर्ग-गज क्षेत्रफल वाला तथा बित्री दस्तावेज नं० 2906/ अगस्त 1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पोरबंदर द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें जैसे प्रापटी पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मंडल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 10-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1980

नं० एसीक्यू० 23-2529 (925)/79-80—यतः मुझे
एस० एन० मंडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सीटीसर्वे नं० 1723 म्युनि० नं० 10-6-56 पैडी
है तथा जो बड़ौदा रोड, पोरबंदर में स्थित है (और इस
से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री जेराज लालजी पाश्मनिया
श्री पी० डी० कक्कड़, अेडवोकेट के मारफन
एम० जी० रोड
पोरबंदर (अन्तरक)
- (2) श्री प्रवीण कुमार बल्लभदास पाऊ
सवेरी बाजार
पोरबंदर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सीटी सर्वे नं० 1723 वाली खुली जमीन — म्युनि नं०
10-6-56 पैडी 410-48 वर्गगज क्षेत्रफल वाली जो बड़ीया
रोड पोरबंदर में स्थित है तथा बिस्फी दस्तावेज
नं० 2905/ अगस्त-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
पोरबंदर द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है या तो उसमें जैसे प्रापर्टी
का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मंडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 10-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० आई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-2713(956)/1-1/
79-80—अतः मुझे, एम० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 160 तथा 161, नरोडा इण्डस्ट्रियल एस्टेट के हैं तथा जो नरोडा-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हीरालाल बनमालीदास प्रजापती बी-2, पहली मंजिल, भारतनगर, ग्रान्टरोड, बम्बई। (अन्तरक)

2. मै० रीलायन्स टैक्सटाइल्स इण्डस्ट्रीज पोर्ट हाउस चौथी मंजिल, तिलक मार्ग, धोबीतलाब, बम्बई-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

गण्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1673-63 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाली इमारत जिसका सब प्लॉट नं० 160 तथा 161 है जो नरोडा इण्डस्ट्रियल एस्टेट अहमदाबाद में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 9458/13-8-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें जैसे प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 4-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० एस० सी० ब्यू० -23-I-2996(957)/1-1/
79-80--अतः मुझे, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कालुपुर वार्ड नं०-1, शीट नं० 22, सर्वे नं० 2433, 2446, 2447, 2448 है तथा जो कालुपुर टावर के सामने, कालुपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए० से किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. कोरावाला महाजन

द्वारा सर्वश्री (1) पटेल रणछोड़लाल हरीलाल नोवोवास दानापीठ, अहमदाबाद।

(2) हीरालाल रामचन्द्र श्रीरामजी की पोल, वाडीगाम दरीयापुर, अहमदाबाद।

(3) शांतिलाल माधवलाल, भंडेरीपोल कालुपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. कालुपुर कार्मशियल सेंटर प्रमोटर्स सर्वश्री:--

(1) श्री शहबीर ईमरानभाई लोखंडवाला शेख मुंजाल का मोहल्ला कालुपुर टावर के पास कालुपुर अहमदाबाद।

(2) श्री जवाहरलाल डाल्याभाई गांधी निचली शेरी, ढाल के पोल, अहमदाबाद द्वारा। (अन्तरिती)

3. (1) श्री जे० नाथाभाई

(2) श्री सुरेशचन्द्र गोरधनदास

(3) श्री धल्लभदास मोहम्मलाल

(4) श्री स्टार कारपोरेशन

सब कालुपुर कार्मशियल सेंटर के मारफत कालुपुर टावर के सामने कालुपुर, अहमदाबाद। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईमरत जो कालुपुर कार्मशियल सेंटर नाम से प्रख्यात है जो कालुपुर वार्ड नं० 1 शीट नं० 22, सर्वे नं० 2433, 2446, 2447, 2448 में, कालुपुर, कालुपुर टावर के सामने अहमदाबाद में स्थित है। तथा बिक्री दस्तावेज नं० 8426/4-8-1979 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें जैसे प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 4-3-1980

सांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मार्च, 1980

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-J-2682 (983)/

16-6/79-80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० केवडावाडी, शेरी नं० 2, राजकोट है तथा जो केवडावाडी, शेरी नं० 2, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रामजीभाई मेणाभाई चोटलीया, 22, केवडावाडी, राजकोट। (अन्तरक)

2. श्री बचुभाई मंछोभाई, केवडावाडी शेरी नं० 2, राजकोट। (अन्तरिती)

3. (1) श्री शांतिलाल पोपटलाल

(2) श्री बाबूलाल पोपटलाल

(3) जिबीबेन रणछोड़भाई

(4) मगनलाल खीमजी

(5) मनसुखलाल करसनभाई

केवडावाडी शेरी नं० 2, राजकोट।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल का इमारत 333.6 वर्ग गज जमीन पर खड़ी हुई जो केवडावाडी शेरी नं० 2, राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 4848 दिनांक 7-8-1979 से रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 13-3-1980

माहुर:

प्रकरण धार्मिक टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 19

निदेश सं० पी० आर० नं० 895/एक्वि० 23/19-8/

79-80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 2783, बाई नं० 2 है तथा जो कबितपुरा, मगरामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक : दायित्व में कमी करने या उल्लेख करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धारितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया जा चुका था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-46GI/80

1. श्रीमती अमीना बीबी अब्दुल सत्तार अब्दुल करीम, सिधिवीह, सूरत। (अन्तरक)

2. श्रीमती जोहर बीबी मुसुकमीया अमीरमीया, गोलकीवाड, मगरामपुरा, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो मगरामपुरा, सूरत में स्थित है। जिसकी नोंध नं० 2783 कि अतिरिक्त यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में ता० 22-8-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च, 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 896/एक्सि० 23/19-8/79-80-

अतः मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 5153, कोर्ड नं० 2, है तथा जो कारम मोहल्ला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सावक जहांगीरजी उनवाला खुसरो बाग, एफ-2, बम्बई। (अन्तरक)

2. श्री सुन्दरलाल मोतीलाल डामरवाना कराम मोहल्ला रस्तमपुरा, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो कराम मोहल्ला रस्तमपुरा सूरत में है। जिसका नोंद नं० 5153, और कोर्ड नं० 2 है ये मिलिकियत रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में ता० 2-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 19-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
 अहमदाबाद दिनांक 19-3-1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 897-एक्वी०-23/19-8/79-80—
 अतः मुझे, एस० एन० माण्डल
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० 468 पैकी जमीत है तथा जो कतारगाम में
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-8-1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती निर्मला बेन, बाबुभाई गोपीपरा, लीमड़ी-
 कुई, सूरत। (अन्तरक)
- (2) सैक्रेटरी : जयंतिलाल रामजीभाई पटेल, मंत्री :
 श्री परशोत्तम जवाहरलाल पटेल के द्वारा प्रभु-
 नगर, को० आप० हाउसिंग सोसाइटी, वरीआवी,
 बाजार, सैयदपुरा, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 1
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन जो कतारगाम में स्थित है और जिसका सर्वे नं०
 468 है, ये जमीन नं० 2910 से सूरत रजिस्ट्री कार्यालय
 में रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० माण्डल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-3-1980
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19-3-1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 898 एक्वी०, 23/19-8/79-80—अतः मुझे एस० एन० मान्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० पैकी जमीन है तथा जो कतारगाम सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हेमन्तकुमार बालूभाई गोपीपूरा, लीमडी कु ई सूरत। (अन्तरक)

(2) सैक्रेटरी: जयंतीलाल रामजीभाई पटेल,
मंत्री: श्री परशोत्तम जवाहर पटेल
सीदपुरा, बरीभाधी बाजार, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कतारगाम में स्थित है और जिसका सब नं० 468 है, ये जमीन नं० 2911 से सूरत रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 1-8-1979 को रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मान्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- अहमदाबाद

तारीख: 19-3-1980

मोहर:

प्रकरण धार्द० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 19-3-1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 899-ए०वी०-23/19-8/79-80—

अतः मुझे एस० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन तन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 468 पैकी जमीन है। तथा जो कतार-गाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परब्रह्म प्रतिज्ञा अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई कि तो धाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अतीत :—

(1) श्री बालुभाई प्रभुभाई, गोपीपुरा, लीमडी कुई, सूरत। (अन्तरक)

(2) सेक्रेटरी: जयंतीलाल रामजीभाई पटेल
मंत्री: श्री परशोत्तम जवाहरलाल पटेल के द्वारा,
प्रभुनगर को० आप० हार्डसिंग सोसाइटी सैयद-पुरा, धरीआबी बाजार, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोऽम्नाश्रयी त पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कतारगाम में स्थित है और जिसका सर्वे नं० 468 है, ये जमीन नं० 2912 से सूरत रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में तारीख 1-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मान्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 19-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 19-3-1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 900 एक्वी/19-8/79-80—

अतः मुझे, एस० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 468 पैकी जमीन है तथा जो कतार-गाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रोहितकुमार बालुभाई गोपीपुरा, लीमडीकुई, सूरत (अन्तरक)

(2) सैक्रेटरी: श्री जयंतीलाल रामजीभाई पटेल
मंत्री : श्री परशोत्तम जवाहरलाल पटेल के द्वारा,
प्रभुनगर को० आप० हाउसिंग सोसाइटी सैयदपुरा,
वरीआबी बाजार, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कतारगाम में स्थित है और जिसका सर्वे नं० 468 है। ये जमीन नं० 2913 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में सूरत में रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मान्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख: 19-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 26 मार्च 1980

निर्देश सं० ए०सी०क्यू०-23-आई०-2570 (990)

12-2/79-80—अतः मुझे, एम० एन० मण्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म्युनि० नं० 10/144 से 10/1/153-10 गोदाम है तथा जो स्टेशन रोड, भुज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुज में 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम' 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी षण या अन्य भास्तिर्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

(1) श्री केशव लाल बाघजी पटेल कुल मुख्तयार श्री पटेल बाघजी मावजी के मारफत नवावास भाषा-पर ता० भुज। (अन्तरक)

(2) (1) लुहार नूरमोहम्मद मुसा (2) लुहार सीदीक मुसा गांव—बारागलिया ता०—अवडासा जिला—कच्छ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10 गोदाम—जो 4264 वर्ग फुट जमीन पर खड़े हैं जो स्टेशन रोड भुज पर म्युनि० नं० 10/1/144 से 10/1/153 स्थान है तथा विक्री दस्तावेज नं० 1390 अगस्त 1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भुज द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें मिल्कत का जैसे पूर्ण विवरण दिया गया है।

एस० एन० मण्डल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 26 मार्च 1980

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-आई०-2570 (991) 12-2/
79-80—अतः मुझे एम० एन० मंडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 5 दुकाने गैरेज के साथ है तथा जो भुज
स्टेशन रोड भुज, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय भुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के जिसे प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रभारिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
राखविक्रय होने कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री कान्तीलाल बाघजी पटेल कुल मुख्तियार श्री
पटेल बाघजी भावजी के मारफत नवावास—माधापर
ता० भुज (अन्तरक)
(2) (1) श्री नूरमोहम्मद मुसा लुहार (2) श्री
सीद्दीक मुसा लुहार गावः वारालीया ता०
भुज, जिला वच्छ (अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोधनकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और अर्थों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रबल होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गैरेज के साथ 5 दुकाने जो 2535 वर्ग फुट जमीन पर
खड़ी—भुज स्टेशन रोड—भुज में स्थित है तथा बिक्री दस्ता-
वेज नं० 1391/अगस्त-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
भुज द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है उसमें जैसे प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन
दिया गया है।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1980

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 28-3-1980

निदेश सं० ए०सी०क्यू० 23-आई०-2724(997) 1-1/79-
80—अतः मुझे एस० एन० मण्डल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रितका उचित बाजार मूल्य 23,030/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 155, हिस्सा नं० 2,3,4 तथा 5 है तथा
जो घोडामर, अहमदाबाद जिला में स्थित है (और इसमें
उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अग्रस्त,
1979 को।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अग्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्य-
विक्रय रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारता :—
8-46GI/80

(1) श्री चन्द्रकान्तबेन मोहनलाल लल्लुभाई कोठारी,
तथा अन्य कुल मुख्तयार श्री हममुख लाल मोहनलाल
कोठारी के मारफत अमृतलाल की पोल, खाडिया
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) बरमाना को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
चेयरमैन: श्री अमरकान्त एच० व्यास के मारफत
बालवाटिका के पीछे, मणीनगर, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
धार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताफरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-अ में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो 7698 वर्गगज, 8265 वर्ग गज, 6355 वर्ग
गज तथा 3875 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली है जिसका सर्वे नं०
155 पैकी है जो जो घोडामर जिला अहमदाबाद में स्थित है
है तथा विक्री दस्तावेज नं० 9045/9046/9047/9048/79
जो अग्रस्त 1979 के दूसरे पखवाड़े में प्राप्त हुए तथा रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने
उसमें प्राप्ति का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मण्डल

सज्जम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 28-3-1980

मोहर:

प्रमुख आई० टी० एन० एन०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ग (1) के अधिनियम

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, अहमदाबाद

तारीख 25-3-1980

निदेश पी० आर० न० 903 ए०सी०क्यू०-23-II 79-80—

अर्जन रज-II, अहमदाबाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन निम्नलिखित की, यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका स० एस० न० 863-1, 864, 865, 863-2, है तथा जो नेशनल हाइव न० 8 पारडी कस्बा में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रिकृत रूप में अधिनियम, 1968 (1968 का 16) के अधीन 6-8-1979

को प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्येक की गई है और इससे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल से इसे प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिक) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित है उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए— और/या

(ख) किसी किसी आय या किंसा धन या अन्य आस्तया, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाय अन्तारता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (I) श्री नींदरणी अरविश पारडीवाला,
(2) श्री धरनाजीश अरविश पारडीवाला
(3) श्री मोशरवान अरविश पारडीवाला
(4) कुम्भवन अरविश पारडीवाला
(5) डोलीबेन अरविश पारडीवाला
(6) श्रीबेन अरविश पारडीवाला,
महाराष्ट्र (अन्तरक)

2. (1) श्री हनीफ गरी
(2) श्री अब्दुलमजीद हनीफ गरी
(3) श्री अब्दुल लतीफ हनीफ गरी
(4) श्री अब्दुल के० हनीफ गरी
(5) श्री अब्दुल गफर हनीफ गरी
जिना-वालवा

कस्बा पारडी तालुक-पारडी बाल-बालसाद (अन्तारता),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अहमदाबाद

अर्जन ए० न० 863-1, 864, 865, 863-2, है जो नेशनल हाइव न० 8 पारडी कस्बा में स्थित है और रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय पारडी में न० 938 में दिनांक 6-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए० न० ए० न० मंडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अहमदाबाद

तारीख

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 25-3-1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 904 ए० सी० न्य०-23-II/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहें गये हैं), की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना प्रकाशित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० संवे नं० 784 और 788 है तथा जो आनंद में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनंद में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1968 (1968 का 16) के अधीन 31-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवेचित करने के कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती: अहिबेनोबाकाशीभाई फूलाभाई पटेल की निवृत्ति के बाद के अर्जन के अन्तरक (अन्तरक)
- (2) गोवरधन नगराजप्रसादभाई हाउसिंग सोसाइटी (लिमिटेड) आनंद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन के पश्चात् 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बीच से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त व्यक्तियों के द्वारा लिखित में कि एक व्यक्ति द्वारा, या

संबन्धीकरण: इस सूचना के प्रकाशन के पश्चात् 45 दिनों के भीतर उक्त व्यक्तियों के द्वारा लिखित में कि एक व्यक्ति द्वारा, या

अनुसूची

जमीन संवे नं० 784-1 और 788 है जो आनंद में स्थित है और रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनंद में नं० 1682 से दिनांक 31-8-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए० सी० न्य० मण्डल

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 25-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 25-3-80

निर्देश नं० पी० आर० 905 एस० क्यू०-23-II/79-80—

अतः मुझे, एस० एन० मण्डल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सर्वे नं० 784-1 और 788 है तथा जो आनंद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 31-8-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उत्पन्न बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पटेल मंगन भाई चतुरभाई, आनंद
(अन्तरक)
- (2) गोरधन नगर को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमि-
टेड आनंद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एस० नं० 784-1 और 788 है जो आनंद में
स्थित है। और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय के आनंद में
नं० 1682 से दिनांक 31-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई
है।

एस० एन० मण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख: 25-3-80
मोहर:

प्ररूप आर्द् टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 25-3-1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 906 एस०सी० क्यू०-23-II/79-80—अतः मुझे एस० एन० मण्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 784-1 और 788 है। तथा जो आनंद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के अधीन 31-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री पटेल आवेरभाई फलाभाई संघ गांव, नडीयाद तालुका (अन्तरक)

(2) गोरधन को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड आनंद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 784-1 और 788 है जो आनंद में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनंद में नं० 1683 से दिनांक 31-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मण्डल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
अहमदाबाद

तारीख : 25-3-80
मोहर :

प्रधानमंत्री टि. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कार्यालय, अहमदाबाद

तारीख 25-3-1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 907 ए० सी० क्यू० 23-II/
79-80—अतः मुझे एस० एन० मंडल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्रदाताओं को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13-ए० अरुणोदय को० आप०
सोसाइटी लिमिटेड है तथा जो अलकापुरी बडौदा में स्थित है (और
इससे उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रजिस्ट्रेशन अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-8-79
उक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अग्निरहित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यद्यपि उक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

निम्नलिखित

(क) अस्वाभाविक रूप से किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री छोटाभाई मोतीभाई पटेल और दूसरे 12
अनुसूची सोसाइटी बडौदा-5 (अन्तरक)
(2) श्री चन्दभाई एन० पटेल, अरुणोदय
सोसाइटी अलकापुरी, बडौदा (अन्तरिती)

को यह सूचना दी जाये कि उनके पूर्वित संपत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाही कर रहा हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना के
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकी में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित रख
किया अन्य व्यक्ति द्वारा अस्वाभाविकी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रमाणित है:— इसमें प्रयुक्त गणना और पदों का प्रयोग
उक्त अधिनियम के धारा 269-ब के अन्तरण
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अधिनियम
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची नं० 13-ए० अरुणोदय सोसायटी
में है जो अलकापुरी बडौदा में स्थित है और रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय में नं० 4363 से दिनांक
20-8-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मंडल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-II,
अहमदाबाद

है

तारीख 25-3-80
मोहर:

प्रूप-आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 26-3-80

निर्देश सं० पी० आर० नं० 908 ए० सी० क्यू०-23-II/

79-80—अतः मुझे एम० एन० मण्डल

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 490 है तथा जो लखवाड पट्टी नडीयाड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडीयाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसा दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपाबद्धों में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) मनीभाई वाघजीभाई पटेल लखवाड चोरा के पास नडीयाड

(ii) नवदीप गोग्रान भाई लखवाड, नडीयाड (अन्तरक)

(2) श्री काशभाई प्रह्लादभाई पटेल हीरीकंज संतराम सोमावटी, नडीयाड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवैधताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होता जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेलकी जमीन सर्वे नं० 490 संतराम डेरी के पास है जो पीपलाज रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नडीयाड में नं०-2929 से दिनांक 17-8-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद

तारीख : 26-3-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कार्यालय, अहमदाबाद

तारीख 26-3-1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 909 ए० सी० क्यू०-23-II/
79-80—अतः मुझे, एस० एन० मंडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 490 है तथा जो लखवाड़ पट्टी
नडीयाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नडीयाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, 17-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) (i) मणीभाई बागजीभाई पटेल लखवाड़ चोरा
के पास नडीयाद
(ii) नवदीप गोरधन भाई लखवाड़, नडीयाद
(अन्तरक)
- (2) श्री अरविन्दभाई इन्दुभाई "गुरुदया" संतराम
सोसाइटी नडीयाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिन खेती लायक जमीन ए० डी० एम० नं० 2299 एस०
नं० 490 है जो संतराम डेरी के पास पिपलाज रेलवे क्रासिंग
में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नडीयाद
में डीड नं० 930 से दिनांक 17-8-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मंडल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
अहमदाबाद

तारीख : 26-3-80

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1980

निवेश सं० पी० आर० 911 ए० सी० क्यू० 23-II/79-80—

अतः मुझे, एस्० एन० मण्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 45 एण्ड 46 है तथा जो
जो नागौर हवेली इन्डस्ट्रियल एस्टेट, सीलवासा में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाम्बे में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रयुक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण व हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उममे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9-46GI/80

(1) श्री रामभाई शांतिलाल मेहता और वूसरे; मी०
टेक्सटाइल्स टेक्निशियन्स कार्मिशियल के भागीदार,
450, लैमिंगटन रोड, तीसरी मंजिल, बोम्बे-4
(अन्तरक)

(2) मी० बोम्बे टेक्सटाइल्स के भागीगदार (1) श्री
मुरारीलाल बाबुलाल खेमानी 201, कालबावेवी
रोड, बोम्बे-2

(2) श्री हरीशकुमार रामकरण कमालिया 20/सी०
हुन्नारशी रोड श्रीसागर, बालकेश्वर, बोम्बे-6

(3) श्रीमती शकुन्तला नाथालाल बजाज; 29/सी०
हुन्नारशी रोड, श्रीसागर, बालकेश्वर, बोम्बे-6
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में स्वयं में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान प्लॉट नं० 45 और 46 है जो
नगर हवेली इन्डस्ट्रियल एस्टेट में स्थित है और रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बाम्बे में नं० 1772/75 से
दिनांक 4-8-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस्० एन० मंडल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख :

मोहर :

प्रारूप धारा 10 टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

पी० आर० नं० (999) एम० क्यू० 23 /79-80 I-1-

अन० मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एम० नं० 4894 सी नं० 2556 ए० शाह-
पुर है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे संपादित
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अर्जिन 8-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री हरीशमाध दामोदरधाम (2) श्रीनीतीनभाई
कन्हैयालाल, शाहपुर, गोआरीमानी पोरा अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री कोलीनान ज़िमानलाल मेहता, भद्रेश्वर सोसाईटी
देवहीदरबाजा के बाहर हाथीभाई टेम्पल के सामने, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के धार्या 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन पर खड़ा हुआ मकान एम० नं० 4854 शीट
नं० 45 एम० सी नं० 2596-ए शाहपुर I में है और अहमदाबाद
में स्थित है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदा-
बाद में रजिस्टर्ड नं० 7715 से दिनांक 8-8-1979 के
रॉन रजिस्टर्ड की गई है।

एम० एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 2-4-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 913/ऐ०सी० क्य० 23-II/79—80—
अत, मुअ, एस एन० माडल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जमकी सं० प्लॉट नं० 8 रोड नं० 2 है तथा जो
उधना उद्योगनगर से स्थित है (और इससे छपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 13-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निरंजन बैनीलाल दलाल; 9/1302, बालाजी
रोड, सूरत (अन्तरक)

2. मै० पन्नालाल और सन्त; 7/4425, बेगमपुरा, दारु-
खाना सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करती हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन प्लॉट नं० 8 रोड नं० 2 है और उधना उद्योग
नगर में स्थित है । और रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्या-
लय सूरत में नं० 3032 से दिनांक 13-8-1979 के
रोज रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० एन० मांडल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 2-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

पी० आर० नं० 914 ऐक्टू 23-II/79-80—अतः
मुझे एम० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 जमीन रोड नं० 2 है तथा जो
छदना छद्योग नगर छदना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 13-8-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अंतरक के वायिस्थ
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हंगाबेन रमेशचन्द्र दलाल, 8/1302 बालाजी रोड,
सूरत। (अन्तरक)

2. मे० पन्नालाल और सन्स 7/4425 बेगमपुरा, दह-
खाना, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन प्लॉट नं० 8 रोड नं० 2 है जो छदना छद्योग
नगर छदना में स्थित है। और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के
कार्यालय सूरत में तं० 3033 से दिनांक 13-8-1979 को
रजिस्टर्ड की गई है।

एम एन० मांडल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 2-4-1980

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 915 ए० सी० ब्यू० 23-II/79—

80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 358/ब है। तथा जो चाकावाला शेरी, वाडी फालीया वाडें नं० 9 सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के विषे प्रत्यर्पित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल में, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और प्रत्यर्पि (प्रत्यर्पितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यर्पण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीचन्द्रकान्त छोटुभाई देशाई (2) श्री अनीरुद्ध विनोद भाई देशाई; चाकावाला शेरी वाडी फालीया, सूरत (अन्तरक)

1. श्री नागीनलाल न उनदास (2) श्री हरीलाल नगीन-दास बागरा महोल्लो जम्पा बाजार सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकीयत नोंद नं० 3588 है जो चाकावाला शेरी वाडी फालीया सूरत में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3137/79 में रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

सख्त प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1980

पी० आर० नं० 916 ए० क्यू० 23-II/79-80—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 2288/2 घोड़घोल रोड के पास है तथा जो अडवा गांव सूरत में स्थित है और इससे अपा-बद्ध अनुसूचित में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-8-1979

वो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अंतरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों में प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भवान भाई उकाभाई पटेल गांव वांकाजेर ता० वारडोनी श्री चतुरभाई रणछोड़जी (अन्तरक)

. प्रतीक अपार्टमेन्ट को-ओपरेटिव सोसायटी श्री ए० ए० वांन्डेलीवाला श्री जीतेन्द्रकुमार एस० शोड गांव अठवा सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकीयत एस० नं० 2288/2 घोड़घोल के पास है जो गांव अडवा में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3108/79 से दिनांक 23-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 3-4-1980।

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० 917ए० सी० क्यू०—अतः मुझे,
एस० सी० तारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी नोड सं० 555 तालावाला पोल, नानावाट
है। तथा जो कार्ड नं० 11 सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या कि या जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री रजनी कान्त कान्तीलाल शाह (2) नूतन-
बेन रजनीकान्त शाह (3) समीर राजेश रजनीकान्त शाह और
उनके कर्ता रजनीकान्त कान्तीलाल शाह, नटराज पार्क-
मेंट, भागा तालाब, सूरत (अन्तरिती)

2. श्री चन्द्रेश कुमार नवीनचन्द्र शाह ; सगीर नीमेश कुमार
नवीन चन्द्रशाह और उसके कर्ता नवीनचन्द्र नवल चन्द शाह
नानावाटी हनुमान पार्क, सूरत (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धि करण—इसमें प्रयुक्त गश्तों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत नोड नं० 555 बोर्ड नं० 11 है जो तालावाला
पोल, नानावाट सूरत में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सूरत में 2975 से दिनांक 6-8-1979
के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० तारिख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख 7-4-1980

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1980

निवेश सं० पी० आर० 918 गे०सी०क्यू० 23-II/79-80-
यतः मुझे एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० पुराना एस० नं० 242 पेखी नं० वार्ड
नं० 13 है तथा जो नोंध नं० 328 नर्मदानगन वसाहट
अठवा सुरत में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 23-8-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नमः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. श्री मधुकर नटवरलाल इच्छाराम देसाई भुलेश्वर
बोम्बे । (अन्तरिती)

2. श्रीमति ललिताबेन रमेशचन्द्र नायक 5, राधानगर
अथवा लाइन्स सुरत (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

जमीन न्यू एस० नं० 13 नोव नं० 328 है जो नरेंद्रनगर
वसाहत अठवा सुरत में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सुण में नं० 3101/79 से दिनांक 23-8-79
के रोज रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख 7-4-1980 ।

मोहर :

प्रारूप भाई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 919/सीक्यू० 23-II/79-80—

अतः मुझे एम० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 1518 है तथा जो उमरवाडा सूरत
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रयत्नित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उम्मेद बचने में रुचि के लिए; धीरे/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
रुचि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—46GI/80

1. (1) लक्ष्मीनारायण बीरबलदास (2) सुष्मादेवी
जुगलकिशोर बीरबलदास की पत्नी
अवयस्क उषादेवी जुगलकिशोर
,, आशादेवी ,,
,, रेणुदेवी ,,
,, रामकिशोर ,,

सबके मुस्तारनाम, श्री प्रियामलाल बीरबल दास, 873, गली
बेरीवालीया, पाटीराम बाजार सीताराम दिल्ली-61 (अन्तरक)

2. मे० हीरालाल कीरीतकुमार तथा क० के भागीदार
(1) श्री हरीलाल रतिलाल जरीवाला (2) बलवन्त
राम मोहनलाल जरीवाला (3) धनेमकुमार कान्तीलाल जरी-
वाला (4) लीलावतीबेन जमीयत राम जरीवाला मलाबत-
पुरा धमलावाड, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षीप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन नोद नं० 1518 है जो उमरवाडा सूरत में स्थित
है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों कार्यालय सूरत में
3162 से दिनांक 30-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई
है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० (1000) ए सी ब्यू 23-I/79-80---

अतः मुझे, एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 211 से 215 प्लॉट नं० 11-B पैकीबी-11-3 है। तथा जो सारू सैक्शन रोड, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाध्व्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात 1--

1. (1) श्री गिरधरलाल माधवजी (2) श्री रमणीकलाल माधवजी इंजिन्ज ओफीस के पास, जामनगर। (अन्तरक)

2. महावीर बालवज सोल० प्रापराईटर; श्री अमृतलाल नाथुभाई शाह; एम० पी० शाह म्यूनिसिपलटी उद्योगनगर जामनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धि:--इसमें पृष्ठन शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन शब्दों में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान आर० एस० नं० 211 से 215 प्लॉट नं० 11-बी है और जो सारू सैक्शन रोड, जामनगर में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में नं० 1875 से दिनांक 1-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 7-4-1980।
मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1001 एसिक्यू 23-I/79-80—

अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी आर० एस० नं० 211 से 215 प्लॉट नं० 11-बी है तथा जो सारु सेक्शन रोड जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. बीजा बाख्खे द्वारा सोल प्रोपराईटर मनसुखलाल नाथूभाई शाह (अन्तरक)

2. वडगाम भाईभाई के द्वारा

(1) गिरधर लाल माधवजी (2) रमणीकलाल माधवजी
इन्जीनियर्स आफिसर के पास जामनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान आर० एस० नं० 211 से 215 प्लॉट नं० 11-बी है जो सारु सेक्शन जामनगर में स्थित है और रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जामनगर में नं० 1876 से दिनांक 1-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख 7-4-80
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1003 एसकिय 23-I/79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 13 एफ० पी० नं० 181 एस० नं० 627 से 629 है तथा जो टी० पी० नं०—15 वाडज अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-1979 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक का शायद में कमी करने या उससे अवन में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को त्रिंशे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात्:—

1. रूप नगर एपार्टमेंट्स को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० c/o जयश्री कारपोरेशन 6 रवी चेम्बर्स रीलीफ सिनेमा अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री हाफीज इस्तम दलाल "सुनबीम" भीरजापुर अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के पत्र में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के पद्याय 20-ग में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सब-प्लॉट नं० 13 एफ पी० नं० 181 एस० नं० 627 से 629 टी० पी० नं० 15 है जो वाडज अहमदाबाद में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में नं० 10080 से दिनांक 30-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड कि गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 7-4-1980:
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० 1002 एं सी ब्यू 23-I/78-
80—अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 15 एफ० पी० नं० 181
एस० नं० 627 728, 629 है। तथा जो टी० पी०
एम० नं० 15 वाडज अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधि-
कारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
ता ता ता त्ति त्त, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 रूपनगर एपार्टमेंट्स को-ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
लि० C/0 जयश्री कारपोरेशन, 6-रवी चेम्बर्स रीलीफ सिनेमा
अहमदाबाद (अन्तरक)

2 श्री रुस्तम दलाल "सुनबीम" मिरजापुर अहमदाबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निबिड में लिख जा सकेंगे।

हाश्टेकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन आडी एम० 535 वर्ग गज सब प्लॉट नं० 15
एफ० पी० नं० 181 एस० नं० 627 पार्ट 627 से 629
है जो वाडज अहमदाबाद में स्थित है और रजिस्ट्रीवर्ता
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में नं० 10081 से
दिनांक 30-8-1979 को रजिस्टर्ड कि गई है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 7-4-1980

मोहर :

प्रकृष जार्डि० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० 1004 ए० सी० ब्यू० 23-I/79-80-
अतः मुझे एम० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 106/1 टी०पी०एस नं० 21 है। तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाद्धत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में राश्ट्रविक रूप से कबित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य भास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः--

1 सावेरमती रामनगर जैन स्वेम्बर भुर्ती पुजक संघ रूप चन्द डाह्याभाई के द्वारा सत्यनारायण सोसायटी रामनगर सावेरमती, अहमदाबाद (अन्तरक)

(1) श्री कल्याण चन्द चुनीलाल शाह (2) श्री छन्ना-लाल चुनीलाल शाह (3) सुमतिबेन साकरचन्द श्री अरुण-कुमार साकरचन्द के द्वारा बी/2 रचना एपार्टमेंटस नवरंग-पुरा अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकें।

शब्दोद्धार:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एस० नं० 106/1 टी० पी० एस० नं० 21 है जो अन्वीआर अहमदाबाद में स्थित है। और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में नं० 9258 और 9259 से दिनांक 6-8-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख 7-4-1980

मोहर:।

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अप्रैल, 1980

निदेश सं० पी० आर० 106/ए०सी०क्यू० 23/1/79-80—

अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ई० पी० नं० 7/15 सब प्लॉट नं० ए
है। तथा जो गोंडल रोड राजकोट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री सीजीयकुमार मोहनलाल नटवरलाल मोहनलाल ;
गोन्डल रोड, राजकोट । (अन्तरक)

2 सुर्यकान्त हरजीभाई और दूसरे; 2, ओसवाल कालोनी
जामनगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्वय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ई० पी० नं० 7/15, सब प्लॉट नं० ए है जो
गोन्डल रोड राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय राजकोट में नं० 3570 से दिनांक 1-8-79 को
रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 9-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 9 अप्रैल 1980

पी० आर० 1007/ऐं०सी०क्यू०-23/1/79-80-

अन: मुझे ऐम० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० ऐम० पी० नं० 7/15 सब प्लॉट नं० बी है तथा जो गोन्डल रोड राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री धीरजलाल लालजीभाई बडगामा गोन्डल रोड राजकोट (अन्तरक)

2. श्री सूर्यकांत हरजा भाई और दूसरे

2. ओसवाल कालोनी जीतेन्द्र निवास जामनगर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन इ० पी० नं० 7/15, सब प्लॉट नं० बी है जो गोन्डल रोड राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 3520 से दिनांक 1-8-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- अहमदाबाद

तारीख 9-4-1980

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अप्रैल 1980

पी० आर० नं० 1008 एसीक्यू 23-I/79-80—अतः :

मुझे, एस० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 433 है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या प्रकट जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्त्या

11—46GI/80

1. श्रीमति शारदाबेन मेघजीभाइ भल्डोडीभा 25 न्यू जगन्नाथ, दीनेशकुन्ज राजकोट (अन्तरक)

2. हेमन्तलाल सबजीभाई पटेल हाथीखाना राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 433 है जो राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 5020 से दिनांक 13-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारिख

सहम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 9-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 27 मार्च 1980

निदेश नं० 791-ए/दादरी 79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषिभूमि है तथा जो मंगलबेगमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हरिसिंह पुत्र श्री भगवाना निवासी मंगलबेगमपुर तह० दादरी जिला गाजियाबाद (अन्तरक)

2. श्री धर्मप्रतिष्ठानम ई-9 डिफेंस कालोनी नई देहली द्वारा जी, महापात्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 251/2-17-0 ग्राम मंगलबेगमपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मार्च 1980

निदेश सं० 798-ए/वावरी/79-80—प्रतः भू. बी० सी०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेहालिफताबाद में
स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वावरी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री देवीचन्द्र व खिले राम व बाबू लाल पुत्र गोपी-
चन्द्र व श्रीमति सुरेशवती बेवा ब्रजलाल बिहारी पुत्र बल्लू
सिंह व संरक्षक मिजानिक जगदीश प्रसाद व धीरज व भीम
सिंह पुत्र श्री भूली सिंह निवासी मझावसी फाजलपुर सूबा
देहली । (अन्तरक)

2. श्री एम० आई० सी० आई० ई०-9 डिफेंस कालोनी
नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महापात्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 13/4-0-0 ग्राम गेहालिफताबाद परगना व
तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सहायक आयुक्त,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज कानपुर

तारीख: 31-3-1980
मोहरः]

प्रकरण धार्मिक डी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1980

निदेश सं० 789-ए/दादरी/79-80—अतः मुझे बी० सी चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मंगल बेगमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारिण में कसो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओप/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगत सिंह पुत्र श्री राजे व श्रीमती चंदरी पति राजे मडावली फाजलपुर सूबा देहली (अन्तरक)

2. महिनाछयान विशापीठ जीडिफेंस कालोनी नई देहली द्वारा डा० जी० महापात्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 216 ग्राम मंगलबेगमपुर में स्थित है।
3-13-0

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख 27-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल 1980

निदेश सं० 1236-ए/कानपुर/79-80—अतः मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं प्लॉट नं० 8 है तथा जो स्वरूप नगर कान-
पुर में स्थित है और इससे उपायय अतुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कान-
पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 18-10-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के हुई किसी धाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; धीर/का

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतन चन्द्र राधा स्वामी रोड अमृतहर (अन्तरक)
2. श्री महेश प्रसाद चन्द्रसाद मेहरोत्रा निवासी 7/188-ए
(1) स्वरूप नगर कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योदयनधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

यशुवर्मा

एक निता प्लॉट नम्बर 8 व, 7/1881/ए/1/2 जो
503.75 वर्ग गज स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,
अर्जन, रेंज कानपुर

तारीख : 5-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल, 1980

निदेश सं० 844-ए/कानपुर/79—80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 51/27 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा किशन सोमानी डा० महाबीर उध्यान पत्र बजाज नगर जयपुर '4' (अन्तरक)

2. श्रीमति फूललता सोमानी सा० 51/27 नयागंज कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मिला मकान जिनका नम्बर 51/27 न्यू 51/87 नयागंज कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-4-1980।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश नं० 447/अर्जन/फिरोजाबाद/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जलसर रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-8-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जगपाल शर्मा पुत्र श्री पोखपाल शर्मा (न० नु० जलसर रोड कस्बा व डाकखाना फिरोजाबाद (अन्तरक)

2. श्री प्रभूदयाल पुत्र श्री बलबन्त सिंह निवासी थार गंगाराम मजरा मौजा एलई तह० एत्मावपुर जिला आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जलसर रोड कस्बा फिरोजाबाद जिला आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-3-1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजय रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० 448-अर्जन/79-80—अतः मझे बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जलेश्वर रोड में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 8-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरक से दुर्भ्रंश किसी धाय को बाहर उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिनसे वे सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रेम प्रकाश व सत्यप्रकाश पुत्रगण प० जगपाल
जी शर्मा निवासी मु० जलेश्वर रोड कस्बा फिरोजा-
बाद । (अन्तरक)

(2) श्री दौलतराम पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी
ठार गंगाराम मजरा एलई तह० एस्मावपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान बाके जलेश्वर रोड कस्बा फिरोजाबाद
रकबा 1400 वर्ग फीट सीमा पूरब रास्ता सड़क पच्छिम रास्ता
गली 8 फीट चौड़ा उत्तर जायदाद मूलचन्द दखिन रास्ता गली
है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजय रेंज, कानपुर।

तारीख : 21-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मार्च 1980

निदेश सं० 402/अर्जुन/अलीगढ़/79-80—यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 9/42 है तथा जो बाजार मुहम्मदअली रोड में स्थित है (और हमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के आयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-46GI/80

(1) श्रीमती हकीमुनिस पतिन स्व० श्री मो० इब्राहीम, निवासी आतिशबाजार, मुहम्मद अली रोड, अलीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री असगर अली तथा अन्य, निवासी मु० आतिश बाजार, अलीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहताशरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9/42 मुस्तफा बिल्डिंग आतिश बाजार, मुहम्मद अली रोड अलीगढ़ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० 337-अर्जन/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो ईसानगर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांकी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राधे लाल सारस्वरपुत्र स्व० श्री प्रेमलाल निवासी कृष्णा पुरी अलीगढ़ । (अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवान देवी पत्नि श्री सन्त कुमार, कनवरी गंज, अलीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान स्थित मो० ईसानगर, अलीगढ़ में स्थित है ।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-3-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मार्च 1980

निवेश सं० 333/अर्जन/अलीगढ़/79-80—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो अताईयान उस्मान पाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेशचन्द्र घ चक्खननाल पुत्र श्री सोहनलाल निवासी मोहल्ला अताईयान उस्मान-पाड़ा शहर कोल जिला अलीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद पामीन पुत्र हाजी शौकत व श्रीमती शमीम बेगम पत्नि मुहम्मद पामीन उपरोक्त निवासी मोहल्ला चाहबसन्ता शहर कोल, जिला अलीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एल किता मकान यदवालाबाला तामीरपुरला बाके मोहल्ला अताईयान उस्मानपाड़ा जिला अलीगढ़ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-3-1980

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मार्च 1980

निदेश सं० 406/अर्जन/आगरा/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13 है तथा जो ताजगंज, आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा० सतवन्त सिंह सोधी पुत्र श्री पृथीपाल सिंह निवासी 8, रकाब गंज, आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्री इकबाल नारायण खन्ना पुत्र श्री नारायण खन्ना, निवासी मडिया कटारा, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20F में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 13, जमरीमा इन्कलेब बसई ताजगंज, आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-3-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मार्च 1980

निदेश सं० 316-अर्जन/79-80---प्रतः मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो कानपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-7-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
भया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) कु० परासर्स ब्राउन पुत्री स्व० खरेन जान ब्राउन
15/32 मिशन कम्पाउण्ड सिविल लाइन कानपुर
व खुद बहैसियत मुस्तारआम श्री विक्टर सी० ब्राउन
पुत्र स्व० श्री खरेन जान ब्राउन सा० खरेन वुड
यूनाइटेड मेथजिस्ट चर्च हरमिटस एन्ड साइड सनी
एवेन्यूज शिकागो इलिनोस 60640 (यू०एस०ओ०)
व विन्सटन अनिल ब्राउन पुत्र स्व० श्री डबल ए०
ब्राउन विलियम ब्राउन बपौत खरेन जान ब्राउन
2110 बेसलेबन्यइवास्टन इलिनोइस 60201
यू० एस० ई० व श्रीमती मेविसवान्ड नाब्राउन
पुत्री स्व० खरेन जान ब्राउन पति स्व० डेविड-
वन्स, 15/32, मिशन कम्पाउण्ड, सिविल लाइन,
कानपुर। (अन्तरक)

(2) श्री गुरप्रसाद व राम प्रसाद व श्रीमती
प्रेमदेवी पति श्री पन्नालाल 35/156, बंगाली
मोहाल, कानपुर। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 15/32 411 वर्ग गज दो मंजिला
परेड चर्च कम्पाउण्ड कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-3-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 मार्च 1980

निर्देश सं० 70/अर्जन/हाथरस/79-80—अस्तः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गली रामलीला
हाथरस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 30-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
एक दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रकरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है;

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में प्रयत्न करने और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जोगेन्द्र गान्धी पुत्र श्री हरनाम सिंह व
बाबूलाल पुत्र श्री उदैराम व कृष्ण कुमार स्वामी
पुत्र श्री केदारनाथ व रामजीलाल पुत्र श्री बहोरी-
लाल, नि० हाथरस, जिला अलीगढ़ । (अन्तरक)

(2) श्री पन्नालाल पुत्र श्री पदमसिंह, नि० ग्राम पुरा-
खुर्द, तह० हाथरस, रघुनन्दन प्रसाद पुत्र श्री गोविन्द
राम, नि० ग्राम भदामई तह० हाथरस व
श्रोमती सवपी देवी विधवा श्री सूरजपाल सिंह, नि०
ग्राम रमनपुर, तह० हाथरस व शिवशंकर शर्मा पुत्र
श्री गोविन्द राम शर्मा, नि० ग्राम लहरा, तह०
हाथरस व रामेश्वर दयाल शर्मा पुत्र श्री पन्नालाल
शर्मा, नि० सासनीद्वार गली रामलीला, हाथरस,
अलीगढ़ । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषणाशरी के
पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रयोग
में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम गढ़ी तमना, तह० हाथरस, जिला अलीगढ़
में स्थित हैं ।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1980

निर्देश सं० 761-ए०/डी० दून०/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो राजपुर रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई त्रिती आर को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री राम कुमार नरूला पुत्र श्री रामचन्द्र नरूला निवासी 49-सी०, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र कान्ता खन्ना पत्नी श्री गुलजारी लाल खन्ना, श्रीमती मधू खन्ना पतिन श्री दीपक खन्ना निवासी 156-डी०, राजपुर रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्योहरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में प्रदाया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 0.92 एकड़ जो मेन रोड, देहरादून राजपुर रोड पर स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मार्च, 1980

निर्देश सं० 591/अर्जन/आगरा/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3/27 है तथा जो रुई मन्डी
शाहगंज, आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 21-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती पुष्पा शर्मा पुत्री स्व० हीरालाल शर्मा
निवासी 51/2, सिविल लाइन आगरा (अन्तरक)
- (2) श्री भगवानदास पुत्र श्री रमाशंकर निवासी
3/24, रुई मन्डी शाहगंज, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टोकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 3/27 बाके रुई मन्डी शाहगंज आगरा
में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1980

निर्देश सं० 806/अर्जन/मथुरा/79-80—अतः मुझे बी०

सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 855 है तथा जो बाके घाटी
बाहलराम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 23-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

13—46GI/80

(1) श्री लक्ष्मी नारायण भारतीया पुत्र लाला जमना
प्रसाद जी 79 कान्ती नगर जयपुर व तह०
मुख्तार खास श्रीमती पद्मी विधवा स्व० जैनारायण
स्वयं व संरक्षिका अपनी नाबालिगन पुत्री गण
मोहनी व मधु पुत्री जैनारायण व श्रीमती
मिशलेश पति लक्ष्मी नारायण, पति जैनारायण
व श्रीमती उषा पति नरेश बिहारी लाल
व चन्द्र प्रकाश व मोहन प्रकाश व हरी
प्रकाश व रघुवीर प्रकाश पुत्र जैनारायण व
मीरा पति प्यारे श्याम पुत्री जैनारायण नि०
वपाल पो० खास हाल 79 कान्ती नगर जयपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त सिंह पुत्र चमेली प्रसाद व श्रीमती प्रेम-
लता पति बलवन्त सिंह व बृजेन्द्र सिंह व महेन्द्र
सिंह पुत्र बलवन्त सिंह नि० कुआगाली मथुरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान तीन मंजिला नं० वाटर रेट 855 बाके
घाटी बाहलराम शहर मथुरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-2-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अन्वीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 मार्च 1980

निर्देश सं० ४४४/अर्जन/फिरोजाबाद/७९-६०-४ तः
मशे, बी० सी० चतुर्वेदी

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अग्रीम पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 486 भूमि है तथा जो होलपुरा में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में अग्रिम पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दायित्व फॉरवर्ड करने में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरत (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिना तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य १ उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उम्मेद बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) सर्वश्री ओम प्रकाश, सत्य प्रकाश, वेद प्रकाश
व श्री प्रताप पुस्तकालय मुन्शी हर प्रसाद व शरद
चन्द्र पुत्र बाबू राम चन्द्र श्रीवारतन नि० ६६, पु०
पगला फीरोजाबाद, जिला आगरा । (अन्तरध)

(2) श्री सुनहरीनाल व मुकट मिह पुत्रगण चौखेलाल
निवासी डोनपुरा, परगना फोरोजाबाद, जिला
आगरा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।]

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુસૂચી

आराजी बाके मौजा ढोलपुरा परगना फीरोजाबाद, जिला
आगरा खमरा नम्बर 304-5-2-10 पुख्ता लगानी 42-55
मालाना है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
मक्षम प्राध्यापारी,
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, कानपुर

तारीख : 18-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मार्च 1980

निर्देश सं० 592/अर्जन/आगरा/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 3127 है तथा जो रुई मन्डी शाह-गंज, आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती पुष्पा शर्मा पुत्री हीरालाल शर्मा, निवासी 51/2, निविज लाइन, आगरा। (अन्तरक)
- (2) श्री विनेश चन्द्र पुत्र रमाशंकर, निवासी रुई मन्डी, शाहगंज आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदन्वये व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राश्रीहरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान न० 3/27 बाके रुई मन्डी, शाह गंज, आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० 756-ए०/देहरादून/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान 12 है तथा जो डन्डीपुर, देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1F) के अधीन तारीख 7-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सवित्री देवी पत्नी सिपाही लाल, डन्डीपुर मोहल्ला, देहरादून। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला देवी पत्नी ताराचन्द्र व नीरज, 12, डन्डीपुर, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 12, मोहल्ला डन्डीपुर, देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० 962-ग०/वी० एन०/अनूपशहर/79-80—अतः,
मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो अनूपशहर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूपशहर से,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विक्रम पुत्र पुरनचन्द्र, निवासी कस्बा अनूपशहर,
मौ० छत्ता, डा० खाम परगना तह० अनूपशहर
जिला बुलन्दशहर। (अन्तरक)

(2) श्री ब्रजाल सिंह, केहर सिंह, जगवीर सिंह,
बालिगान व मान सिंह ता० वा० आयु 16 साल
बालिगान वा पिता लहरी सिंह पुत्र फतह सिंह
बाके अनूपशहर, मौ० छत्ता डा० खाम पर० व
तह० अनूपशहर, जिला बुलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुल बीघा बाके अनूपशहर तह० अनूप-
शहर जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-3-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० 449-अर्जन/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिना उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये में प्रदर्शित है
और जिसकी सं० मकान है तथा जो जलेश्वर रोड में स्थित
है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 8-8-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रूप के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिस्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपातः

(1) श्री वेदप्रकाश व ज्ञान प्रकाश पुत्र श्री जग पाल
जानी, निवासी मु० जलेश्वर रोड, कस्बा फीरोजाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री भगवान सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह, निवासी
ग्राम ठार, तालाब मजरा एलई, तह० एत्मादपुर,
आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान बाके मु० जलेश्वर कस्बा फीरोजाबाद
पूर्व रास्ता सड़क, पश्चिम जायवादा प्रेमप्रकाश आदि, उत्तर
जायवादा मूलबन्द दक्षिण आराजी प्रभूदयाल आदि में स्थित
है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० 915/अर्जन/कासगंज/78 ए०-३ तः रई बं
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन पत्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कुतनपुर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कासगंज में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
27-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित वाक्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माया देवी पत्नि श्री विशन स्वरूप व
जयदेवी पत्नि भगवती प्रसाद व विमलादेवी पत्नि
राम प्रकाश व श्री देवी पत्नि श्री शानप्रकाश
नि० कस्बा कासगंज पो० नाथूराम पर० बिलराम
जिला एटा (अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश गुप्ता जौजे श्री गिराज विशोर
निवासी कासगंज पो० जैजैराम जिला एटा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

हरष्टीकरण :— इमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुतन पुर पर० बिलराम जिला एटा में स्थित
है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-3-1980
मोहर :

प्रकाश प्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

निदेश सं० 401/अर्जन/अलीगढ़/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो लक्ष्मीपुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहन लाल पाण्डेय पुत्र श्री राम पान निवासी लक्ष्मीपुरी (मराय बाबू) अलीगढ़ हाल निवासी रेलवे कालोनी रेवाड़ी जिला महेंद्रगढ़। (अन्तरक)

(2) श्रीमती जमवन्ती देवी पति श्री ओम प्रकाश गुप्ता निवासी जोगिया डा० व थाना हाथरस जिला अलीगढ़ हाल निवासी सराय हसकीम अलीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक महान लक्ष्मीपुरी सरायबाबू अलीगढ़ पुरान गली पश्चिम महान कृपा देवी व महान छीतरमन उत्तर गली दक्षिण महान चन्द्र पाल, लक्ष्मीपुरी में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-3-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मार्च, 1980

निदेश सं० 307/अर्जन/79-80—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 3/38 है तथा जो विष्णुपुरी में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14 —46G1/80

(1) श्रीमती बनबीरो देवी पति अल्याण सिंह निवासी मकान नं० 3/38 विष्णुपुरी कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती बिमलादेवी पति श्री एस० एस० सरन निवासी ग्राम ब पो० पचनखी जिला सिवान बिहार राज्य (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अज्ञोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हिता मकान जिसका नं० 3/38 विष्णुपुरी का आधा भाग जो चारसौ वर्गफुट पर बना है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-3-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1980

निदेश सं० 479-अर्जन/79-80—अतः मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 2479/1 है तथा जो 190 आजादपुरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्वेषी में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ललितपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 28-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान
प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भिम वरजीनिया एल० फलू आर० ई० मिसन
ललितपुर (अन्तरक)

(2) श्री जार्जलीन 190 आजाद पुरा ललितपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राश्न :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना
की तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रशोधनाशरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

2479/1 भूमि सम्पत्ति न० 190 आजादपुरा ललितपुर
पाम गोविन्द सागर डैम जिला ललितपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-3-1980
मोहर :

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० 488/अर्जन/आंसी/79-80—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अन्तर्गत प्रकाशनीय, यद्यपि विज्ञापन करने
का कारण है कि राजपत्र में उक्त बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० महान 87/3 है तथा जो सिविल लाइन
में स्थित है (और इसमें उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के कार्यालय आंसी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 15-8-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अनुरोध की गई है और यह या विज्ञापन
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्त बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक और अन्तरक (अन्तरकों
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के
दायित्व में लगे करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ लागू की जा रही है, प्रकट नहीं किया
गया या प्रकट किया गया है, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित शर्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रमेश कुमार शर्मा पुत्र श्री रामनारायण
निवासी 80 सिविल लाइन आंसी (अन्तरक)
- (2) श्री योगेश्वर पाल शर्मा पुत्र श्री राम प्रकाश शर्मा
निवासी 87/3 सिविल लाइन आंसी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मांग :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रबल होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कित्ता नम्बरी 87/3 सिविल लाइन पूर्व प्रा० रोड
पश्चिम बंगला की खुली जमीन देव करण सिंह उत्तर बंगला
की खुली जमीन देवकरण सिंह छ रिका मीटर गैरेज की खुली
जमीन है रु० 30/- अर्थात् 800/ सालाना क्वार्टर ऐरिया
2611 वर्ग फुट है व खुला ऐरिया 2015 वर्ग फुट।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-3-1980
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० 491-अर्जन/फरुखाबाद/79-80—अतः, मुझे बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषय समझाने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और ज़िम्मेदार सं० दुकान है तथा जो कटरा अहमद गंज में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरुखाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्जन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायत्व में कमी करने या उक्त दायत्व में कटौती के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसका अन्तरण या छिपाने में मुक्ति के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :-

(1) श्री दुलारी देवी बेवा व बलराम टन्डन व सुशीला टन्डन पुत्रगण लक्ष्मी नारायण उर्फ लच्छू व श्रीमती रेनु पुत्री लक्ष्मी नारायण मजकूर जीजा राजीव अरोड़ा सा० मो० बक्सरिया 270 शहजहापुर व बृहन्मा नारायण वल्द मन्मलाल कमलादेवी जीजा ब्रह्मा नारायण मजकूर सा० फरुखाबाद (अन्तरिती)

(2) श्री दयाराम पुत्र लईसेलाल सा० मो० चीनी ग्राम पुरन चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री गुलाब चन्द्र सा० मौजा कोण पाची शहर फरुखाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

एक किता दुकान पुख्ता उत्तर जिसमें एक कमरा है जिसका क्षेत्रफल 40 वर्ग मी० है बाके कटरा अहमद गंज उर्फ शेहरो रोड में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं० 480/अर्जन/उरई/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन तत्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० इखलासपुर नगर है तथा जो पटेल नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उरई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णितः—

(1) श्री अमरनाथ पुत्र श्री जगन्नाथ सा० मुहल्ला तुलसीनगर स्टेशन रोड कस्बा उरई जिला जालौन।
(अन्तरक)

(2) श्री डा० राजेन्द्र कुमार पुरी बहद श्री एम० एल० पुरी व श्रीमती कमलेश पुरी जौजा डा० राजेन्द्र कुमार पुरी सा० पटेल नगर उरई जिला जालौन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाके मौजा इखलासपुर नगरपालिका उरई पटेल नगर कस्बा उरई जिला जालौन में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 20-3-1980
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

निदेश सं० 410/अर्जन/भागरा/79-80—अतः मझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 104 है तथा जो जयपुर हाउस
कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भागरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 13-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बंशीलाल पुत्र सीताराम निवासी मालवीय
कुंज लोहामण्डी, भागरा। (अन्तरक)

2. श्री दिनेश सिंघल पुत्र श्री देवकीनन्दन सिंघल
निवासी कारवानलोहा मण्डी, भागरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जमीन प्लॉट संख्या 104 क्षेत्रफल 378
वर्गगज बाके जयपुर हाउस कालोनी लोहामण्डी, भागरा में
स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-3-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1980

निर्देश सं० 727-ए/मंसूरी/79-80—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० 2, 4, 3 है तथा जो कुलरी मंसूरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगन्नाथ शर्मा एडवोकेट रिसीवर मैसर्स मन्सारांम एण्ड संस 15 बी न्यू रोड, देहरादून। (अन्तरक)

2. भाग सिंह कटारिया राकसी बिल्डिंग राकसी सिनेमा के नीचे कुलरी, मंसूरी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समंघी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नम्बर 2 व 3 और सूट नम्बर 9 से 13 तथा 15 से 19 कुलरी मंसूरी में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-3-1980

मोहर:

प्ररूप आर्ह टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल, 1980 ज

निवेष्ट सं० 801-ए/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गैन्गा तिलपताबाद
में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी
म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के धारित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्री गोपी पुत्र छुट्टन व राजे पुत्र खचेंडू व बिहारी पुत्र
बल्लू निवासी मडावली फाजलपुर मबा बहली

(अन्तरक)

1. श्री धर्म प्रतिष्ठानम ई० 9, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली
द्वारा डा० जी० महापात्रा पुत्र श्री पी० महापात्रा निवासी
दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 102/3-9-3 ग्राम गेन्गा तिलपताबाद तह०
दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1980

माहूर:

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० 794-दादरी/79-80—अतः मुझे बी०
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और ज़िम्मेदार सं० कृषि भूमि है तथा जो मंगलबेगमपुर म
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 28-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

15-46GI/80

1. श्री खचेड पुत्र बल्लू व खिलेराम व देवीराम व
बाबूराम पुत्र गण गोपी व श्रीमती सुरेशवती बेबा ब्रजलाल
व जगदीश प्रसाद पुत्र श्री भूले व बिहारी पुत्र बल्लूबालि
व संरक्षक मिनजानिक धीरज व भीमसिंह ता० पुत्र भूले
निवासी मंडवली पंभजनसर सूबा देहली। (अन्तरक)

2. श्री धर्म प्रतिष्ठानम् ई० 9 डिफेंस कालोनी, नई
दिल्ली द्वारा डा० जी, महापात्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-1 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 225/2-12-0 ग्राम मंगल बेगमपुर परगना
व तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-3-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

[भारत सरकार]

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मार्च, 1980

निर्देश सं० 792-ए/दादरी/79-80—अतः मझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मंगलबेगमपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 31-8-197

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
'जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फतन पत्र धोसा निवासी मंगलबेगमपुर तह०
दादरी गाजियाबाद) (अन्तरक)

2. श्री महाश्वेति ध्यान विद्यापीठ यू० पी० द्वारा डा०
जी० महापात्रा निवासी ई० 9 डिफेंस कालोमी, नई
दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

सूचना हरग:— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 260/2-12-0 ग्राम मंगलबेगमपुर में स्थित
है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मार्च 1980

निदेश सं० 793-ए/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेझा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशितियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विहारी पुत्र श्री बल्ल सिंह बली व संरक्षक व जानिव जगदीश प्रसाद वालिग धीरज व भीमसिंह नावालिग पुत्र श्री भर्लसिंह दादा स्वयं व खिलेराम व बेबी-चन्द्र व बाकूलाल पुत्रगण गोपी चन्द व श्रीमती सुरेशवती बेवाक बजलाल नि० मढ़ावली फाजलपुर सूबा देहली।

(अन्तरक)

2. श्री धर्मप्रतिष्ठानम ई० डिफेंस कालोनी नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महापात्रा पुत्र श्री पी० महापात्रा निवासी 9 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पञ्चम में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20A में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 54/5-9-0 ग्राम गेझा धिलपताबाद परगना व तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज, कानपुर

तारीख : 31-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल, 1980

निदेश सं० 798-ए/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेन्ना तिलपताबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री खिलेराम व देवीचन्द्र व बाबूलाल पुत्रगण
गोपीचन्द्र व श्रीमती सुरेशवती बेवा बृजलाल व बिहारी सिंह
पुत्र बल्लू सिंह वली व संरक्षक मिनजानिब जगदीश प्रसाद
व धीरज व भीमसिंह पुत्र भूलेसिंह निवासी मडावला फाजल-
पुर सूबा देहली। (अन्तरक)

2. एम० आई० सी० आई० 9 डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली द्वारा जी० महापात्रा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 13/3-2-0 ग्राम गेन्ना तिलपताबाद
परगना व तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल 1980

निदेश सं० 797-ए/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेंझातिलपताबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बाबूलाल व खिलेराम व देवी चन्द्र पुत्र गण गोपीचन्द्र व श्रीमती सुरेशवती बेवा बृजलाल व बिहारी सिंह पुत्र बल्लूसिंह वली व संरक्षक भिनजानिव जगदीश प्रसाद व धीरज व श्रीमती भीमसिंह नाबालिग पुत्र भूलेशिंह निवासी मवावली फाजलपुर सूबा देहली। (अन्तरक)

2. श्री एम० आई० सी० आई० ई० 9 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महापात्रा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13

कृषि भूमि ————— ग्राम गेंझातिलपताबाद परगना व तह० 4-0-0

दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रज, कानपुर

तारीख: 1-4-1980

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल 1980

निदेश सं० 803-ए/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेंडा, तिलपताबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जगत्सिंह (वालिंग) व रणधीर सिंह व अष्टि-
कुमार व दुलीचन्द्र (नाबालिगान) पुत्रगण श्री राजे व संरक्षक
कुदरती मनचन्दरी निवासी मंडावली फाजलपुर, सूबा धेहली।
(अन्तरक)

2. एम० आई० सी० आई० ई० 9, डिफेंस कालोनी
नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महापात्रा पुत्र श्री पी० महापात्रा
निवासी ई० 9 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

9
कृषि भूमि 2-13-0 ग्राम गेंडातिलपताबाद परगना
व तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-5-1980
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मार्च, 1980

निदेश सं० 790-ए/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेंडा तिलपताबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल तत्समलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक करने कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री खिलेराम, देवीचन्द, बाबूलाल पुत्र गोपीचन्द श्रीमती सुरेशवती पत्नी ब्रजलाल व जगदीश प्रसाद पुत्र भूले सिंह व धीरज सिंह भीम सिंह पुत्र श्री भूनेसिंह व बली दलेराम बिहारी पुत्र श्री बल्ल निवामी मंडावली फाजलपर सूबा देहली। (अन्तरक)

2. महिला ध्यान विद्यापीठ ई०-9 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महापात्रा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, पूरी प्रत्ये होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूजि 54/4-0-0 गेंडा ग्राम तिलपताबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 31-3-1980
मोहर:

प्रथम आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल 1980

निदेश सं० 799-ए/दादरी/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सनादर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो गेंडा तिलपताबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री राजे पुत्र खचेडू व गोपी पुत्र श्री छुट्टन व बिहारी पुत्र बल्लू निवासी मडावली फाजलपुर सूबा देहली (अन्तरक)

2. स्परिषुअल रीजनरेशन मूवमेंट आफ इण्डिया ई० 9, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महापात्रा पुत्र स्व० पा० महापात्रा निवासी दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

कृषि भूमि 102/3-9-3 ग्राम गेंडा तिलपताबाद परगना व तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1980
मोहर:

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल, 1980

निवेश सं० 800-ए/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी०

सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मंगल बेगमपुर
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क
16) के अधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

16-46GI/80

1. श्री गोपी पुत्र श्री छोट्टन ब बिहारी सिंह पुत्र श्री राज
पुत्र खचेड़ निवासी मडावली फाजलपुर सूबा देहली।

(अन्तरक)

2. श्री महाश्वषि ध्यान विध्यापीठ यू० पी० द्वारा
डा० जी० महापात्रा सुपुत्र श्री पी० महापात्रा ई० 9
डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

रपट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 208/3-9-10 ग्राम मंगलबेगमपुर परगना
ब तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-4-1980

मोहर:

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मार्च, 1980

निवेश सं० 795-ए०/दादरी/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेंडा तिलपताबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री खिलोराम व देवीराम व बाबूराम पुत्रगण गोपीचन्द्र व सु० सुरेशवती बेवा ब्रजपाल व जगदीश वालिगान व धीरज सिंह व भीम सिंह नाबालिगान पुत्र श्री भूलेराम वली विहारीसिंह निवासी मंडावली फजलपुर सूबा देहली। (अन्तरक)

2. श्री स्प्रचुपल रीजनरेशन मूवमेंट आफ इन्डिया ई० 9 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 14/3-8-10 ग्राम गेंडा तिलपताबाद परगना वतह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-3-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 810-ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 69, है तथा जो गोविन्द नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए भय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिवत में वास्तविक रूप से अन्तरित न हो किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाहिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसा किताब या किताब धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, क्रियान्वे में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रोशन लाल ठकुराल पुत्र श्री बसाखी राम ठकुराल निवासी 69 गोविन्द नगर, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री कुलवन्त सिंह साहनी, 23 रेस कोर्स, देहरादून। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के संबंध में काई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नम्बर 69 क्षेत्रफल 4314 वर्गफीट गोविन्द नगर, देहरादून, में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सश्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जेन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-4-80
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश सं० 845-ए/कानपुर/79-80—अतः सुधे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बूड़पुर मठरिया में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए धस्तरे की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धस्तरक (धस्तरकों)
और अन्तरिती (धस्तरितीयों) के बीच ऐसे धस्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) धस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के धस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ धस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः धर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित धस्तरियों, अर्थात् :-

1. श्री शहजादे द्वारा रमाकान्त द्विवेदी निवासी ग्राम
पहाड़पुर पोस्ट कसिगवा तहसील व जिला कानपुर।
(अन्तरक)

2. द्विवेदी नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
पहाड़पुर हमीरपुर रोड कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्राय व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरों के पास
निर्दिष्टा में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचा

भूमि बूड़पुर मठरिया ग्राम में स्थित है। भूमि का क्षेत्र-
फल 6 बीघा एक बिस्वा है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-4-1980
मोहर :

प्रज्ञा.आई०.टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत-सदरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निवेश सं० 808/अर्जन/आगरा/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त-अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 18/180 है तथा जो मंटोला आगरा
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 18-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27),
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धरमदास पुत्र श्री लम्पटमल सिन्धी सा० नाला
मंटोला, आगरा। (अन्तरक)

2. श्री अब्दुल गफ्फार बल्द श्री नूर बक्श निवासी
ढोलीबार, आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान हाल नम्बर 18/180 बाके मंटोला
आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-4-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश सं० 811/अर्जन/आगरा/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 68.4/85 है तथा जो लाजपतकुंज,
आगरा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 30-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवलाल पुत्र दयालमल निवासी 4/85 लाजपत-
कुंज सिविल लाइन्स आगरा व हाल निवासी महाराजा फिल्म
डिस्ट्रीब्यूटर भागीरथ पैलेस, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार पुत्र श्री मलिक देशराज सहगल
व श्रीमती फूला रानी सहगल पत्नी मलिक देशराज सहगल
मोसूफ निवासी गण हाल 68 लाजपतकुंज शहर आगरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद तजबीजा नम्बर 68 म्यूनिसिपल नम्बर
4/85 बाके लाजपतकुंज सिविल लाइन्स आगरा में स्थित
हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

आदेश सं० 833- ए/मेरठ/79-80—यतः, मुझे,
बी०सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
र० से अधिक है

और जिगकी सं० मकान तिलक रोड है तथा जो बेगम बाग मेरठ
में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17 आगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री यशपाल धींगरा पुत्र मथुरावास धींगर
1876 लक्ष्मीबाई नगर, विजयनगर ब्लॉक जी नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती ऊषा अरोड़ा पत्नी श्री राजेन्द्र किशोर अरोड़ा
171 एन०, अब्बूलेन मेरठ कैन्ट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-ग में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 82 तिलकरोड बेगमबाग
जिला मेरठ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 899-ए/कैराना/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो कैराना मु० नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मामवती पत्नी बाबूमल निवासी शामली आर्यपुरी पर० व० डा० शामली तह० कैराना जिला मुजफ्फर नगर। (अन्तरक)

2. सुरेश चन्द्र पुत्र देवीवत्तमल व श्रीमती अमृतरानी पत्नी सुरेश चन्द्र व सुधीर कुमार पुत्र श्री सुरेश चन्द्र निवासी शामली डा० खास मुजफ्फर नगर। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान दो खमी पश्चिम मुहानी तह० कैराना जिला मुजफ्फर नगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्राकृत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 889-ए/सरघना/79-80—अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के
अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो लक्ष्मण गंज सरघना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरघना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 20-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-46GI/80

1. श्री श्याम मुरारी बंसल व परसराम व राजीव
कुमार बंसल पुत्र ब्रजमोहन लाल बंसल निवासी सिविल
लाइन्स मेरठ। (अन्तरक)

2. श्री आसाराम पुत्र रामप्रसाद निवासी महादेव
व रमेश चन्द्र पुत्र दराबाब सिंह शेर सिंह, अशोक कुमार,
विनोद कुमार पुत्र रमेश चन्द्र निवासी ग्राम हैदरपुर पर०
तह० खास जिला गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख
से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त
होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञोदिताने के पास निम्नलिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नाप में 2140 वर्गगज स्थित मोहल्ला
लक्ष्मणगंज कस्बा सरघना जिला मेरठ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सख्त प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-4-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 883-ए/गाजियाबाद/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इस (जिसे मैं
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो न्यू गुरुद्वारा रोड़ में
स्थित है (और जइसेसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजिया-
बाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 10-8-1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, गणनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरीकृष्ण जयसवाल पुत्र श्री लाला रामबन्दर
निवासी मोदीनगर परगना जलालाबाद तह० जिला गाजिया-
बाद (अन्तरक)।

2. श्रीमती गोमती देवी पत्नी श्री रामगोपाल निवासी
कस्बा फरीदनगर हाल निवासी मकान मुबईया मोहल्ला
न्यू गुरुद्वारा रोड़, मोदीनगर परगना जलालाबाद जिला
गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिओं पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सालिम एक मकान दो मंजिला महदा जैलपूरवमुहाना बाके
मोहल्ला न्यू गुरुद्वारा रोड़, सत्यनगर मौकवा रकवा ग्राम बेगम-
बाद बुढाना जिस पर हाउस टैक्स 60/- रु० सालाना है
कुल क्षेत्रफल 200 वर्गगज है कबर्ड एरिया 130 वर्गगज
है शेष 70 वर्ग गज खाली है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 873-ए/गा० बाद/79-80—अतः मझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए० 1/2 सी इण्डस्ट्रियल प्लॉट है तथा
जो मेरठ रोड, गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करमचन्द पुत्र भूहादुर चन्द्र निवासी 11 आदर्श
नगर, गांधी नगर, गाजियाबाद। (अन्तरक)

2. श्री राजेश्वरी प्रसाद कोशिक पुत्र श्री तारा चन्द्र
पार्टनर मेसर्स कुआलिवी इन्टरप्राइजेज 119 न्यू गांधी नगर,
गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रोड्यूसरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट ए 1/2 स इण्डस्ट्रियल प्लॉट क्षेत्रफल 8659
वर्गगज तथा इमारत मेरठ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रज, कानपुर

तारीख : 14-4-1980
मोहर :

प्रकृष धार्डि० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निवेश सं० 755-ए/देहरादून/79-80—प्रतः मुझे, श्री० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 173-ए है तथा जो राजपुर रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जोरमा एटोज मेनिक सर्वन्तो 173-ए, राजपुर रोड, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्री डी० इमानल राज सेन्टैरी/कोषाध्यक्ष न्यू लाइफ सेंटर, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवत सम्पत्ति नं० 173 ए०, राजपुर रोड, देहरादून, में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1700.584 वर्ग मीटर है।

श्री० सी० चतुर्वेदी
सज्जम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 820-ए/गा० बा०/79-80—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फैक्ट्री बिल्डिंग टीन है तथा जो शेड टीन, गढ़ रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्विगुण प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निर्धारण का प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कान्ति प्रसाद पुत्र प० श्री भगवत प्रसाद शर्मा निवासी 16 चाह कमाल हापुड़ आशाराम पुत्र श्री रामचन्द्र निवासी 37 आर्यनगर, हापुड़ बहैसियत मुक्तयाराम मिन-जानिब व श्री रतनलाल गोयनका पुत्र श्री तुलाराम गोयनका व माधव प्रसाद गोयनका पुत्र श्री कन्हैया लाल गोयनका श्री गोपाल गोयनका पुत्र श्री मन्नालाल गोयनका पुत्र श्रीमती गुलाब देवी गोयनका बेबा श्री देवकी नन्दन गोयनका निवासी कलकत्ता। (अन्तरक)

2. श्री डिप्टी सरन पुत्र श्री बाबूराम निवासी मोहल्ला 39 भगवतीगंज व ओम प्रकाश पुत्र श्री बाबूराम निवासी 100, जवाहर गंज हापुड़ जिला गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनुबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल एक फैक्ट्री बिल्डिंग टीन शेड पड़ी हुई नाप में 548 वर्ग गज स्थित पेच खुरजे बालान अन्दर गढ़ रोड हापुड़ जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-4-1980
मोहर :

प्रकृष आर्ही० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 766-ए/बुलन्दशहर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्में
इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति रिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो कृष्णा नगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17-8-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री राम स्वरूप निवासी कृष्णा
नगर, बुलन्द शहर। (अन्तरक)

2. श्रीमती लज्जा देवी पत्नी स० सरदारी लाल
नवासी कायस्तवाला सिकन्दराबाद व श्रीमती सुशीला गुप्ता
पत्नी आनन्द स्वरूप ग्राम मुडी, पर० जिला बुलन्दशहर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान कृष्णानगर बुलन्दशहर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-4-1980

मोहर :

प्रकरण माई० टी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० 734-ए/मु० नगर/79-80—अतः मझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 270 है तथा जो मजफ्फर नगर में स्थित
है (और इससे उपाययुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 1-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किमा मा। की वास्तव, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या रूपी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री ठाकुर दास पुत्र श्री भगवानदास निवासी
31 सरवतगोट उत्तरी मजफ्फर नगर। (अन्तरक)

2. मा० आत्मा सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी
6/4 गांधी कालोनी, मजफ्फर नगर। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काब में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी तइती मकान नं० 270 क्षेत्रफल लगभग
301½ वर्ग गज जिसकी सीमाएं पूर्व प्लाट श्री अमर
सिंह पश्चिम कोठी श्री श्यामलाल उत्तर में रोड़ व दक्षिण में
कोठी डाक्टर भागव है बांके में सिविल लाइन उत्तरी
मुजफ्फरनगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 835-ए/मु० नगर/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 156 है तथा जो सिविल लाइन्स दक्षिणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुरारी लाल पुत्र श्री फूल चन्द निवासी 156 सिविल लाइन्स दक्षिणी मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

2. श्री नरेश्वर दास पुत्र बशेश्वर दयाल नि० 682 सिविल लाइन्स दक्षिणी मुजफ्फरनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :-इसमें प्रामुक्त शब्दों और गतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला दक्षिण मुहाना नम्बर 156 तथा क्षेत्रफल 273 वर्गगज मोहल्ला सिविल लाइन्स दक्षिणी मुजफ्फरनगर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 14-4-1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एन०—---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 875-ए०/गाजियाबाद/79-80—प्रतः मुझे,
वी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम पसोन्डा कडकड-
माडल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18-46GI/80

1. श्री रमेश चन्द्र सेठी पुत्र देशराज सेठी, ओम प्रकाश
सेठी पुत्र देशराज सेठी मुख्तार खास मिजजानिन देशराज
सेठी पुत्र हवेली राम सेठी निवासी 59 मजीठा रोड,
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री भगत एण्ड एसोसियेट द्वारा श्री वी० के० भगत
पुत्र श्री सी० एल० भगत व श्री राकेश भगत पुत्र श्री वी०
के० भगत निवासी 56 जोहरबाग, नई दिल्ली। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घ्ताधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 90½ गज ग्राम पसोन्डा पर० लोनी में तथा
51161/2 वर्गगज भूमि (कुल 5207 वर्ग गज) ग्राम
कडकडमाडल पर० लोनी तह० व जिला गाजियाबाद में
स्थित है तथा 1,83,000/- रुपये में बची गई।

वी० सी० चतुर्वेदी
उपक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 834-ए०/मेरठ/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 173-बी है तथा जो आबू लेन मेरठ कैंट में स्थित है (और इसमें उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में तमी करने या उपर्युक्त में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार शर्मा, अमरीश कुमार, अनिल कुमार, अमित कुमार, श्रीमती शान्ती देवी पत्नी स्व० जी० डी० शर्मा निवासी छिपी टैक, मेरठ। तथा श्रीमती गलजार बती, रानी, कुसुमलता निवासी नया बाजार मेरठ कैंट। (अन्तरक)

2. श्री राम औतार, पुत्र श्री श्याम सुन्दर लाल निवासी, मोदीनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(ग) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अर्ध भाग सकान नम्बर 173 बी, आबू लेन मेरठ कैंट में स्थित है तथा 1,45,000/- रुपये का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 14-4-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन्० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल, 1980

निदेश सं० 729-ए/मेरठ/79-80—अतः मुझे, बी०

सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 173-बी है तथा जो आबू लेन मेरठ कैंट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-8-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अशोक कुमार शर्मा, अमरीश कुमार, अनिल कुमार, अमित कुमार, श्रीमती शांती देवी पत्नी स्व० जी० डी० शर्मा निवासी छिपी टैंक, मेरठ तथा श्रीमती गुलजार बती, कमला रानी, कुसुमलता निवासिनी नया बाजार मेरठ कैंट। (अन्तरक)

2. श्री हरी ओम अग्रवाल पुत्र श्री जै प्रकाश अग्रवाल निवासी 184 बी आबू लेन मेरठ कैंट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अर्ध भाग बंगला नम्बर 173 बी आबू लेन मेरठ कैंट में स्थित है तथा जो 1,45,000/- रुपये में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

मोहरः

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 739-ए०/मु० नगर/79-80—अतः सुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है तथा जो गान्धी कालोनी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मजफ्फर
नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 13-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गरुविता मल व कृष्ण लाल पुत्र राम वितामल
निवासी 376 गांधी कालोनी, मुजफ्फर नगर। (अन्तरक)
2. श्री कश्मीर सिंह व दर्शन लाल पुत्र मोहर सिंह
निवासी 1047 पंजाबी कालोनी शामली तह० कैराना
मुजफ्फर नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्साहरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 376 गांधी कालोनी मजफ्फर नगर में
स्थित हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निवेश सं० 817-ए/गा० बाध/79-80—अतः मझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अहाता 2/3 भाग है तथा जो छीपीवाड़ा नई आबादी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सालगराम पुत्र श्री गंगाराम निवासी कस्बा कस्ला करस्माबाद हापुड़, जिला गाजियाबाद। (अन्तरक)

2. श्री ब्रह्मवत्त व निरंजन लाल शर्मा पुत्र श्री हरदेव सहाय निवासी छीपीवाड़ा जिलखुवा तह० हापुड़ जिला गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अहाता 2/3 भाग छीपीवाड़ा नई आबादी जिलखुवा तह० हापुड़ गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980
माहूर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/674--यतः, मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या खंडेला हाउस है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 27-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
घोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1 श्रीमति भागीरथी देवी पत्नी श्री भीम देव संघी
निवासी खंडेला हाउस, छोटा पाना, संसार चन्द रोड, जयपुर
(अन्तरक)

2 मेमर्स राजेश शर्मा कैमिली ट्रस्ट द्वारा श्री प्रयास
सुन्दर शर्मा द्वारा मेटल अलाय इण्डस्ट्रि, इण्डस्ट्री, मकुम
रोड, तिनसुखिया, आसाम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अविभाजित आधा भाग मकान सम्पत्ति का जो खंडेला हाउस
ऐरिया, संसार चन्द्र रोड, अपोजिट मेन खंडेला हाउस,
जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2096 दिनांक
27-8-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-4-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1980

आदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/675--यतः सुप्ते,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी खंडेला हाउस है तथा जो जयपुर में स्थित है, और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-8-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री वासुदेव मोदी, निवासी निमका थाना जिला सीकर। (अन्तरक)

2. मैसर्स राजेश शर्मा फैमिली ट्रस्ट, द्वारा श्री श्याम-सुन्दर शर्मा केयर आफ भेटल घलाय इण्डस्ट्री, मधुम रोड़, तिनसुखिया, आसाम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अविभाजित आधा मकान का भाग जो खंडेला हाउस ऐरिया, संसार चन्द रोड़, मुख्य खंडेला हाउस के सामने स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2087 दिनांक 27-8-79 पर पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-4-1980

बोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1980

प्रादेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/678--यतः मुझे,

एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 व 8 है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. मैसर्स गणेश सूत उद्योग, ब्यावर द्वारा इसके पार्टनर सर्वश्री दुर्गाप्रसाद जाजू पुत्र श्री भंवर लाल जी जाजू (2) श्रीमती यशोदा देवी जाजू पत्नी श्री रामनिवास जाजू निवासी पीसांगन जिला अजमेर। (अन्तरक)

2. मैसर्स विमलेश यार्न इण्डस्ट्रीज (प्राईवेट) लि०, 7 श्रीराम रोड़, देहली द्वारा इसके निदेशक सर्वश्री एस० एन० बलबुवा पुत्र श्री शंखरीलालजी बलबुवा (2) श्रीमती यशोदा जाजू पत्नी श्री आर० एन० जाजू एवं श्री भंवर लाल जाजू नि० पीसांगन, जि० अजमेर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फैक्टरी रोड़ जो प्लॉट नं० 7 व 8 अपर स्थित है जिसके साथ इसकी मशीनरी, प्लान्ट, शैड और बैस्ट प्लान्ट है जो जवाहरलाल नेहरू उद्योगपुरी, सैदड़ा रोड़, ब्यावर में स्थित है तथा उा पंजीयक ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 1962 दिनांक 21-8-1979 पर पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-4-1980

मोहर।

श्रृंखला आई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1980

निदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/676--यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 25 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-8-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए धनरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और धनरिती (अन्तरकों) और धनरिती (धनरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के धनरिती के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या जिसे
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—
19-46GI/80

1. सर्वश्री लक्ष्मीनारायण एवं बनारसी दास पुत्रान
स्व० श्री कृपाराम अग्रवाल, 11-बी, ब्लॉक, श्री गंगानगर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कलावती देवी पत्नी श्री रामभज अग्रवाल,
पार्टनर आफ रामभज हनुमानवास, दुकान नं० 25, धानमंड़ी
श्री गंगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 25 का आधा भाग जो धानमंड़ी श्री गंगा-
नगर में स्थित है और उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा
क्रम संख्या 2321 दिनांक 20-8-79 पर पंजीबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 18-4-80
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 अप्रैल, 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जुन/677—यसः, मुझे, एम० एल० चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 25 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 अगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मीनारायण एवं बनारसी दास पुत्रान श्री कृपा राम अग्रवाल 11-बी, ब्लाक, श्री गंगानगर। (अन्तरक)

2. श्रीमती कलावती देवी पत्नी श्री राम भज अग्रवाल पार्टनर आफ रामभज हनुमानदास, दुकान नं० 25, धानमंडी, श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 25 का आधा भाग, जो धानमंडी, श्री गंगानगर में स्थित है और उप पंजीयक, श्रीगंगानगर में स्थित है और उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2269 दिनांक 17-8-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में जो विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 18 अप्रैल 1980
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/679-यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० डी-1 है तथा जो जोधपुर
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिष्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जोधपुर में, रजिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 16-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावशिष्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों' अर्थात् :—

1. श्री तिलक काक पुत्र श्री जयनाथ काक द्वारा
जनरल पावर आफ अटार्नी होल्डर हाजी मोहम्मद रमजान
पुत्र हाजी अब्दुल रेहमान, खैरावियों का मोहल्ला हाजी
बिल्डिंग, जोधपुर। (अन्तरकी)

2. सम्पतराज पुत्र बाबूलाल गोधी, बी-रोड, पावटा,
जोधपुर।] (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भ्रष्ट व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० डी-1, धर्मनारायण जी का अहाता, मण्डोर
रोड, पावटा जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या
1386 दिनांक 16-8-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18-4-1980

मोहर :

प्रस्तावार्थी • डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 मार्च 1980

निदेश सं० एन० एन० एल०/4/79-80—यतः, मुझे,
जी० एस० गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन तत्काल प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एक रिहायशी मकान है तथा जो नारनौल
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नारनौल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री गिरधर गोपाल, कन्हैयालाल, बट्टी प्रसाद,
रमेश चन्द्र, महेश चन्द्र उर्फ लाला गंगाराम पुत्र श्री गनपत
राम वैश्य, फराश खाना नारनौल। (अन्तरक)

2. श्रीमती विद्या देवी पत्नी श्री प्रहलाद राम पुत्र
श्री रूपचन्द वैश्य, मोह० फराश खाना, नारनौल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्काल संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावेजी रूप से निश्चित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

सम्पत्ति एक रिहायशी मकान जो कि मोहल्ला फराश
खाना, नारनौल में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता नारनौल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक
1439 दिनांक 17-8-79 में दिया गया है।

जी० एल० गोपाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनः—

तारीख : 27-3-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 मार्च 1980

निदेश सं० ए० एम० बी० /17/79-80—अतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तीन दुकानें, तीन कमरे एक मंजिले संपत्ति है तथा जो अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्ति को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्रीमती शकुन्तला जैन पत्नी श्री एस० पी० जैन, बी-11-189, मोहल्ला सूदन, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी श्री हरबन्स सिंह प्लाट नं० 2032, मेहता सेलर के पास अम्बाला, कालका रोड, अम्बाला शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सादरकर :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तीन दुकानें, तीन कमरे एक मंजिले जो कि अम्बाला, कालका रोड पर अम्बाला शहर में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3118 दिनांक 24-9-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 25-3-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 मार्च, 1980

निदेश सं० बी० जी० आर०/31/79-80—यतः, मुझे,
गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 19 डी, एल० एफ० इन्डस्ट्रियल
एरिया पैमाइश 3779 वर्ग गज है तथा जो फरीदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सेवा राम शर्मा पुत्र (स्वर्गीय) पं० किशन लाल
52, प्रेमपुरी, मेरठ (यू० पी०)। (अन्तरक)

2. मैसर्स स्टेनलेस एण्ड स्टील प्रोडक्ट्स कम्पनी 11/7
माइल स्टोन मथुरा रोड़, फरीदाबाद 121003। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 19 डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रियल
एरिया नं० 11 फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका ज्यादा
विवरण रजिस्ट्री कर्ता कार्यालय बल्लबगढ़ के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 6342 दिनांक 11-12-1979 में दिया
गया है।

गो० सि० गोपाल
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज रोहतक

तारीख : 27-3-80
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल 1980

निदेश सं० बी० जी० आर० /21/79-80—अतः, मुझे, गो० सि० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 134 ब्लॉक ई-1 सैक्टर-11 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बिमला गुप्ता पत्नी श्री जी० आर० गुप्ता, निवासी मकान नं० 155-एन, पंचशीलपार्क, न्यू दिल्ली। (अन्तरक)

2. मैसर्स लकरू हाऊसिंग कारपोरेशन, एम०-33, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 134 ब्लॉक ई-1 सैक्टर-11, फरीदाबाद में 1166.6 वर्गगज का स्थित फरीदाबाद है तथा जिसका पूरा ब्यौरा रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3703 दिनांक 16-8-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख। 16-4-80

मोहर।

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० एन० पी०/18/79-80—यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 179, बार्ड नं० I, सेन्ट्रल बैंक के पास इन्सार चौक है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए परतर्कित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हाथिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा: (1) अर्द्धम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बोलत राम कुब्बा पुत्र श्री दुनी चन्द कुब्बा, निवासी मकान नं० 222 एल०, माडल टाउन, पानीपत। (अन्तरक)

2. (1) श्री बाई० एल० सेठिया पुत्र श्री केशवदास मकान नं० 56/डब्ल्यू-3, पानीपत।

(2) श्री हीरानन्द पुत्र श्री केशवदास मकान नं० 56/डब्ल्यू-3, पानीपत।

(3) श्री प्रेम सिंह चावला पुत्र श्री हकीमराय, 388, माडल टाउन, पानीपत।

(4) श्रीमती सरोज बाला पत्नी जगदीश चन्द्र मार्फत गांधी इक्स्लैट्रीकल्स असन्ध रोड, पानीपत।

(5) श्री राम किशन गुप्ता पुत्र श्री अज्योध्या प्रसाद, 372, बार्ड नं० 2, पानीपत।

(6) श्रीमती ज्ञान देवी पत्नी श्री तिलकराज द्वारा मैसर्स मोती राम एण्ड सन्स, पानीपत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थावर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 179 जोकि बार्ड नं० I, पानीपत में स्थित है तथा जिसका पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2763 दिनांक 16-9-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-4-80

मोहर:

बकप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, पूना

पूना-411 004, दिनांक 22 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली II/471/79-80—

यतः मुझे, शिशिर कुमार त्यागी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 4, फायनल प्लॉट नं० 84, सं० नं० 3 मुंगेरी, गुलटेकडी, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली II, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

20-46G1/80

(1) 1. श्री कृष्णा बालव्या सांदूपातला 431/3 गुलटेकडी, पूना।

2. श्री हरिभाऊ पुरुषोत्तम कामत 1114/5 गणेशखिंड रोड पूना-5। (अन्तरक)

(1) 2. श्री बलराम सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादित 431/4 गुलटेकडी, पूना 9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और जिसके ऊपर का मकान जो सब प्लॉट नं० 4, फायनल प्लॉट नं० 4बी, सं० नं० 3 मुंगेरी, गुलटेकडी, पूना 9 में स्थित है। जमीन का क्षेत्रफल 790 वर्ग मीटर है।

शिशिर कुमार त्यागी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेंज, पूना

तारीख: 22-3-1980

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st April 1980

No. A.12019/1/79-Admn.II.—Shri K. Sundram, Senior P.A., in the office of the Union Public Service Commission, is hereby appointed to officiate on *ad-hoc* basis as Special Assistant to Chairman on transfer on deputation for the periods from 17-3-1980 to 25-3-1980 and 22-3-1980 to 26-6-1980, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri K. Sundram will be on deputation to the *ex-cadre* post of Special Assistant to Chairman and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24) F.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi, the 1st April 1980

No. A35014/2/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri O. P. Goyal, a permanent Assistant of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Reception Officer on transfer on deputation basis in the office of the UPSC for a period of three years with effect from 1-4-1980, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Goyal will be on deputation to the *ex-cadre* post of Reception Officer and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-P.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st March 1980

No. A.38015/2/79-Admn.II.—Consequent upon his retirement on superannuation with effect from 31st March, 1980 (Afternoon) Shri S. L. Chopra has relinquished the charge of the office of the Reception Officer in the office of the Union Public Service Commission.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th April 1980

No. 18 RCT 1.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri A. C. Panchdhari, Chief Engineer, C.P.W.D., as Chief Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 3rd April 1980, until further order.

N. L. LAKHANPAL
Dy. Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)

STAFF SELECTION COMMISSION

New Delhi, the 10th April 1980

No. A-22013/1/80-Ad—Shri A. K. Aggarwal, Junior Accounts Officer in the Pay & Accounts Office, Department of Food, Govt. of India, Bombay has been appointed on deputation as Section Officer in the Western Regional Office of Staff Selection Commission at Bombay w.e.f. the forenoon of 1st April, 1980 until further orders *vice* Shri K. S.

Sundaramoorthy whose services have been replaced at the disposal of his parent cadre viz. Ministry of Works and Housing w.e.f. the forenoon of 1st April, 1980.

GURBACHAN SINGH
Under Secy. (Admn.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 14th April 1980

No. PF/J-81/73-Ad-I.—On attaining the age of superannuation at the age of 58 years Shri J. C. Sarkar, Inspector of Police, on deputation from Calcutta Police, has been relieved of his duties in the Central Bureau of Investigation/FOW Calcutta with effect from the afternoon of 29-2-80.

The 15th April 1980

No. PF/B-107/70-Ad-I.—Shri Bimalendu Bhowmick, an officer of West Bengal State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the C.B.I. FOW, Calcutta Branch on the afternoon of 10-3-1980 on repatriation to the West Bengal State Police.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 11th April 1980

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Iftikhar Unnisa Begam as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 4-3-80 for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

K. R. K. PRASAD
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 8th April 1980

No. F-38013(3)/24/79-PERS.—On transfer to Hyderabad Shri A. S. M. Rao relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISE Unit, FCI Ramagundam w.e.f. the afternoon of 22nd February, 1980 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISE Unit, IG Mint, Hyderabad w.e.f. the forenoon of 23rd February, 1980.

Sd/-, ILLEGIBL
Inspector-General

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 10th April 1980

No. BNP/C/5/80.—In continuation to this Deptt's Notification number BNP/C/5/79 dated 9-1-80 the *ad-hoc* appointment of Shri Ashok Joshi, as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 12-4-1980 or till the post is filled on the regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

P. S. SHIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Bangalore, the 3rd April 1980

No. ES.I/A4/80-81/12.—The Accountant General is pleased to promote Sri K. Sampath Permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of his seniors, if any, with effect from the date of his taking charge.

The promotion is subject to the ultimate results of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court of India.

M. A. SOUNDARARAJAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTORATE OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 15th April 1980

No. 204/A.Admn/130/79-80.—On attaining the age of superannuation Shri R. Ramadurai, Substantive Audit Officer, of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 31st March, 1980 (AN).

No. 205/A.Admn/130/79-80.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri A. N. Gopalakrishnan, substantive member of S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, (O.F.) Jabalpur, with effect from 14-3-80 (A.N.), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK
Jt. Director of Audit

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 8th April 1980

No. CLB II/10(2)/77-80.—In exercise of the powers conferred on me by clause 5(1) of The Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB II, dated the 19th December, 1974, namely :—

In the said Notification, for Explanation (I), the following shall be substituted, namely :—

"(I) The average monthly consumption will be computed on the basis of manufacturers' actual consumption during September, 1978/August, 1979 as reported in the CST—H return submitted by the manufacturer to the Textile Commissioner."

M. W. CHEMBURKAR
Joint Textile Commissioner

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 8th April 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 7—Division 2, add the following, namely :

1. "COLOURED SMOKES exclusively for out-door use" after the entry "COBRA EGGS OR PHARAOH'S SERPENT (WHITE)".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 2nd April 1980

No. A-17011/153/80-A6.—On his reversion to the post of Examiner of Stores (Textiles), Shri Sunit Kumar Chakraborty, Asstt. Inspecting Officer (Textiles) in the Madras Inspectorate under this Directorate General relinquished charge of the post of AIO (Textiles) in that office w.e.f. the afternoon of 16th January, 1980.

No. A-17011/170/80-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri A. M. Paranjpe, permanent Examiner of Stores and officiating Asstt. Director of Supplies (Grade-II) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay w.e.f. the forenoon of 1st March, 1980 and until further orders.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 10th April 1980

No. 2819B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—Shri K. K. Mukherjee, Senior Technical Assistant (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd February, 1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th April 1980

No. A.19011(28)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri N. N. Subrahmanyam, Chief Ore Dressing Officer, on ad-hoc basis to the post of Chief Ore Dressing Officer in an officiating capacity with effect from 27-3-1980 (A/N) until further orders.

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 8th April 1980

No. E1-5615/881-Officers.—Dr. Kuldev Singh Negi, M.B.B.S. is appointed as Medical Officer in G.C.S. Group 'B' Service in Survey of India Dispensary, Hathibarkala, Dehra Dun on purely temporary basis on a monthly wages of Rs. 1155/- p.m. (all told) w.e.f. 25-2-1980 (F/N) against the vacancy caused by retirement of Dr. A. N. Chatterjee w.e.f. 30-6-1979 (A/N) for a maximum period of 6 months (with a break after 90 days on 25-5-1980) or for such a period when a regular Doctor is posted in the said Dispensary whichever is earlier.

Authority :—Ministry of Health & Family Welfare letter No. A-12034/20/78-CHS.I dated 8-8-1979.

The 10th April 1980

No. E1-5616/579-Sel.74(CI.II).—In continuation of this office Notification No. E1-5520/579-Sel.74(CI.II) dated 3rd July, 1979, the ad-hoc appointment of Shri J. M. Sharma, Officer Surveyor in Group 'B' Service, is further extended for a further period of six months w.e.f. 30-9-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSLA
Major-General
Surveyor General of India

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 7th April 1980

No. 14/2/80-M(T).—In exercise of the powers conferred under the rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry to monuments at Rajgir Hill, Gingee, South Arcot District Tamilnadu for a period of 10 days from 21-4-80 to 30-4-80 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalakanni Amman.

K. V. SOUNDARA RAJAN
Director (Monuments)
for Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th April 1980

No. 10/47/79-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Asoke Kumar De Sarkar as Assistant Engineer at All India Radio, Calcutta in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14th March, 1980 until further orders.

H. N. BISWAS
Dy. Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

(DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS)

New Delhi-3, the 7th April, 1980

No. 4/10/80-FFD—It is hereby notified that in pursuance of Rule 9 of the Rules for the National Film Festival, 1980 published in the Directorate of Film Festivals Notification No. 1/2/80-FFD dated 25th January, 1980 the Central Government on the basis of the recommendations submitted by the two National Juries have decided to give awards to the following films/producers/directors/artistes/technicians, namely :—

S. No.	Title of film and language	Name of the Award Winner	Award
(1)	(2)	(3)	(4)
I—FEATURE FILMS			
1.	Award for the Best Feature Film :		
	SHODH (Hindi)	PRODUCER (i) Shri Sitakant Misra, Kalinga Films International, Mahtab Road, Cuttack-753003.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000/- (Rupees forty thousand only).
		DIRECTOR Shri Diplab Ray Chaudhury, 140/4-A/1, Netaji Subhash Chandra Bose Road, Regent Park, Calcutta-700040.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 20,000/- (Rupees twenty thousand only).
2.	Award for the Best Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value :		
	SANKARABHARANAM (Telugu)	PRODUCERS (i) Shri Edida Nageswarao, (ii) Shri Akasam Sriramulu, No. 34, II Main Road, Trustpuram, Madras-24.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus)
		DIRECTOR Shri K. Vishwanath 2, 6th Cross Street, United India Colony, Madras-24	'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
3.	Award for the Best Feature Film on National Integration :		
	22 JUNE 1897 (Marathi)	PRODUCER Shri Nachiket Patwardhan, 55/14, Erandwana, Poona-411004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 30,000/- (Rupees Thirty thousand only).
		DIRECTORS (i) Shri Nachiket Patwardhan, (ii) Smt. Jayoo Patwardhan, 55/14, Erandwana, Poona-411004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only).
4.	Award for the Best Feature Film in each regional language :		
	(a) EKDIN PRATIDIN (Bengali)	PRODUCER Shri Mrinal Sen, 4E, Motilal Nehru Road, Calcutta-700029.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only).
		DIRECTOR Shri Mrinal Sen, 4E, Motilal Nehru Road, Calcutta-700029.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only).

(1)	(2)	(3)	(4)
(b) SPARSH (Hind)	PRODUCER Shri Basu Bhattacharya, Aarohi Film Makers, Gold Mist, 36, Carter Road, Bandra, Bombay-50. DIRECTOR Smt. Sai Pranipye, C/o Aarohi Film Makers, Gold Mist, 36, Carter Road, Bandra, Bombay-50.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.	
(c) ARIVU (Kannada)	PRODUCER Miss Lalitha K. R., No. 9, 6th Main Road, Vyalikaval, Bangalore-3. DIRECTOR Shri Katec Ramachandra, No. 9, 6th Main Road, Vyalikaval, Bangalore-560003.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.	
(d) PERUVAZHIAMBALAM (Malayalam)	PRODUCER Shri Prem Prakash, Prakash Bhawan, Kottayam-6 (Kerala State). DIRECTOR Shri P. Padmarajan, T. C. 17/373, Poojappura, P.O., Trivandrum, Kerala State.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.	
(e) SINHASAN (Marathi)	PRODUCER Shri D. V. Rao and Shri Jabbar Patel, B-201, Kalpita Enclaves Sahar Road, Andheri (E), Bombay-400069. DIRECTOR Dr. Jabbar Patel, Kur-Kum Road, Daund, Dist. Pune, Maharashtra.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.	
(f) SRIKRISHNA RASALILA (Oriya)	PRODUCER Shri Chitta Ranjan Mohanty, 2097, Rameswar Patna, Bhubaneswar-2. DIRECTOR Shri Sona Mukherjee, C/o Shri S. C. Sorcar Palit Para, Cuttack.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.	
(g) PASI (Tamil)	PRODUCER Mrs. G. Lalitha, 4, Ashok Street, Alwarpet, Madras-600018. DIRECTOR Shri Dural, 4, Ashok Street, Alwarpet, Madras-600018.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.	
(h) NAGNA SATYAM (Telugu)	PRODUCER Shri U. Visweswar Row, 46, Usman Road, Madras-600017. DIRECTOR Shri U. Visweswar Row, 14, 3rd Street, Habibullah Road, 'T' Nagar, Madras-17.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.	
(i) OLANGTHAGEE WANCMADASOO (Manipuri)	PRODUCER Shri G. Narayana Sharma, N. S. Films, Poona Road, Imphal. DIRECTOR Shri Aribam Syam Sharma, Thangmeiband, Imphal.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.	

(1)	(2)	(3)	(4)
5.	Award for the Best Children's Film :		
	DANGEYEDDA MAKKALU (Kannada)	PRODUCERS (i) Shri T. S. Narasimhan & (ii) Shri B. S. Somasundara M/s. Komal Productions, 4/54, First Main Road, Tata Silk Farm, Basavanagudi, Bangalore-560004. DIRECTOR Shri U. S. Vadlraj, 199/22A, Cross, 3rd Block, Jayanagar, Bangalore-21.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
6.	Award for the Best Direction : EKDIN PRATIDIN (Bengali)	Shri Mrinal Sen, 4E, Motilal Nehru Road, Calcutta-700029.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 20,000/- (Rupees Twenty thousand) only.
7.	Award for the Best Screenplay : SPARSH (Hindi)	Smt. Sai Pranjppe, Aarohi Film Makers, Gold Mist, 36, Carter Road, Bandra, Bombay-50.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
8.	Award for the Best Acting :		
	(a) Best Actor : SPARSH (Hindi)	Shri Naseeruddin Shah, C/o Aarohi Film Makers, Gold Mist, 36, Carter Road, Bandra, Bombay-50.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
	(b) Best Actress : PASI (Tamil)	Mrs. Shoba, Ashok Nagar, Madras-600083.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
	(c) Best Child Actor : AANGAN KI KALI	Baby Geeta Khanna, Sholay, 7, Bunglows, Versova, Bombay-400058.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
9.	Award of Best Cinematography (Colour) : SHODH (Hindi)	Shri Rajan Kinagi, 138, Aram Nagar-II, Andhery, Bombay-400061.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
10.	Award for the Best Cinematography (Black ; White) : NEEM ANNAPURNA (Bengali)	Shri Kamal Nayak, 13-B, Mahesh Barick Lane, calcutta-700011.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
11.	Award for the Best Edition : EKDIN PRATIDIN (Bengali)	Shri Gangadhar Naskar, 3, Harishabha Road, Calcutta-700041.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
12.	Award for the Best Art Direction : 22 JUNE 1897	Smt. Jayoo Patwardhan, 55/14, Erandwana, Poona-411004, Maharashtra.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
13.	Award for the Best Music Direction : SANKARABHAPANAM (Telugu)	Shri K. V. Mahadevan, 121, G. N. Chetty Road, 'T', Nagar, Madras-17.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.
14.	Award for the Best Male Playback Singer : SANKARABHARANAM	Shri S. P. Balasubrahmanyam, 64, First Cross St., Kamdarnagar, Madras-34.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
15.	Award for the Best Female Playback Singer : SANKARABHARANAM	Smt. Vani Jayaram, 273, Mowbryas Road, Madras-18.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.

II—SHORT FILMS

1)	(2)	(3)	(4)
1. Best Information Film (Documentary) : THE KALBELIAS-NOMADS OF RAJASTHAN (English)	PRODUCER Shri Tejbir Singh, 59, Regal Buildings, Cannaught Circus, New Delhi-110001. DIRECTOR Shri Valmik Thappar, 59, Regal Buildings, Cannaught Circus, New Delhi-110001.		'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand) only.
2. Best Educational/Instructional Film : A MATTER OF LIFE AND DEATH. (English)	PRODUCER Films Division, Govt. of India, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026. DIRECTOR C/o Films Division, Govt. of India., 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026.		'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand) only.
3. Best Promotional Film (Non-Commercial/ Commercial) : STORY OF INDEPENDENCE (English)	PRODUCER Film Media, 47, Laxmi Insurance Bldg. Sir P. M. Road, Fort, Bombay-400001. DIRECTOR Creative Contribution by M/s Lintas India Ltd., and Film Media C/o 47, Laxmi Insurance Bldg., Sir P. M. Road, Fort, Bombay-400001.		'Rajat Kamal' (Silver Lotus). 'Rajat Kamal' (Silver Lotus.)
4. Best Experimental Film CHILD ON A CHESS BOARD	PRODUCER Film Division, Govt. of India, Dr. G. Deshmukh Marg., Bombay-400026 DIRECTOR Shri Vijay B. Chandra, Govt. of India, Dr. G. Deshmukh Marg., Bombay-400026.		'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and cash prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand) only.
5. Best Newsreel Cameraman : MISSION TO CHINA (INR NO.1585)	CAMERAMAN Shri H. S. Advani, Films Division, Govt. of India 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026		'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
6. Best Indian News Review : INR No. 1592	PRODUCER Films Division, Govt. of India, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026.		'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/ (Rupees Five thousand) only.
Special Commendation of the Jury ACHARYA KRIPLANI (English)	PRODUCER Films Division Govt. of India, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026. DIRECTOR Shri Girish Vaidya, Films Division, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026.		
A MONUMENT TO FRIENDSHIP (English)	PRODUCER Films Division, Govt. of India, 24 Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026.		

(1)	(2)	(3)	(4)
		DIRECTOR Shri P. N. Kaul, Film Division, Govt. of India, 24 Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay 700026.	
		III—DADA SAHEB PHALKE AWARD	
		Shri Sohrab Modi, Pilot 211, Bunder Road, Bombay.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000 (Rupees forty thousand only) and a shawl.

M. L. Juneja,
Joint Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th April 1980

No. A.19019/24/77(JIP)/Admn.I.—On attaining the age of superannuation Dr. (Miss) Vimla Sud relinquished charge of the post of Professor of Dentistry in the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, on the afternoon of the 31st January, 1980.

No. A.31014/2/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Purushottam Kakra in a substantive capacity in the post of Lecturer in Physics at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from 1st October, 1977.

No. A.31014/7/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. N. Tandon to

the post of Veterinary Assistant Surgeon, Central Research Institute, Kasauli in a substantive capacity with effect from the 20th October, 1977.

S. L. KUTHIALA

Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 10th April 1980

No. A.19019/25/79 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) Lata Srivastava to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 3-3-1980.

N. N. GHOSH

Dy. Director Admn. (CGHS)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 21st March 1980

No. 8(24)/79-Confirmation/644.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints in a substantive capacity the undermentioned officers as Station Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from March 1, 1979.

Sl. No.	Name	Present Grade	Division	Pmt. post already held in BARC
1.	Shri J. S. Pannu (G/102/116)	Dy. Chief Fire Officer	Chem. Engineering	Sub-Officer
2.	Shri K. V. Balakrishnan (G/102/126)	Station Officer	Chem. Engineering (F.S.S.)	—

H. V. AWATRAMANI,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 7th April 1980

No. PPF/D/3(262)/76-Adm./379/3942.—In continuation of this Division's notification of even number dated February 25, 1980, Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division who was appointed as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 19, 1980 to the afternoon of April 3, 1980 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of May 17, 1980.

B. V. THATTE
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 11th April 1980

No. DPS:23:8:77:Est:/5951.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri J. G. Sathe, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis with effect from 30-1-1980 (F.N.) to 3-3-1980 (FN) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the same Directorate.

C. V. GOPALAKRISHNAN

Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 7th April 1980

No. AMD-1/23/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri M. Thimmaiah as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 14, 1980 until further orders.

No. AMD-1/23/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri K. Shiva Kumar, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th March, 1980 until further orders.

M. S. RAO

Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE
VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE
(ESTABLISHMENT SECTION)

Trivandrum-695022, the 1st April 1980

No. VSSC/EST/F/1(17)—Consequent on the revision of scale of pay of the Assistant Officer in the Administrative categories of the Indian Space Research Organisation from Rs. 550-25-750-EB-30-900 to Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 1st January, 1980, vide OM No. 2/2(19)/77-I dated 13-12-1979 issued by the Joint Secretary, DOS, the undermentioned officers of VSSC are placed in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from 1st January, 1980.

Sl. No.	Name	Designation	Division/Facility
1.	Sri N. Sankara Iyer	Asstt. Admn. Officer	CHF
2.	Sri V. P. Damodaran Nambiar	Asstt. Admn. Officer	PGA
3.	Sri V. Karunakaran Nair	Asstt. Admn. Officer	PGA
4.	Sri G. Muraleedharan Nair	Asstt. Admn. Officer	PGA
5.	Sri A. P. Rajagopal	Assistant Public Relations Officer	PGA

P. A. KURIAN,
Administrative Officer-II (EST),
/or Controller VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th April 1980

No. A. 31013/1/79-EA—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer, in the Air Routes and Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, with effect from the 17th January, 1980.

S. No.	Name	Station of posting
(1)	(2)	(3)
1.	Shri K.G. Iyer	Madras Airport.
2.	Shri P. C. Vyas	On deputation to Govt. of Libya.
3.	Shri K. V. P. Iyengar	Madras Airport.
	Shri V. G. Karnad	Bombay Airport.
5.	Shri T. S. N. Rao	Delhi Airport, Palam.
6.	Shri B. M. Roy	Calcutta Airport.
7.	Shri S. Bhatt	Asstt. Dir. (C. I. & A.) at Hdqrs.
8.	Shri R. N. Bhatnagar	CATC, Allahabad.
9.	Shri K. N. Bahal	CATC, Allahabad.
10.	Shri K. C. Duggal	Asstt. Dir. (T & E) at Hdqrs.
11.	Shri I. M. Tuli	Agartala.

(1)	(2)	(4)
12.	Shri V. V. Bagga	Asstt. Dir. (Op) at Hdqrs.
13.	Shri R. J. Yuvraj	Bombay Airport.
14.	Shri M. K. Das	Calcutta Airport.
15.	Shri M. S. G. K. Warriar	SAO, ATCP (c) at Hdqrs.
16.	Shri P. K. Biswas	Delhi Airport, Palam.
17.	Shri D. N. Gupta	Bombay Airport.
18.	Shri P. I. C. Vidyasagar	Begumpet.

The 10th April 1980

No. A38013/1/80EA.—Sarvashri A. C. Sarkar and S. R. Das Sarma Assistant Aerodrome Officers, Calcutta Airport, Dum Dum retired from Government Service on the 31st March, 1980 AN on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 8th April 1980

No. A.12025/2/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri Soumitra Sana in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Communication Officer with effect from 17-3-80 (FN) and to post him in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport, Calcutta until further orders.

The 14th April 1980

No. A. 32013/11/79-EC—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	R. Sampathkumaran	A. C. S., Bombay	A. C. S., Bombay	21-3-1980 (FN)
2.	Vishawa Nath	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	20-3-1980 (FN)

R. N. DAS,
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 10th April 1980

No. 1/73/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. S. Malik Technical Assistant, Bombay Branch, as Assistant Engineer,

in an officiating capacity, on ad-hoc basis, in the same Branch, for the period from 1-6-1979 to 28-8-1979.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admin.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madas-34, the 19th March 1980

C. No. II/3/22/80-Estt.—The following Inspectors of Central Excise in the Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Group 'B' until further orders and posted with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names.

Sl. No.	Name	Place where posted as Supdt. Gr. 'B'	Date of joining
	S/Shri		
1.	V. Radhakrishnan	Hqrs. Office, Madras	4-8-1979
2.	G. R. Balasundaram	Coonoor Dn.	24-8-1979
3.	C. V. Neelalochanan	Madras III Dn.	3-8-1979
4.	C. John Lazar	Ooty Range, Coonoor Dn.	3-10-1979
5.	R. Ananthanarayanan	Coimbatore I Dn.	27-8-1979
6.	R. Krishnasamy	Coimbatore I Dn.	21-9-1979
7.	S. Srinivasan	Madras II Dn.	11-1-1980 (AN)
8.	M. Srinivasan	Hqrs. Office, Madras.	17-12-1979 (AN)
9.	S. Subramaniam	Madras III Dn.	8-2-1980
10.	R. Venkatasubashyam	Hqrs. Office, Madras.	3-12-1979 (AN)
11.	R. C. Muthusamy	Pollachi Dn.	28-12-1979
12.	R. Balasubramaniam	Madras I Dn.	30-9-1979 (AN)
13.	Jothi Pandian Jesudian	Sulur Range, Coimbatore II Dn.	29-12-1979
14.	R. Krishnan	Gobi Range, Erode Dn.	22-12-1979
15.	S. Balasundaram	Kotagiri Range, Coonoor Dn.	22-12-1979 (AN)
16.	M. Prithviraj	Podanur Range Pollachi Dn.	31-1-80

No. II/3/24/79-Estt.—Shri W. S. Parathasarathy, Office Superintendent, Madras Central Excise Collectorate, has been appointed to officiate as Administrative Officer, Gr. 'B' until further orders and posted to Madras II Division with effect from 31-12-1979.

B. R. REDDY
Collector

Bombay-4400020, the 9th April 1980

No. II/3E(a)/2/77 Pt. I.—The following Selection Grade Inspectors have on promotion assumed charge as officiating Superintendents of Central Excise, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate with effect from the dates shown against their names.

S. No.	Name	Date of assumption of charge
(1)	(2)	(3)
1.	Shri S. B. Kulkarni	4-1-1978
2.	Shri G. K. Merani	4-1-1978
3.	Shri J. R. Deshmukh	3-1-1978
4.	Shri S. S. Joshi	16-1-1978
5.	Shri K. S. Tipnis	16-1-1978
6.	Shri M. M. Modi	16-1-1978
7.	Shri R. N. Artani	1-2-1978
8.	Shri M. V. Raykar	16-1-1978
9.	Shri K. E. Thuse	16-1-1978
10.	Shri K. S. Prabhu	1-2-1978
11.	Shri P. P. Dambal	24-1-1978
12.	Shri B. K. Vadgaonkar	16-1-1978
13.	Shri R. G. Kadam	16-1-1978
14.	Shri N. M. Chainani	6-2-1978
15.	Shri V. B. Kulkarni	16-1-1978
16.	Shri T. M. Kadam	1-2-1978
17.	Shri F. D'souza	16-1-1978
18.	Shri S. P. Mondkar	16-1-1978
19.	Shri A. R. Patil	1-2-1978
20.	Shri J. F. Silva	30-1-1978
21.	Shri A. V. Borkar	16-1-1978

S. No.	Name	Date of assumption of charge
(1)	(2)	(3)
22.	Shri J. V. Gokulgandhi	16-1-1978
23.	Shri S. V. Joshi	16-1-1978
24.	Shri V. D. Jadhav	16-1-1978
25.	Shri M. H. Lalwani	16-1-1978
26.	Shri C. Y. Mahajan	16-1-1978
27.	Shri J. K. Bibikar	16-1-1978
28.	Shri M. H. Adajanla	2-2-1978
29.	Shri S. K. Sangle	16-1-1978
30.	Shri R. Vijayraghavan	1-2-1978
31.	Shri J. N. Murar	16-1-1978
32.	Shri B. D. Saware	1-2-1978
33.	Shri H. G. Peshwani	27-1-1978
34.	Shri D. S. Thawrani	16-1-1978
35.	Shri R. Y. Jayade	23-3-1978
36.	Shri S. V. Patekar	16-1-1978
37.	Shri A. V. Tarkhadkar	28-2-1978
38.	Shri James Pothan	6-2-1978
39.	Shri T. N. Sundaram	16-1-1978
40.	Shri M. L. Jacobie	3-2-1978
41.	Shri L. K. Deshpande	16-1-1978
42.	Shri M. H. Mirchandani	15-3-1978
43.	Shri R. V. Sawant	19-4-1978
44.	Shri G. B. Waingankar	24-5-1978
45.	Shri S. K. Shinde	3-6-1978
46.	Shri P. R. Kadam	1-6-1978
47.	Shri S. M. Chavan	11-7-1978
48.	Shri S. B. Unawane	4-7-1978
49.	Shri S. S. Galkwad	30-8-1978
50.	Shri S. K. Londhe	1-8-1978
51.	Shri B. M. Nikalji	1-8-1978
52.	Shri C. K. Nirbhavane	21-9-1978
53.	Shri A. P. Gujar	25-9-1978
54.	Shri C. D. Waghmare	22-9-1978
55.	Shri G. B. Mestri	15-11-1978

A.N.

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
56.	Shri F. S. Machado	9-1-1979	86.	Shri V. D. Deodhar	19-3-1979
57.	Shri G. N. Dabke	28-10-1978	87.	Shri A. K. Joshi	12-3-1979
58.	Shri B. S. Sawant	26-10-1978	88.	Shri S. S. Rane	1-3-1979
59.	Shri K. Venugopalan	1-3-1979	89.	Shri B. H. Mahajani	8-3-1979
60.	Shri Y. C. Salgaonkar	27-10-1978	90.	Shri L. M. Kulkarni	26-3-1979
61.	Shri G. S. Shanbhag	25-10-1978	91.	Shri P. A. Motiani	22-3-1979
62.	Shri U. G. Bhatia	1-11-1978	92.	Shri S. J. Chugani	11-4-1979
63.	Shri A. R. Kudalkar	16-11-1978	93.	Shri B. M. Gupta	5-5-1979
64.	Shri A. R. S. M handale	26-10-1978	94.	Shri T. N. Ketkra	4-5-1979
65.	Shri G. S. Patkie	1-11-1978	95.	Shri K. L. Narang	5-6-1979
66.	Shri C. T. Lillaramani	1-11-1978	96.	Shri R. K. Shah	4-6-1979
67.	Shri A. K. R. Mansoori	15-11-1978	97.	Shri B. B. Lute	4-6-1979
68.	Shri V. K. Patil	15-11-1978	98.	Shri D. M. Kelkar	5-6-1979
69.	Shri N. S. Singasane	15-11-1978	99.	Shri N.M. Raje	7-6-1979
70.	Shri S. V. Muley	15-11-1978	100.	Shri R. D. Karnik	4-6-1979
71.	Shri R. G. Shivadasani	15-11-1978	101.	Shri S. L. Kamble	29-6-1979
72.	Shri P. B. Deshpande	15-11-1978	102.	Shri G. R. Marathe	11-6-1979
73.	Shri T. V. Dongre	15-11-1978	103.	Shri N. D. Gadag	11-6-1979
74.	Shri H. V. Nadkarni	16-11-1978	104.	Shri J. R. Khanna	8-6-1979
75.	Shri P. S. Kakirde	15-11-1978	105.	Shri N. H. Deshpande	11-6-1979
76.	Shri M. R. Daniels	15-11-1978	106.	Shri K. K. Vijan	8-6-1979
77.	Shri S. V. Khaire	15-11-1978	107.	Shri V. G. Rane	5-7-1979
78.	Shri P. S. Malegaonkar	15-11-1978	108.	Shri B. K. Kataria	11-6-1979
79.	Shri P. S. Pople	15-11-1978	109.	Shri K. M. Daulatani	8-6-1979
80.	Shri R. U. Pillai	16-12-1978	110.	Shri D. A. R. Mansoori	30-6-1979
81.	Shri V. I. Bhosale	28-2-1979	111.	Shri E. P. Venugopalan	30-6-1979
82.	Shri E. P. Battase	19-2-1979			
83.	Shri M. S. J. Aga	26-11-1978			
84.	Shri M. K. Deshmukh	15-11-1978			
85.	Shri K. S. Jadhav	20-2-1979			

No. II/3E/(a)2/77 Dt. I.—The following Group 'B' Gazetted Officers (Supdts./Admn. Officers/A. C. A. Os.) in Bombay Central Excise Collectorate have retired on Superannuation/voluntarily in the afternoon of the dates shown against their name :—

S. No.	Name	Designation	Date of retirement
1.	Shri K. N. Joshi	Superintendent	31-7-1978
2.	Shri N. R. Rajadhyax	Admn. Officer	31-7-1978
3.	Shri L. F. Paes	Superintendent	31-7-1978
4.	Shri B. L. Galkwad	Superintendent	31-8-1978
5.	Shri S. N. Takle	Superintendent	30-9-1978
6.	Shri J. J. D'silva	Superintendent	30-9-1978
7.	Shri G. G. Kini	A. C. A. O.	30-9-778
8.	Shri S. V. Shet	Superintendent	31-0-1978
9.	Shri V. S. Kulkarni	Superintendent	31-10-1978
10.	Shri F. X. Goes	Superintendent	31-12-1978
11.	Shri Y. V. Akerkar	Superintendent	31-1-1979
12.	Shri N. K. Chavan	Superintendent	31-1-1979
13.	Shri M. R. Kirtikar	Admn. Officer	31-1-1979
14.	Shri S. B. Prabhu	Admn. Officer	31-1-1979
15.	Shri P. S. Donde	Superintendent	28-2-1979
16.	Shri S. B. Torvi	Superintendent	28-2-1979
17.	Shri A. M. A. Shaikh	Superintendent	28-2-1979
18.	Shri A. H. I. Shaikh	A. C. A. O.	28-2-1979
19.	Shri K. B. Ailani	Superintendent	31-3-1979
20.	Shri V. P. Rajeshwar	Superintendent	30-4-1979
21.	Shri M. H. Adajania	Superintendent	31-5-1979
22.	Shri R. D. Bhatkar	Superintendent	31-5-1979
23.	Shri N. A. Pinjani	Superintendent	30-6-1979
24.	Shri S. V. Ghatole	Superintendent	30-6-1979
25.	Shri S. G. Pandit	Superintendent	30-11-1979
26.	Shri P. V. Gonsalves	Superintendent	30-11-1979

K. S. DILIPSINHJI,
Collector of Central Excise,

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 8th April 1980

No. 9/80.—Shri Jeevan Krishna lately posted as Assistant Collector Central Excise in Chandigarh Collectorate, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Deptt. of Rev. Order No. 10/80 (F. No. A-22012/38/79-Ad.II) dated 11-1-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on the 31st March, 1980 (Forenoon).

K. L. REKHI
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 7th April 1980

No. 1-TR(3)/76.—The President is pleased to appoint Capt. A. M. Osmani an officer on deputation from the Mogul Line Ltd., Bombay as Nautical Officer on the Training Ship "Rajendra" on an ad-hoc basis with effect from 6-10-76 forenoon until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF RAILWAYS
SOUTH CENTRAL RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE
PERSONNEL BRANCH

Secunderabad, the 10th April 1980

No. P(GAZ)185/Accounts.—Shri T. Ramanujachari, an officiating Class II Officer of Accounts Department of South Central Railway, is confirmed in Class II service (Group B) of that Department with effect from 29-03-1979.

N. NILA KANTA SARMA
General Manager

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 17th April 1980

No. 79/RE/161/1.—It is hereby notified for general information of all users of Railway lines and premises that AC overhead traction wires will be energised on high voltage at 25 kV on or after the dates indicated for their respective sections as under :—

Section & Date

Chitla (Excl. to Uppugunduru (Excl.))—15-4-1980,

Uppugunduru (incl.) to Ongole (incl.)—15-4-1980,

Ongole (Excl.) to Biratagunta (Excl.)—30-6-1980.

On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all time and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of it.

The Public are also warned—

1. To keep away from electric traction wires and fittings in the section;

2. Not to approach or come in contact with such wires and fittings either directly in person or through particles such as poles, bamboos, metallic rods, etc., as it will prove fatal;
3. Not to lean or protrude any portion of their body outside the compartments to avoid getting injured as steel masts for carrying traction wires have been erected on both sides of the track;
4. Not to come within a range of two metres from the electric fittings and overhead electric wires;
5. Not to approach or work in the proximity of overhead wires;
6. Not to travel on foot-boards or ride on the roof of the coaches, as it may prove fatal;
7. To kindly report to the nearest Station Master in case they come across any broken wires.

The Railway Administration will not be liable for any accident caused due to this warning being ignored.

K. BALACHANDRAN
Secretary, Railway Board

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Bhatia Brothers Transport Company Private Limited*
Delhi, the 13th December 1979

No. 2916/21735.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bhatia Brothers Transport Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

HAR LALL
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Wadhvi Brothers Private Limited*

Bombay-2, the 26th March 1980

No. 12840/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Wadhvi Brothers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Miranda Agro-Industries Research Private Limited*

Bombay-2, the 26th March 1980

No. 18070/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Miranda Agro-Industries Research Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Orient Insulations Private Limited*

Bombay-2, the 26th March 1980

No. 12196/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Orient Insulations Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
M/s Magnetics Private Limited*

Bombay, the 26th March 1980

No 11917/560(3)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Magnetics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

S C GUPTA
Asstt Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Somu Transports Private Limited*

Madras 600006, the 10th April 1980

No 4162/560(5)/80—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Somu Transport Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved

H. BANERJEE
Asstt Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s Bhavnagar Potteries Limited*

Ahmedabad, the 5th April 1980

No 2079/560—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Bhavnagar Potteries Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

J. G. GATHA
Registrar of Companies
Gujarat

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 10th April 1980

No F 48 Ad(AT)/79 P II—Shri Banwari Lal, Assistant Registrar Income-tax Appellate Tribunal Chandigarh Bench, Chandigarh has on his own request been reverted to his parent department [Deptt of Panchayati Raj (1), Govt of Uttar Pradesh] for being appointed as Additional Chief Executive Officer, Ballia (U P). He relinquished charge of the office of the Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Chandigarh Bench, Chandigarh in the afternoon of 6th March, 1980

T. D. SUGLA
President

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th April 1980

Ref No IAC/ Acq-II/SR-I/8-79/ 5691.—Whereas, I,
R. B. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory on Plot No. 5-A situated at Property No. 69, Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) M/s ESS. Essmelting Co. 69/5-A Najafgarh Road, N. Delhi. Through its partners (1) Sh. Anwar Nath Pasricha (2) Sh. Banarsi Lal Pasricha (3) Sh. Ashok Kumar Pasricha & (4) Sh. Raj Kumar R/o J-59, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sumer Mal Patwari Trust Through its Managing Trustee Sh. K. L. Jain. K-71, Kirti Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Structure of Factory on Plot No. 5-A, Property No. 69, Najafgarh Road, New Delhi with the lease hold rights of land measuring 5777 sq. yds approximately under the said property.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-4-1980

Sent :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

4 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/Sr-II/8-79/2810.--Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
B/160 situated at Naraina Vihar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Delhi on August 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :--

(1) Smt. Satya Wanti Wd/o late Sh. Karam Chand
Kakkar R/o No. E-14/A DDA Flats, Rajouri Gar-
den Near Maya Puri G-8 Area N. Delhi, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ansuya Prasad Khanduri S/o late Sh. Vishwesh-
war Dutt Khanduri R/o No. B-160, Naraina Vihar,
DDA Colony New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. B/160 in Naraina Vihar, New Delhi with 4
rooms, one store Kitchen, 2 Verandahs one bath room, lat-
rine, on G.F. and stair case etc.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Yaduvansh Narain S/o Sh. Radha Narain R/o G-3/5, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sant Kaur W/o Gaur Singh Kohli R/o F-14/46, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th April 1980

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACO-II/SR-I/8-79-5713.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F-14/46 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F-14/46, measuring 233.3/10 sq. yds. at Model Town area of vill. Malikpur Chhaoni Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Bhagwan Bhajan Ashram, Bindraaban through Sh. Bibari Lal Jhunjhunwala S/o J. Sh. Basheswar Nath Secretary

(Transferor)

- (2) Smt. Uma Jain W/o Sh. Suresh Chand Jain 1323 Gali Gulian, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/8-79/5711.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3436 to 3441 and 3471 to 3476 situated at Main Hauz Q Ward No. 6, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—46GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 3436 to 3441 and 3471 to 3476 situated at Main Hauz Qazi, Ward No 6, Delhi

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS ———(1) Shri Naresh Kumar Verma S/o Sh. A. R. Verma
R/o No. A/53 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dogar Mal Soni S/o Sh. Hans Raj (2) Sh. Ashok Kumar Soni and Nirdosh Kumar Soni S/o Dogar Mal Soni R/o No. 740 Chhota-Bazar Kashmere Gate Delhi.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/8-79/5717.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 19 Block-B(B/19) situated at Community Centre Kingsway North Dr. Mukarji Nagar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19 Block B (B/19) measuring 101.44 sq. Meters in Community Centre Kingsway North Dr. Mukarji Nagar Delhi

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajinder Kumar S/o Sh. Baldev Raj R/o 9
Shivaji Road Azad Market Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajin Kumar S/o Sh. R. B. Batra & Smt.
Sheela Rani W/o Sh. R.B. Batra R/o 6/14 Punjabi
Bagh New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/8-79/2762.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

15 situated at N.W.A. Road Punjabi Bagh New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg 500 sq mtrs Portion of Plot No. 15, N.W.A.
Road Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi, State
Delhi

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Parkash S/o Sh. Baldev Raj R/o 9 Shivaji Road Azad Market Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar Batra & Rajesh Kumar Batra s/o Sh. R. B. Batra R/o 6/14, Punjabi Bagh East New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD
New Delhi-110002

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/8-79/2761.—Whereas I, R. B. I. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at North West Avenue Road Punjabi Bagh Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

THE SCHEDULE

1 and measuring 500 sq. meters, portion of Plot No. 15 on Road 'North West Avenue Road' Situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Madipur Delhi State, Delhi.

R. B. I. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Raj Karni Widow of Late Sh. S. Dewa Singh
R/o of House No. H-53, New Seelampur Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Sudeshan Kumar Maggon S/o Sh. Sant Ram
R/o of A.D. 38, Tagore Garden, Govt. Quarters,
New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD
New Delhi-110002

New Delhi the 14th April 1980

Ref. No. IAC Acq-II/SR-1/8-79, 5702. —Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

1557 situated at Faiz Ganj Pataudi House, Darya Ganj New
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building No. 1557 situate at Faiz
Ganj near Pataudi House Darya Ganj, New Delhi-Ward No.
XI.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date : 14-4 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Satya Sachdeva w/o Sh. K. L. Sachdeva R/o K-2/8, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Niranjan Lal Gupta S/o Sh. J. N. Gupta R/o F-9/4, Model Town, Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A, SATALI ROAD NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/8 79/5639—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K-2/8 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house on plot No. K-2/8 measuring 272.22 sq. yds situated at Model Town, area of vill. Malikipur Chhauri Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/2808.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34 on Road No. 52, situated at Class-'B' Punjabi Bagh Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Avter Singh Sachdeva S/o Sh. Nand Lal Sachdeva R/o 34/52 Punjabi Bagh New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Jage Ram S/o Sh. Harke Ram (2) Sh. Hawa Singh (3) Krishan Kumar (4) Sh. Bishan Kumar & (5) Sh. Lalit Kumar Sharma ss/o Sh. Jage Ram R/o 34/52 Punjabi Bagh Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 34 on Road No. 52 Class-'B' Punjabi Bagh Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Meena Devi Agrawal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Chandra Amarnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, 28th December 1979

Ref. No R-140/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/28 part of a double-storeyed building No. 215/464 situated at Mohalla Pan-Dariba, Charbagh, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 16-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (3) (1) M/S. Prem Cycle Works (2) M/S. Prem Cycle Works (3) Bahumal (4) Santu Singh Halwai (5) Santu Singh Halwai (6) Gopi Ram Halwai (7) Sunder Baniya (8) Harish Chandra Khera (9) Sardar Makhan Singh (10) Prabhakar Bagchi (11) Rahim Bux (12) Saladin (13) Munna Lal Kahar (14) Angney Kahar (15) Ram Prasad (16) Mulai Kahar (17) Mahadev (18) Sardar Mahendra Singh (19) Sardar Charan Singh (20) A. P. Joseph (21) Shaloo Ram Agrawal (22) Ramniwas Agrawal (23) S. P. Bose (24) Krishna Sahai and about 6 others.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17/28 part of a double-storeyed Manzil bearing Nagar Mahapalika No. 215/464 constructed on 90 years leasehold plots No. 61/61A situate at Mohalla-Pan-Dariba, Charbagh (old Canning Street), Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 5572/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 16-10-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 28-12-79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW
57, RAM TIRTHMARG, LUCKNOW

Lucknow, 19th February 1980

Ref. No R-142/Acq—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 280-A & B, including entire building situated at Mohalla-Kalibari, PO City, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 21-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—46GI/80

- (1) Shri Rajendra Prakash (Transferee)
(2) Shri (1) RAM BHADUR and 2) KESHAV KUMAR (Transferee)
(3) Seller (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property No 280 A and 280-B including entire Building i.e. Tin sheds, godowns, dalan, kothies, courtyard including land pipe line machine and fittings etc. situate at Mohalla KALIBARI, PO City, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37 G No 4543 1/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Bareilly, on 21 9 1979

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Lucknow

Date : 19-2-1980.
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUCKNOW
57, RAM NIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the February 1980

Ref. No. R-143/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

NMP No. C.30/33, Maldahiya situated at Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 15-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mukul Rani Das Gupta
(Transferor)
- (2) Shri Rajendra Kishore Roy and Devendra Kishore Roy,
(Transferee)
- (3) The seller, Smt. Mukul Rani Das Gupta and her family members.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One pukka double storeyed brick built house built on free hold land measuring 1526 Sq. ft. forming part of S. P. No. 541 and N. M. P. No. C. 30/33, Maldahiya, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the Form 37-G No. 7946 and sale-deed, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 15-9-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-2-1980
Sd/- :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shanti Chauhan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Beena Rastogi

(Transferee)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 29th February 1980

Ref. No B-89/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No C-124/A measuring 4573 sft situated at Mahanagar Housing Scheme Mahanagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The term, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of lease-hold land measuring 4573 sft bearing No. C-124/A, situate at Mahanagar Housing Scheme, Mahanagar, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No 4308 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Lucknow on 20-8-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-2-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 29th February 1980

Ref. No. C-26/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B-13 measuring 6324 sft situated at L Road, Mahanagar Extension, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-9-1979 for an apparent which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- | | |
|--|--|
| (1) Shri Iftikar Ahmad | (Transferor) |
| (2) Shri Chandra Shekhar Sharma; & Smt. Sandhya Sandhya Sharma | (Transferee) |
| (3) Shri Iftikar Ahmad | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-13 situate at L Road, Mahanagar Extension, Lucknow measuring 6324 sft and bounded as below :
 East—Plot No. B-11 and 41;
 West—60' wide L Road;
 North—Plot No. B-1 & 14;
 South—Plot No. B-1-12; measurements : E-W 62' N-S 102' Total Area 6324 sft.
 and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 5186 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Lucknow on 27-9-1979.

A. S. BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-2-1980

Scale :

FORM ITNS—

(1) Shri Mirza Asghar Ali Beg.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jitendra Kumar Agarwal.

(Transferee)

(3) Shri Dr. Bhawani Shanker Agarwal
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 29th February 1980

Ref. No. J-51/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. E.C. 02/237 situated at Katra Chand Khan, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 3-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. E.C. 02/237 situate at Mohalla Katra Chand Khan, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 4725 which both have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Bareilly on 3-9-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-2-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 29th February 1980

Ref. No. V-45/Acq. Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half portion of Deepak Building situated at Budh Bazar, Station Road, Moradabad (U.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 29-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|-----------------------------------|--|
| (1) Shri Savinder Singh Sahni | (Transferor) |
| (2) Shri Vishwa Nath Behal | (Transferee) |
| (3) Above transferor & transferee | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of house property known as 'DEEPAK BUILDING' situate at Budh Bazar, Station Road, Moradabad, U.P. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 4969 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Moradabad on 29-8-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Rama Kant Mitra through General Attorney Anurag Misra; & 2. Shri Anurag Misra.
(Transferor)

(2) M/S Kumar Carpets Exporters through partners : S/Shri : 1. Ajeet Kumar; 2. Smt. Prabhawati Devi; 3. Smt. Usha Devi; 4. Manju Lata; & 5. Ranjeet Kumar,
(Transferee)

(3) M/S Kumar Carpets Exporters through partners : S/Shri : 1. Ajeet Kumar; 2. Smt. Prabhawati Devi; 3. Smt. Usha Devi; 4. Manju Lata; & 5. Ranjeet Kumar.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57-RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd March 1980

Ref. No. K-90/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5 Block A, Kasturba Nagar, situated at Mohalla Ramapura, Sagra, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 2-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land measuring 2450 sft. being Plot No. 5, Block 'A', Kasturba Nagar, Mohalla Sagra, Village Ramapura, Varanasi with three storeyed building constructed thereon with all the rights including the right of easement and appurtenances annexed thereto as follows:

Towards East—30' wide road, West—Nagar Mahapalika Colony; North—Plot No. 6 and South—Plot No. 4.

and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 3929 which both have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Varanasi on 2nd August, 1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 25-3-1980

Seqd :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57-RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 31d April 1980

Ref. No. A-81/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-27/78-A-1 & B-27/78-A-1A, situated at New Colony, Bhelupur, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 23-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. J. M. Ghoshal.

(Transferor)

(2) 1. Arun Kumar; 2. Jayas Kumar; 3. Bhupendra Kumar; & 4. Ashwin Kumar.

(Transferee)

(3) Dr. J. M. Ghoshal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three-storeyed house No. B-27/78-A-1 and B-27/78-A-1A, including land etc. situated at Mohalla New Colony, Bhelupur, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 6841 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Varanasi on 23-8-79.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 3-4-80

Seal :

FORM ITNS ———

- (1) Shri Nanabhai Ambalal Desai;
Valanja—Taluka—Kamrej.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Vanmalibhai Lalubhai Patel;
2. Shri Dullabhai Lalubhai Patel;
3. Shri Ichhubhai Talubhai Patel;
Pandesara, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P.R. No. 869/Acq. 23-II/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land bearing Survey No. 148, 149, 135/1 and 143 situated at Village Valanja Dist. Surat, Kamrej, Taluka (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej on 1-8-1979 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—46GL/80

THE SCHEDULE

The Agricultural land situated at village—Valanja, Taluka Kamrej, admeasuring 24 Acre 11 Guntha of land duly registered with Sub-Registrar at Kamrej on 1-8-1979 vide No. 774/79.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-2-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th February 1980

Ref. No. P.R. No. 870/Acq. 23-II/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1275, Soy Sheri, No. 2, Wd. No. 5 situated at Haripura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prabhubhai Hiralal Patel;
6/2202, Mahidharpura, Nagar Sheri Naka,
Surat.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Sureshchandra Sakarlal Singvala;
2. Shri Dineshchandra Sakarlal Singvala;
3. Shri Bhupendra Sakarlal Singvala;
Shakti Kripa Coop. Housing Society Ltd. Vibhag-2,
Varachha Road, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Soy Sheri, Nondh No. 1225, Wd. No. 5, Surat duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 1275/79.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 29th February 1980

Ref. No. P.R. No. 878 Acq.23-II/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 9, Muni. No. 13, S. No. 328-9, T.P. No. 5 situated at Narmadnagar, Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 7-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Nilaben Pravinchandra Thakkar;
Narmad Nagar Society,
Athwa, Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vrajlal Dullabhram Joshi;
Lal Darwaja, Gandhi Sheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property admeasuring 441 sq. yds. land situated at Narmadnagar, Plot No. 9, T.P. No. 5, Athwa, Surat duly registered on 7-8-1979 vide No. 2987.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 29th Feb., 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1980

Ref. No. P.R. No. 887 Acq.23-4-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 184/1+3 land (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 2-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Fakirbhai Devjibhai;
Kazi Falia, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Shri Ambalal Chimanlal & others;
Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gadkhol Taluka Ankleshwar bearing Survey No. 184/1+3 duly registered on 2-8-79 at Ankleshwar.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Fakirbhai Devjibhai,
Kazi Faha, Ankleshwar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1 Shri Anibalal Chimanlal & others,
Ankleshwar
2 Shri Dhansukhbhai Chunilal Mithaiwala,
Ankleshwar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009, the 3rd March 1980

Ref No P R No 888 Acq 23 4 1/79-80—Whereas, I,
S N MANDAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/ and bearing
Survey No 184/1+3, land
Gadkhol, Taluka Ankleshwar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ankleshwar on 15-8-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gadkhol Taluka Ankleshwar bearing Survey No
184/1+3, duly registered at Ankleshwar on 2-8-1979

S N MANDAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3rd March 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 10th January 1980

Ref No. Acq.23-I-2529(922)/11-4/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1723, C.S. Ward-3, Sheet No. 151, Mun. No. 10-6-56 Paiki, situated at Wadia Road, Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Porbandar on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jeraj Lalji Panchmatia,
C/o Shri P. D. Kakkad, Advocate,
M.G. Road, Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Prabhudas Devchand Chotal,
Sutarwada, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 1723, C.S. Ward No. 3, Sheet No. 151, Mun. No. 10-6-56 paiki adm. 916-83 sq. yds. with garrage room & compound wall, situated at Wadia Road, Porbandar, duly registered by Registering Officer, Porbandar, vide sale-deed No. 2904/Aug. 1979, i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 10th January 1980

Ref. No. Acq.23-I-2529(923)/11-4/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1723, Paiki Ward No. 3, Sheet No. 151, Mun. No. 10-6-56 situated at Wadia Road, Porbander (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 Porbander on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jeraj Lalji Panchmatia,
C/o Shri P. D. Kakkad, Advocate,
M.G. Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Ramji Gadha,
Kedareswar Road,
Porbander.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Openland bearing C.S. No. 1723—C.S. Ward No. 3, Sheet No. 151—Mun. No. 10-6-51 paiki—adm. 189-58 sq. yds. situated at Wadia Road, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander, vide sale deed No. 2907/Aug. 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 10th January 1980

Ref. No. Acq 23-I-2529(924)/11-4/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-
ble property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

C.S. No. 1723 paiki—Sheet No 151, Ward-3, Mun. No.
10-6-56 situated at Wadia Road, Porbander
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Porbander on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

- (1) Jeraj Lalji Panchmatia,
C/o Shri P. D. Kakkad, Advocate,
M.G. Road, Porbander.

(Transferor)

- (2) Smt. Jayagauti Ratilal Jogia,
Thakkar Plot,
Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing C.S. No. 1723, Paiki, Sheet No. 151,
Ward No. 3, Mun. No. 10-6-56 situated at Wadia Road,
Porbander, adm 187-19 sq yds. duly registered by Regis-
tering Officer, Porbander, vide sale-deed No. 2906/Aug. 1979
i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 10th January 1980

(1) Shri Jeraj Lal ji Panchmatia,
C/o Shri P. D. Kakkad, Advocate,
M.G. Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Pravinkumar Vallabhdas Pau,
Zaveri Bazar,
Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq 23-I-2529(925)/11-4/79-80.—Whereas, I, **S. N. MANDAL**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1723, Mun. No. 10-6-56 Paiki, situated at Wadia Road, Porbander and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Porbander on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15-46GI/80

THE SCHEDULE

Openland bearing C.S. No. 1723, Mun. No. 10-6-56, Paiki, adm. 410-48 sq yds. situated at Wadia Road, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander, vide sale-deed No. 2905/Aug, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2713(956)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.P. No. 160 and 161 of Naroda Indus Trial Estate, situated at Naroda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hiralal Vanmalidas Prajapati,
B-2, 1st Floor, Bharatnagar, Grant Road,
Bombay. (Transferor)
- (2) Reliance Textile Industries,
Court House, 4th Floor,
Tilak Marg, Dhobi-Talao,
Bombay-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building adm. 1673-63 sq. mtrs. bearing S.P. No. 160 & 161, situated at Naroda Industrial Estate, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 9458/13-8-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th March 1980

Ref. No. Acq. 23-1-2996(957)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kalupur Ward No. 1, Sheet No. 22, S. Nos. 2433, 2446, 2447, 2448, situated at Opp. Kalupur Tower, Kalupur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Korawalla Mahajan through : S/Shri
 - (1) Patel Ranchhodlal Harilal, Novovas, Danapith, Ahmedabad.
 - (2) Hiralal Ramchand, Sriramji's Pole, Vadigam, Dariapur, Ahmedabad.
 - (3) Shantilal Madhavilal, Bhanderi Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) Kalupur Commercial Centre, through Promoters : S/Shri
 - (1) Shri Shabbir Imranbhai Lokhandwalla, Shaikh Munjal's Mohalla, Nr. Kalupur Tower, Kalupur, Ahmedabad.
 - (2) Shri Jawaharlal Dahyabhai Gandhi, Nichli Sheri, Dhal's Pole, Ahmedabad.

(Transferees)

- (3) (1) Shri J. Nathabhai,
- (2) Shri Sureshchandra Gordhandas,
- (3) Shri Vallabhdas Mohanlal,
- (4) Shri Star Corporation, All C/o Kalupur Commercial Centre, Opp. Kalupur Tower, Kalupur, Ahmedabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Kalupur Commercial Centre", at Kalupur Ward No. 1, Sheet No. 22, S. Nos. 2433, 2446, 2447, 2448, situated at Kalupur, Opp. Kalupur Tower, Ahmedabad—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 8426/4-8-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th March 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2682(983)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kewadawadi, Sheri No. 2, Rajkot, situated at Kewadawadi Sheri No. 9, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramajibhai Mepabhai Chotalia,
22, Kevada Wadi,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Bachubhai Manchabhai,
Kewadawadi Sheri No. 2,
Rajkot.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Shantilal Popatlal,
2. Shri Babulal Popatlal,
3. Jiviben Ranchhodhbhai,
4. Maganlal Khimji,
5. Mansukhlal Karsanbhai,
Kewadawadi Sheri No. 2,
Rajkot.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building standing on land admeasuring 333.6 sq. yds. situated at Kewadawadi Sheri No. 2, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4848 dated 7-8-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Aminabibi wife of Abdul Sattar Abdul Karim;
Sindhivad, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Zeharbibbi wife of Yusufmiya Amirmiya;
Golkivad, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 895 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Nondh No. 2783, Ward No. 2, situated at
Kabitpura, Sagrampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Surat on 22-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons.
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Kabitpura, Sagrampura, Surat bearing
Nondh No. 2783, paiki land duly registered at Surat on
22-8-79 vide No. 3095/79.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 896 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Nondh No. 5153 Ward No. 2,
situated at Faram Mohollo, Surat(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 7-8-1979for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shavak Jehangirji Unwala;
Khusro Bag, F-2, Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Sunderlal Motilal Dabbiwala;
Faram Mohollo, Rustampura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Faram Mohollo, Rustampura,
Surat bearing Nondh No. 5153, Ward No. 2, Surat duly
registered on 7-8-1979 at Surat.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19th March, 1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Nirmalaben Balubhai;
Gopipura, Limdikui,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 897 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 468 paiki land situated at Katargam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Secretary :
Shri Jayantilal Ramjibhai Patel;
Mantri :
Shri Parsottam Javaharlal Patel;
C/o. Prabhunagar Co-op. Housing Society,
Variavi Bazar, Salyedpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Katargam, Survey No. 468 paiki land duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 2910.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19th March, 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 898 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 468 paiki land situated at Katargam, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hemantkumar Balubhai;
Gopipura, Limdikui,
Surat.

(Transferor)

- (2) Secretary :
Shri Jayantilal Ramjibhai Patel;
Mantri :
Shri Parsottam Javaharlal Patel;
Saiyepura, Variavi Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Katargam, Survey No. 468 paiki land duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 2911.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 19th March, 1980
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Balubhai Prabhubhai;
Gopipura, Limdikui,
Surat.

(Transferor)

(2) Secretary :
Shri Jayantilal Ramjibhai Patel;
Mantri :
Shri Parsottam Javaharlal Patel;
C/o. Prabhunagar Co-op. Housing Society,
Saiyedpura, Variavi Bazar, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 899 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Survey No. 468 paiki land situated at Katargam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
26—46GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Katargam, Survey No. 468 paiki land
duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 1912.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19th March, 1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 900 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 468 paiki land situated at Katargam, Surat (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rohitkumar Balubhai;
Gopipura, Limdikui,
Surat.

(Transferor)

(2) Secretary :
Shri Jayantilal Ramjibhai Patel;
Mantry :
Shri Parsottam Javaharlal Patel;
C/o. Prabhunagar Co-op. Housing Society,
Variavi Bazar, Salyedpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Katargam, Survey No. 468 paiki land, duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 2913.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19th March, 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2570(990)/12-2/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Muni. No. 10/1/144 to 19/1/153—10 godowns situated at Station Road, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the officer at Bhuj on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Keshavlal Vaghji Patel,
Through : Power of Attorney holder
Shri Patel Waghji Havji,
Navavas, Madhapar, Tel. Bhuj.

(Transferor)

(2) (1) Luhar Noormamad Musa
(2) Luhar Sidhik Musa
of Vill. Varalia, Tal. Abdasa,
Dist. Kutch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Godowns standing on 4264 sq.ft. situated at Station Road, Bhuj bearing Mun. No. 10/1/144 to 10/1/153—duly registered by Registering Officer, Bhuj vide sale-deed No. 1399/August, 1979 i.e. property as fully described herein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 26-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2570(991)/12-2/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

5 shops with garrage situated at
Bhuj Station Road, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bhuj on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transferor;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Kantilal Vaghji Patel,
Through : Power of Attorney holder
Shri Patel Vaghji Mavji,
Navavas, Madhupar, Tel. Bhuj.

(Transferor)

(1) (1) Shri Nurmamad Musa Luhar,
(2) Shri Sidhik Musa Luhar,
Village Varalia, Tel. Bhuj, Dist. Kutch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Shops with Garrage standing on land 2535 sq. ft.—
situated at Bhuj Station Road, Bhuj duly registered by Re-
gistering Officer, Bhuj, vide sale-deed No. 1391/Aug. 1979
i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 26-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2724(997)/1-1/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 155-Hissa No. 2, 3, 4 & 5 situated at Ghoda sar-Ahmedabad Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Smt. Chandrakantaben
wd/o Sh. Mohanlal Lallubhai Kothari, & others,
through : Power of Attorney holder
Shri Hasmukhlal Mohanlal Kothari,
Amratal's Pole, Khadin,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Barsana Co. Op. Housing Society Ltd.,
through : Chairman—
Shri Amarkant H. Vyas,
Behind Balvatika, Maninagar,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 7698 sq. yd., 8265 sq. yds., 6355 sq. yd. & 3875 sq. yd. bearing S. No. 155 Paiki situated at Ghodasar, Dist. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed Nos. 9045/9046/9047/9048/79 received in Second fortnight of August, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 28-3-1980

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 903Acq.23/7-5/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 863-1, 864, 865, 863-2 situated at National Highway No. 8, Pardi Kasba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 6-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Nadirsha Arachsha Pardivata;
2. Shri Gharnagisha Arachsha Pardivala;
3. Shri Naushirvan Arachsha Pardivala;
4. Kumiben Arachsha Pardivala;
5. Doliben Arachsha Pardivala;
6. Amiben Arachsha Pardivala, Pardi. (Transferor)
- (2) 1. Shri Hanifbhai Rahimbux Gori;
2. Shri Abdulmajid Hanif Gori;
3. Shri Abdul Latif Hanif Gori;
4. Shri Abdul K. Hanif Gori;
5. Shri Abdul Gafar Hanif Gori;
Kasba-Pardi—Taluka Pardi, Dist. Valsad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Pardi-Kasba, National Highway No. 8, bearing S. No. 863-1, 864, 865, 863-2, duly registered at Pardi on 6-8-79 vide No. 938.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date :25-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 904Acq.23-13-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 784/1 and 788 situated at Anand (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 31-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dahiben;
Wd/o Shri Kashibhai Fulabhai Patel,
Moti Khadol, Nadiad Taluka.

(Transferor)

(2) Govardhannagar Coop. Housing Society Ltd.
Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31 Gunthas out of the total area of 2 Acre 13 Guntha situated at Anand S. No. 784-1 and 788 by the side of Nutan Society and full described as per sale deed No. 1681 registered in the office of the Sub-Registrar, Anand on 31-8-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Ahmedabad.

Date : 25-3-1980

Seal:

FORM ITNS—

(1) Patel Maganbhai Chaturbhai;
Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gordhannagar Coop. Housing Society Ltd.
Anand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 905Acq.23/3-1-/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 784-1 and 788 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 31-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31 Gunthas out of the total area of 2 Acre 13 Guntha situated at Anand S. No. 784-1 and 788, by the side of Nutan Society and full described as per sale deed No. 1682 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 31-8-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 25-3-1980
Seal :

FORM ITNS(1) Patel Zhaverbhai Fulabhai;
Sangh Village, Nadiad Taluka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Govardhannagar Coop. Housing Society Ltd.,
Anand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 906 Acq.23-13-1/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 784-1 and 788 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 31-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—46GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31 Gunthas out of the total area of 2 Acre 13 Guntha situated at Anand S. No. 784-1 and 788, by the side of Nutan Society and full described as per sale deed No. 1683 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 31-8-1979

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 25-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-38 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 907 Acq.23-6-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 13-A Arunodaya Coop. Housing Society Ltd., situated at Alkapuri, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Baroda on 20-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Chhotabhai Motibhai Patel and others;
12, Anand Society, Baroda-5.

(Transferor)

(2) Shri Chandubhai N. Patel;
13-A, Arunodaya Society,
Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building being Plot No. 13-A of Arunodaya Coop. Housing Society Ltd., in the Alkapuri area of Baroda City and fully described as per sale deed No. 4363 in the office of Sub-Registrar, Baroda on 20-8-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 25-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1980

Ref. No. P.R. No. 908 Acq. 23-II/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 490 situated at Lakhavadi Patti, Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Manibhai Vaghjibhai Patel;
Near Lakhavadi Chora, Nadiad.
(ii) Navdeep Gordhanbhai;
Lakhavadi, Nadiad.

(Transferor)

- (2) Prakashbhai Prahladbhai Patel;
"Hari Kunj", Santram Society,
Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agricultural land admeasuring 3630 sq. yds. bearing Survey No. 490 and situated near Santram Deri, Piplaj Railway Crossing and fully described as per sale deed No. 2929 registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad on 17-8-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 26-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1980

Ref. No. P.R. No. 909 Acq-23-II/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 490 situated at Lakhawad Pitti, Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nadiad on 17-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Manibhai Vaghjibhai Patel;
Near Lakhawad Chora, Nadiad.
(ii) Navdeep Gordhanbhai;
Lakhawad, Nadiad.

(Transferors)

- (2) Arvindbhai Indubhai;
"GURU DAYA" Santram Society,
Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agricultural land admeasuring 2299 sq. yds. bearing Sur. No. 490 and situated near Santram Deri, Piplaj Railway Crossing and fully described as per sale deed No. 930 registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad on 17-8-79.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 26-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1980

Ref. No. P.R. No. 911 Acq.23-II/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 45 & 46 situated at Nagar Haveli Industrial Estate, Silvassa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rambhai Shantilal Mehta and others;
Partners of : M/s. Textile Technicians Commercial;
450, Lemington Road, 3rd Floor, Bombay-4.
(Transferor)

(2) Partners of M/s. Bombay Textile Corporation;
1. Shri Murarilal Babulal Khemani;
201, Kalbadevi Road, Bombay-2.
2. Shri Harishkumar Ramkaran Kamalia;
20/C, Dungarsi Road, Shree Sagar,
Walkeshwar, Bombay-6.
3. Mrs. Shakuntala Nathalal Bajaj;
2/C, Dungarsi Road, Shree Sagar,
Walkeshwar, Bombay-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property situated at Nagar Haveli Industrial Estate promoted by Dhanudyog Sahakari Sangh Ltd., Silvassa bearing Flat No. 45 & 46 duly registered at Bombay on 4-8-1979 vide No. 1772/75.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 26-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380 009, the 2nd April 1980

Ref No P R No 999 Acq 23/I-1/80-81 —Whereas, I,
S N MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S No 4894, C No 2556-A of Shahpur situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Hanuprasad Damodardas,
Shri Nitinbhai Kanaiyalal,
Shahpur, Gozariani Pole
Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shri Kirtilal Chimanlal Mehta,
Badhreshwar Society, Outside Delhi Darwaja,
Opp Hathibhai Temple, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land 112.3 sq yards bearing S No 4854, Sheet No 45, M C No 2596 A of Shahpur-I, situated at Gozariani Pole, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn No 7715 dated 8-8-79

S N MANDAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date 2-4 1980

Seal .

FORM ITNS—

(1) Niranjan Venilal Dalal;
9/1302, Balaji Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Pannalal & Sons;
7/4425, Begampura, Darukhana,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1980

Ref. No. P.R. No. 913 Acq.23/19-7/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8, Road No. 2, situated at Udhna Udyognagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Plot No. 8, Road No. 2, Udhna Udyognagar, Udhna duly registered at Surat on 13-8-79 vide No. 3032.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1980

Ref. No. P.R. No. 914.Acq.23/19-7/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8,—land situated at Road No. 2 Udhna Udyognagar, Udhna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 13-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Hansaben Rameshchandra Dalal;
8/1302 Balaji Road,
Surat.

(Transferor)

- (2) M/s. Pannalal & Sons;
7/4425, Begampura, Darukhana,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Plot No. 8, Road No. 2, Udhna Udyognagar duly registered at Surat on 13-8-79 vide No. 3033.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 2-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1980

Ref. No. P.R. No. 915 Acq.23/19-8/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 358-B situated at Chakawala Sheri, Wadi Falia, Wd. No. 9, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Chandrakant Chhotubhai Desai;
2. Shri Anirudh Vinodbhai Desai;
Chakavala Sheri, Wadi Falia,
Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mohanlal Nagindas;
2. Shri Harilal Nagindas;
Vagra Mahollo, Zampa Bazar,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 358B, situated at Chakawala Sheri, Wadi Falia, Surat duly registered at Surat vide No. 3137/79.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 2-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd April 1980

Ref. No. P.R. No. 916 Acq 23/II/79-80.—Whereas, I,
S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 2288/2 Near Ghoddod Road, situated at
Village Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 23-8-1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) P. A. Holder of;
Shri Bhavanbhai Ukabhai Patel;
Village Vankaner, Tal. Bardoli,
Shri Chaturbhai Ranchhodji.

(Transferor)

(2) Pratik Apartment Coop. Housing Society;
Shri N. A. Vandeliwala;
Shri Jitendrakumar S. Sheth;
Village : Athwa, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property bearing S. No. 2288/2 Near Goddhol Road,
village Athwa, duly registered at Surat on 23-8-1979 vide No.
3108/79.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 3-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1980

Ref. No. P.R. No. 917 Acq.23-II/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/000 and bearing

Nondh No. 555, Talawala Pole, Nanavat, situated at Ward No. 11, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 6-8-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandreshkumar Navinchandra Shah;
Minor Nimeshkumar Navinchandra Shah &
his guardian Navinchandra Navalchand Shah;
Nanavat, Hanuman Pole, Surat.

(2) 1. Shri Rajnikant Kantilal Shah;

2. Nutanben Rajnikant Shah;
Minor Rajesh Rajnikant Shah &
his guardian Rajnikant Kantilal Shah;
Natraj Apartment, Bhaga Talav, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 555, Talawala Pole, Nanavat Wd. No. 11, Surat duly registered on 6-8-1979 at Surat vide No. 2975.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 7-4-1980
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1980

Ref. No. P.R. No. 918 Acq.23-II/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old S. No. 242 paiki New S. No. Wd. No. 13, situated at Nondh No. 328, Narmadnagar Vasahat, Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madhukar Natverlal Ichharam Desai;
Bhuleshwar, Bombay. (Transferor)
- (2) Lalitaben Rameshchandra Naik,
5, Radhanagar, Athwa Lines,
Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at New S. No. Wd. No. 13, Nondh No. 328 at Narmadnagar Vasahat, Athwa, Surat duly registered at Surat on 23-8-79 vide No. 310/79.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 7-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 7th April 1980

Ref No P R No 919 Acq 23 II/79 80—Whereas, I,
S C PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Nondh No 1518 situated at Umarvada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 30 8 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Laxminarayan Birbaldas,
2. Puspadevi w/o Jugalkishor Birbaldas,
Minor Ushadevi Jugalkishor,
Minor Ashudevi Jugalkishor,
Minor Renudevi Jugalkishor,
Minor Ramkishor Jugalkishor
P A Holder of all Shri Shyamlal Birbaldas
873, Gali Berivali Kaya,
Patiram Bazar, Sitaram, Delhi 6
(Transferor)
- (2) Partner of M/s. Harilal Kirtikumar & Co.,
1 Shri Harilal Ratilal Jarivala;
2 Shri Balvantram Mohanlal Jarivala,
3 Shri Dhaneshkumar Kantilal Jarivala;
4 Lilavatiben Jamyatram Jarivala
Salabatpura, Dhamlavad, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Umarvada, Nondh No 1518 duly registered at Surat on 30 8 79 vide No 3162/79

S C PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date 7-4-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380 009**

Ahmedabad 380 009, the 7th April 1980

Ref No PR No 1000 Acq 23 I/79 80—Whereas, I, S C PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S No 211 to 215 Plot No 11-B part B 11-3 situated at Suru Section Road, Jamnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jamnagar on 18 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Vadgama Bros through,
1 Shri Girdharlal Madhavji,
2 Shri Ramniklal Madhavji,
Near Engineer's Office, Jamnagar (Transferor)

(2) Mahavir Valves,
Sole Proprietor,
Shri Amritlal Nathubhai Shah,
M P Shah Municipality Udyognagar,
Jamnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 3000 sq ft bearing RS No 211 to 215 Plot No 11-B, part B-11-3, situated at Suru Section Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide R No 1875 dated 1-8 79

S C PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date 7-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1980

Ref No. P.R. No. 1001 Acq.23-I/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 211 to 215 paiki Plot No. 11-B paiki B-11-4 situated at Saru Section Road, Jamnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 1-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
44—36GI/80

(1) Vadgama Bros. through;
1. Shri Gidharlal Madhavji;
2. Shri Ramniklal Madhavji;
Near Engineer's Office, Jamnagar. (Transferor)

(2) Beeja Valves through;
Sole Proprietor;
Mansukhlal Nathubhai Shah;
M. P. Shah Municipality Udyognagar, Jamnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 3000 sq. ft. bearing R.S. No. 211 to 215, Plot No. 11-B, paiki, B-11-4, situated at Saru Section Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 1876 dated 1-8-79.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrila Rustom Dalal,
"Sun Beam" Mirzapur, Ahmedabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Roopnagar Apartments Coop Housing Society Ltd
C/o Jaishri Corporation,
6, Ravi Chambers, Relief Cinema,
Ahmedabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1980

Ref No P R No. 1002 Acq 23 I/80-81 —Whereas, I, S C PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub-Plot No. 15 of F.P. No. 181 allotted lien of S. No. 627 part 628 & 629 part under the TPS No. 15 situated at Wadaj, Ahmedabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land adm. 535 sq yds bearing sub-plot No. 15 of F.P. No. 181 allotted in lieu of S No 627 part, 628 & 629 part under TPS. No 15 of Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No 10081/30-8-79 i.e. property as fully described therein

S C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date . 7-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hafez Rustom Dalal;
'Sun Beam' Miizapur, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Roopnager Apartments Coop. Housing Society Ltd.,
C/o. Jaishri Corpn.
6, Ravi Chambers, Relief Cinema, Ahmedabad,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th April 1980

Ref. No. P. R. No. 1003 Acq. 23-I/79-80.—Whereas, I.
S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sub-Plot No. 13 of F.P. 181—S. No. 627 part, 628 part & 629 part TPS. No. 15 situated at Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ahmedabad on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—46GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 456 sq. yds. bearing Sub-Plot No. 13 of F.P. No. 181, allotted in lieu of S. No. 627 part, 628 part & 629 part under T.P. Scheme No. 15—situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 10080/30-8-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th April 1980

Ref. No P. R. No. 1004 Acq. 23-I/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S. No. 106/1 T.P.S. 23 Hissa No. 21 situated at Achier, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Kalyanchand Chunilal Shah;
2. Shri Chhanna Lal Chunilal Shah;
3. Sumatiben Shakarchand;
through their Power of Attorney Holder
Shri Arunkumar Shakerchand,
B/2, Rachna Apartment, Navrangpura,
Ahmedabad.
- (2) Shri Sabarmati Ramnagar Jain Swetamber
Murti Pujak Sangh;
through : Shri Rupchand Dahyabhai,
Satyanarayan Society, Ramnagar,
Sabarmati, Ahmedabad.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm 327½ sq. yds & 372½ sq. yds i.e. 745 sq yds. bearing S. No 106/1—T.P. S. 23, Hissa No. 21, situated at Achier, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed Nos. 9258 & 9259/6-8-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-4-1980
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th April 1980

Ref No P R No 1006 Acq 23 J/79 80—Whereas, I,
S C PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No I P No 7/15 Sub Plot No A situated at Gondal Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-8 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Suryakant Hirjibhai & others;
2, Oswal Colony, Jamnagar

(Transferor)

- (2) Dilip Kumar Mohanlal,
Natverlal Mohanlal,
Gendal Road, Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 500 sq yds bearing No E.P. 7/15, Sub-Plot No A, situated at Gondal Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn No. 3570 dated 1-8-79

S C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 9-4 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th April 1980

Ref. No. P. R. No. 1007 Acq. 23-I/79-80.—Whereas, I, S C PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.P. No. 7/15 Sub-plot No. B situated at Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Suryakant Hijibhai & others;
2, Oswal Colony, Jitendra Niwas, Jamnagar.
(Transferor)

(2) Shri Dhirajlal Lalaji Vadgama;
Gondal Road, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 500-7-107 sq. yds bearing E.P. No. 7/15 sub plot No. B, situated at Gondal Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 3520 dated 1-8-79.

S C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 9-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th April 1980

Ref No P R No 1008 Acq 23-1/79 80 —Whereas, I,
S C. PARIKH;
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
Survey No 433 situated at Rajkot
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 13-8-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

- (1) Hemantlal Rahavjibhai Patel;
Hathikhana Road, Rajkot.
- (2) Smt Shaidaben Meghjiibhai Bhalodiya;
25, New Jagannath, Dineshkunj, Rajkot.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring sq. yds 1061 3 0 situated at Survey No.
433, Rajkot and as fully described in sale deed No. 5020 regis-
tered in the office of Sub-Registrar, Rajkot on 13-8-1979.

S C PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 9 4 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1980

Ref No 791-A/Dadri/79-80 —Whereas, I, B C CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No AS PTR SCHI DULF situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dadri on 31-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Singh s/o Shri Bhagwana
1/o Bhagal Begumpur, Teh Dadri Distt Ghaziabad
- (2) Shri Dharmratusthanm E 9, Defence Colony,
New Delhi through G Mahapatra

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring $\frac{251}{2-17-5}$ Village Bhagal Begumpur
Teh Dadri Ghaziabad

B C CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 27 3 1980
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 796-A/Dadri/79-80.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 31-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devi Chandra, Khileram and Babulal
s/o Shri Gopi Chand,
Smt. Sureshwati Widow of Shri Bijlal,
Bihari Singh s/o Ballu Singh Vali and
Guardian Shri Jagdish Prasad, Dhiraj and
Bhim Singh (Nabalig) sons of Bhule Singh
r/o Madawali Fazalpur Distt. Delhi.

(Transferor)

- (2) Mahrishi Institute of Creative Intelligence,
E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. G.
Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land No. 13 measuring 4 Bigha situated at Geja Tilafatabad, Parg. & Teh : Dadri, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagat Singh S/o Shri Raje and Smt. Chandari
W/o Raje r/o Madawali, Fazalpur, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahila Dhyani Vidyapeeth,
L-9, Defence Colony, New Delhi,
through G. Mahapatra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1980

Ref. No. 789-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 29-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 216/3-13-0 situated at Vill. Bhagel Begumpur, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ratan Chand, Radha Swami Road, Amritsar.
(Transferor)(2) Shri Mahesh Prasad Mehrotra r/o Premises
No. 7/188-1(A), Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th April 1980

Ref. No. 1236-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C.
CHATURVEDIbeing the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. AS PER SCHEDULE situated at AS PFR SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 18-10-79for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

30—46GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. 8 premises No. 7 188-1(A) measuring 1/2 of
503.75 sq. yds situated at Swaroop Nagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-4-80

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Radha Kishan Somani, Dr. Mahabir Udhyan
r/o Bajaj Nagar, Jaipur-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th April 1980

Ref. No. 844-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C.
CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Phool Lata Somani r/o 51/27, Naya Ganj,
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No 51/27 New No. 51/67, measuring 329.50 sq. yds. situated at Naya Ganj, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-4-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1980

Ref. No. 447/Acq/Firozabad/79-80.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PPR SCHEDULE situated at A. PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 8-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagpal Sharma s/o Shri Pokhpal Sharma
r/o Jalesar Road Kasba & Post : Firozabad,
Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Shri Prabhu Dayal s/o Shri Badwant Singh
r/o Thar Gangaram, Majara Mauja : Ailal,
Teh : Aitmadpur, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property measuring 1460 sq. ft. situated at Jalesar Road, Kasba : Firozabad, Distt. Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-3-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1980

Ref. No. 448/Acq/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 8-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prem Prakash & Satya Prakash
s/o Pt. Jagpalji Sharma
r/o Mo. Jalsar Road, Kasba : Firozabad.
(Transferor)
- (2) Shri Daulat Ram s/o Shri Balwant Singh
r/o Thar Gangaram, Majara : Ailai
Teh. Aitmadpur, Distt. Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property measuring 1400 sq. ft. situated at Jalsar Road, Kasba : Firozabad, Distt. Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-3-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1980

Ref. No. 402/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 21-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hakeemunnisan widow of Late Shri Mohd. Ibrahim
r/o Atish Bazar, Mohd. Ali Road, Aligarh.
(Transferor)
- (2) Shri S. Asghar Ali & Others r/o H. No. 9/42, Mustfa Building Mohalla : Atish Bazar, Mohd. Ali Road, Aligarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 9/42, Mustfa Building situated at Atish Bazar, Mohd. Ali Road, Aligarh.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 22-3-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Radhey Lal Saraswat s/o Late Shri Piem Lal
r/o Krishnapuri, Aligarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhagwan Devi w/o Shri Sant Kumar
r/o Kanwers Ganj, Aligarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1980

Ref. No. 337/Acq/79-80.—Whereas I, B. C.
CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Aligarh on 7-8-79

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property No. Nil situated at Easanagar, Aligarh.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-3-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1980

Ref. No. 333/Acq/Aligarh/79 80—Whereas, I, B C CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aligarh on 2-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Chand and Chakhan Lal
s/o Shri Sohan Lal s/o Mohalla : Atayan Usman
Para Shahar Kol, Distt Aligarh

(Transferor)

- (2) Sh Mohd Yamin s/o Haji Shaukat and
Smt Shameem Begam Wife of Mohd Yamin
R/o Mohalla Chah Basanta Shahar Kol,
Distt Aligarh

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed House Property situated at Mohalla : Atayan Usman Para, Aligarh

B C CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur

Date 22-3-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1980

Ref. No. 406/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Satwant Singh Sodhi
s/o Shri Prithipal Singh
r/o 8, Raqab Ganj, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Egbal Narain Khanna
s/o Shri Jagat Narain Khanna
r/o Madia Katra, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Urban Plot No. 13, Jasoria Enclave Basai 'Taj Ganj', Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1980

Ref. No. 316/Acq/79-80.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—46GI/80

(1) Kr. Parasars Brown d/o Ravren John Brown, 15/32, Mission Compound Civil Lines, Kanpur Self and Bahaisiat Mukhtar-a-am Shri Victor C. Brown s/o Late Shri Ravren John Brown r/o Ravens Wood United Methodist Church Harmits & Suni Side Avenues Shikagoinois-60640 (U.S.O.) and Winston Anil Brown s/o Late Shri Double A. Brown (William Brown and Grand s/o Revren John 2110 Besle Avenue Iwanston Elimoece-60201 U.S.E. and Smt. Mewisvond (Nabrown d/o Late Shri Ravren John Brown w/o Late Shri Deividvans, 15/32, Mission Compound, Civil Lines, Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Gur Prasad, Ram Prasad and Smt. Prema Devi w/o Shri Panna, 35/156, Bangali Mohal, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 15/32 measuring 411 sq. yds. (all covered) situated at Parade Church Compound Civil Lines, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th March 1980

Ref. No. 170/Acq/Hathras/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 30-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jogendra Gandhi
s/o Shri Harnam Singh,
Shri Babul Lal
s/o Shri Udai Ram,
Shri Krishna Kumar Swami
s/o Shri Kedarnath and
Shri Ramji Lal
s/o Shri Bahori Lal
r/o Hathras, Distt : Aligarh.

(Transferor)

- (2) Panna Lal s/o Shri Padam Singh
r/o Vill. Pura-Khurd, Teh. Hathras,
Raghu Nandan Pd. s/o Shri Govind Ram
r/o Vill. Bhadamai Teh. Hathras,
Smt. Saghi Devi Wd/o Shri Surajpal Singh
r/o Vill. Ramanpur, Teh. Hathras,
Shiv Shanker Sharma s/o Shri Govind Ram Sharma
r/o Vill. Lahra Teh. Hathras,
Rameshwar Dayal Sharma s/o Panna Lal Sharma
r/o Sasnidwar, Galiram Lila, Hathras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Vill : Garhi Tamna, Teh. Hathras, Distt. Aligarh.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 19-3-80
Seal :—

FORM ITNS—

- (1) Shri Ram Kumar Naroola
s/o Shri Ram Chandra Naroola
r/o 49(C), Nizamuddin East, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Chandra Kanta Khanna
w/o Shri Gulzari Lal Khanna,
Smt. Madhu Khanna
w/o Shri Deepak Khanna
r/o 156-D, Rajpuri Road, Dehradun.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th March 1980

Ref. No. 761-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 13-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in question is a piece of land measuring 0.92 acres situated on the main road of Dehradun named Rajpuri Road, near a place Jakhan.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th March 1980

Ref. No. 591/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the In-
come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Agra on 21-8-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Smt. Pushpa Sharma
d/o Late Shri Hiralal Sharma,
r/o 51/2, Civil Lines, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Dass, s/o
Shri Ramashanker, r/o
3/24, Rui Mandi Shahganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House bearing No. 3/27 situated at Rui Mandi Shahganj,
Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1980

Ref. No. 806/Acq/Mathura/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 23-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Laxmi Narain Bhartiya s/o Late Jamana Pd. Ji r/o 79, Kanti Nagar, Jaipur and Mukhtar Khas Smt. Panni w/o Shri Jai Narain and Guardian of her daughter named Mohani and Madhu d/o Shri Jai Narain, Smt. Mithlesh w/o Laxmi Narain d/o Shri Jainarain, Smt. Usha w/o Naresh Bihari Lal d/o Shri Jai Narain, Chandra Prakash, Mohan Prakash, Hari Prakash and Raghbir Prakash all s/o Late Shri Jai Narain and Smt. Mira w/o Shri Pyare Sham d/o Late Shri Jai Narain r/o Bayana Post : Khas Hall 79, Kanti Nagar, Jaipur.

(Transferors)

(2) S/Shri Balwant Singh s/o Chameli Prasad, Smt. Prem Lata w/o Balwant Singh, Brijendra Singh and Mahendra Singh s/o Balwant Singh r/o Kunwa Gali, Mathura.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Triple Storyed House bearing No. Water Rate-855 situated Ghati Bahal Ram, Mathura.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-2-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th March 1980

Ref. No. 756-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
~~referred to as the 'said Act'~~), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per Schedule situated at as per Schedule
(and ~~more fully described in the Schedule annexed hereto~~),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dehradun on 7-8-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the ~~reduction or evasion~~ of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Savitri Devi
w/o Shri Sipahi Lal
r/o Dandipur, Dehradun.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamla Devi
w/o Shri Tara Chandra and Niraj
r/o 12, Dandipur, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 12, Mohalla : Dandipur,
Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th March 1980

Ref. No. 592/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 21-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Sharma
d/o Shri Hiralal Sharma
r/o 51/2, Civil Lines, Agra.

(Transferor)

- (2) Shri Dinesh Chandra
s/o Shri Rama Shanker
r/o 3/24, Rul Mandi, Shahganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 3/27 situated at Rul Mandi Shahganj, Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th March 1980

Ref. No. 444/Acq/Firozabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 1-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Om Prakash, Satya Prakash, Ved Prakash and Dev Prakash, Sri Prakash all ss/o Shri Munshi Har Prasad, Shri Sharad Chandra s/o Shri Babu Ram Chandra Srivastava r/o Dholpura, Parg. Firozabad, Distt : Agra.

(Transferors)

- (2) S/Shri Sunhari Lal and Mukat Singh s/o Shri Chokhelal r/o Dholpura, Parg. Firozabad, Distt. Agra.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 304 measuring 5 Bigha, 2 Biswa and 10 biswansi situated at vill. Dholpura, Parg. Firozabad, Distt. Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 18-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th March 1980

Ref. No. 962/PN/Anoopshahar/79-80.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anoopshahar on 16-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—46GI/80

(1) Shri Bikram
s/o Shri Pooran Chandra
r/o Kasba Anoopshahar Mauja Chhatta,
P.O. Khas, Parg. & Teh Anoopshahar,
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) S/Shri Brij Pal Singh, Kehar Singh,
Jagbir Singh (Ballg) and Man Singh (Nabalig)
ss/o Shri Lahari Singh
r/o Anoopshahar, Mauja Chhatta P.O. Khas,
Parg. & Teh. Anoopshahar, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 10 Bigha situated at Anoopshahar, Distt. Bulandshahar.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 15-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 449/Acq/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 8-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Shri Ved Prakash & Gyan Prakash
ss/o Shri Jagpal Sharma
r/o Mukam Jalesar Road, Kasba Firozabad.
(Transferor)
- (2) Shri Bhagwan Singh
s/o Shri Balwant Singh
r/o Vill. Thar Gangaram Majara, Ailal,
Teh. Aitmadpur, Distt. Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House measuring 1240 sq. ft. situated at Jalesar Road, Kasba Firozabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-3-1980
Seal :

FORM ITN3

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 915/Acq/Kasganj/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kasganj on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maya Devi
w/o Shri Kishan Swarup,
Smt. Jai Devi
w/o Shri Bhagwati Pd.,
Smt. Vimla Devi
w/o Shri Ram Prakash and
Smt. Sri Devi
w/o Shri Gyan Prakash
all r/o Kasba Kasganj, Moh. Nathuram,
Parg. Bilram Distt Etah.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Gupta
w/o Shri Gijraj Kishore
r/o Moh. Jai Jai Ram, Distt. Etah.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Kutanpur, Parg. Bilram, Distt. Etah.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 401/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aligarh on 27-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Lal Pandey
s/o Shri Sriram Pandey
r/o Laxmipuri (Sarai Babu), Aligarh Hall
r/o Railway Colony Rewari Distt. Mahendragarh.
(Transferor)

(2) Smt. Jaiwanti Devi
w/o Shri Om Prakash Gupta
r/o Jogia Post Hathras, Distt. Aligarh Hall
r/o Sarai Hakim, Aligarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property measuring 179.45 sq. Metre situated at Laxmipuri (Sarai Babu), Aligarh.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 22nd March 1980

Ref. No. 307/Acq/79-80.—Whereas, I,

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 3-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Balviro Devi
w/o Shri Kalyan Singh
r/o H. No. 3/38, Vishnupuri, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Vimla Sharan
w/o Shri S. N. Sharan
r/o Village and Post Pachlakhi,
Distt. Siwan, Bihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property measuring 400 sq. yds. bearing No. 3/38 situated at Vishnupuri, Kanpur, 4 part of 400 sq. yds. is constructed.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Miss Virginia L. Fleu R.E. Mission,
Lalitpur, U.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Rev. George Lucas
r/o 190, Azad Pura, Lalitpur, U.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 479/Acq/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lalitpur on 28-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Single Storeyed building known as Huston House is situated in Plot Survey No. 2479/1 bearing Municipal No. 190, Azadpura in town Lalitpur near Govind Sagar dam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.Date : 20-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 488/Acq/Jhansi/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jhansi on 15-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Kumar Sharma
s/o Shri Ram Narain
r/o 80, Civil Lines, Jhansi.

(Transferor)

- (2) Shri Yogendra Pal Sharma
s/o Shri Ram Prakash Sharma
r/o 87/3, Civil Lines, Jhansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Bunglow Hall No. 87/3, Civil Lines, Jhansi measuring covered Area 2611 Sq. ft. and Open Area 2015 sq. ft.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-3-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 491/Acq/Farrukhabad/79-80.—

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Farrukhabad on 24-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dulari Devi (Widow), Shri Balam Tandon and Sushil Tandon sons of Shri Laxmi Narain alias Lachhu and Smt. Renu
d/o Shri Laxmi Narain Majkoor Jauja
Rajeev Arora
r/o Mauja : Buksaria Distt. Shahjahanpur and
Shri Brahma Narain
s/o Shri Mannu Lal,
Smt. Kamla Devi
w/o Brahma Narain
r/o Farrukhabad, Mohalla Nehru Road.

(Transferor)

(2) Shri Daya Ram
s/o Shri Laxmi Lal
r/o Mohalla Chini Bhan,
Shri Pooran Chandra Agarwal
s/o Shri Gulab Chandra
r/o Mohalla Kotha Pachi Jadid
Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Shop measuring 40 Sq. Mtr. situated at Katra Ahmed Ganj alias Nehru Road, Farrukhabad.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amar Nath
s/o Shri Jagannath
1/o Mohalla Tula Nagai, Station Road,
Kasba Orai, Jalaun

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref No 480/Acq/Orai/79-80—Whereas, I, B C CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Orai on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—46GI/80

(2) Dr Rajendra Kumar Puri
s/o Shri M L Puri and
Smt Kamlesh Puri
w/o Dr Rajendra Kumar Puri
1/o Patel Nagar Orai,
Distt. Jalaun

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Farm (Plot) situated at Mauja Ikhlaspur under the limitation of Nagai Palika Orai, Mohalla Patel Nagar, Kasba Orai, Distt Jalaun

B C CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 20-3-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 410/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banshi Lal
s/o Shri Sita Ram
r/o Malviya Gunj, Loha Mandi, Agra. (Transferor)
- (2) Shri Dinesh Singhal
s/o Shri Devki Nandan Singhal
r/o Karwan Loha Mandi, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot bearing No. 104 measuring 378 sq. yds. situated at Jaipur House Colony Loha Mandi, Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-3-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagannath Sharma, Advocate, Receiver of
M/s Mansaram & Sons,
15-B, New Road, Dehradun.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Bhag Singh Katuria,
Raxy Building, Mussoorie.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 727-A/Mussoorie/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Mussoorie on 23-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Shop measuring 611.86 sq. mts. bearing No. 2+3 Suite
Nos. 9 to 13 & 15 to 19 situated at Kulari, Mussoorie.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 21-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 881/Acq/Dadri/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dadri on 28-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Gopi
s/o Shri Chuttan,
Shri Raju
s/o Shri Khacheru,
Shri Behari
s/o Shri Ballu
r/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi.
(Transferor)

(2) Dharampratisthanam,
E-9, Defence Colony, New Delhi,
through Dr. G. Mahapatra.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 182 measuring 3-5-3 Bigha
situated at Vill : Gujha Tilafabad, Parg : & Teh : Dadri,
Distt : Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-4-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Khacheru
s/o Shri Ballu,
S/Shri Khilaram, Deviram and Baburam
ss/o Shri Gopi,
Smt. Sureshwati,
w/o Shri Brajpal,
Shri Jagdish Prasad
s/o Shri Bhule,
Shri Bihari
s/o Shri Ballu,
S/Shri Dhiraj & Bhim Singh (Nabalig)
ss/o Shri Bhule
r/o Madawali Fazalpur, Distt : Delhi.

(Transferor)

- (2) Dharmprastishanm,
F-9, Defence Colony, New Delhi,
through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 794-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 225/2-12-0 situated at Vill. Bagel Begumpur, Parg : Teh : Dadri, Dist : Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-3-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 792-A/Dadri/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 31-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri Fattan
s/o Dhisa
r/o Bhagel Begumpur Post : Gejha,
Teh : Dadri, Dist : Ghazlabad.

(Transferor)

- (2) Maharishi Dhyan Vidya Peeth,
Uttar Pradesh,
E-9, Defence Colony, New Delhi,
through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 260/2-12-0 situated at Vill. Bhagel Begumpur, Parg : & Teh : Dadri, Distt. Ghazlabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-3-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 793-A/Dadri/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Bihari
s/o Shri Ballu,
Shri Jagdish Prasad (Baligh), Dhiraj
and Bhim Singh (Nabalig)
s/o Shri Bhule Singh,
S/Shri Khileram, Devi Chandra and Babulal
Ss/o Shri Gopi Chandra,
Smt. Sureshwati
wd/o Shri Brajlal
r/o Madawali Fazalpur Dist : Delhi.
(Transferor)
- (2) Dharmpratishtanam,
E-9, Defence Colony, New Delhi,
through Dr. G. Mahapatra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 54/5-9-0 situated at Vill. Gejha Tilafatabad, Parg : & Teh : Dadrai, Distt : Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 798-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Khile Ram, Devi Chandra and Babu Lal
s/o Shri Gopi Chand,
Smt. Sureshwati
wd/o Shri Braj Lal,
Shri Bihari Singh
s/o Shri Ballu Singh,
S/o Shri Dhiraj and Bhim Singh
ss/o Shri Bhule Singh,
Shri Jagdish Prasad
s/o Shri Bhule Singh,
r/o Madawali Fazelpur, Distt : Delhi.

(Transferor)

- (2) Maharishi Institute of Creative Intelligence,
E-9, Defence Colony, New Delhi,
through Dr. Mahapatra,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 13 measuring 3-2-00 Bigha situated at Vill : Gujha Tilafatabad, Parg : & Teh : Dadri, Distt. Ghaziabad

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-4-1980
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 797-A/Dadri/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—46GI/80

- (1) S/Shri Babulal, Khile Ram, Devi Chand
s/o Shri Gopi Chand,
Smt. Sureshwati
widow of Shri Braj Lal,
Shri Bihari Singh s/o
Shri Ballu Singh,
S/Shri Dhiraj and Bhim Singh
s/o Shri Bhule Singh,
Shri Jagdish Prasad
s/o Shri Bhule Singh,
r/o Madawall Fazalpur, Distt : Delhi.

(Transferor)

- (2) Mahrishi Institute of Creative Intelligence,
(M.I.C.I.)
E-9, Defence Colony, New Delhi.
through Dr. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 13 measuring 4 Bigha situated at Vill : Gujha—Tilafatabad, Parg. & Teh Dadri, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 803-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Jagat Singh (Balig), Randhir Singh, Rishi Kumar and Duli Chand (Nabalig) all s/o Shri Raje under the Guidance of Smt. Chandari (Mother) r/o Madawali Fazalpur, Distt : Delhi. (Transferor)
- (2) Maharshi Institute of Creative Intelligence, E-9, Defence Colony, New Delhi, through Dr. Mahapatra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 9 measuring 2-13-0 situated at Gejha Tilafatabad, Parg : & Teh : Dadri, Dist : Ghalabadz.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-4-1980

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 792-A/Dadri/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 31-8-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri
1. Khilaram, Devi Chand and Babulal s/o Shri Gopi Chand, Smt. Sureshwati Widow of Shri Brajlal, Jagdish Prasad s/o Bhula Singh, Dhiraj Singh and Bhim Singh s/o Bhule Singh, Bihari s/o Ballue R/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi. (Transferor)
- (2) Mahila Dhyan Vidya Peeth, E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. G. Mahapatra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 54 measuring 4-00 Bigha situated at Vill. Gojha Tilafatabad, Parg. & Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-3-1980.
Seal :

FORM ITNS ———

- (1) (1) Shri Raja S/o Shri Khasheru,
 (2) Shri Gopi S/o Shri Ghuttan,
 (3) Shri Bihari S/o Shri Ballu,
 R/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
 SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

- (2) Spiritual Regeneration Movement of India, E-9,
 Defence Colony, New Delhi through Dr. G.
 Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 799-A/Dadri/79-80.—Whereas I, B. C.
 CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter refer-
 red to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 movable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Dadri on 28-8-1979

for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian
 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
 said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 102 measuring 3-9-3 Bigha situated
 at Village Gojha Tilafatabad, Parg. & Teh. Dadri, Distt.
 Ghazlabad.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 1-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 800-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gopi s/o Shri Chhuttan, Shri Bihari S/o Baliu, Shri Raja S/o Shri Khasheru, R/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi.

(Transferors)

- (2) Maharishi Dhyani Vidya Peeth of Uttar Pradesh, E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 208 measuring 3-9-18 Bigha situated at Vill. Bhagal Begumpur, Parg. & Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, 31st March 1980

Ref. No. 795-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 31-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khiliram, Shri Deviram and Shri Babulal s/o Shri Gopi Chand, Smt. Sureshwati Wd/o Brajpal, Shri Jagdish (Balig), Shri Dhiraj Singh and Shri Bhim Singh (Nabalg) S/o Shri Bhula Ram Vali Guardian Shri Bihari Singh S/o Ballu Singh, R/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi.

(Transferor)

- (2) Spiritual Regeneration Movement Foundation of India, 'E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 14 measuring 3-8-10 situated at Vill. Goja Tilaftabad, Parg. & Teh. Dadri Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-3-1980

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 818-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 29-8-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roshan Lal Thakural S/o Shri Wasakhi Ram Thakural, R/o 69, Govind Nagar, Dehradun.

(Transferor)

- (2) Smt Daljit Kaur W/o Shri Kulwant Singh, R/o Sawhney 23, Race Course Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property measuring 4314 sq. ft. situated at 69, Govind Nagar, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4 1980
Seal ;

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 10th April 1980

Ref. No. 845-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shahzada through Shri Ramakant Dwivedi R/o Village Paharpur, Post. Kasigavan, Teh. and Distt. Kanpur.
(Transferor)
- (2) Dwivedi Nagar Shahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Paharpur, Hamirpur Road, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bigha one Biswa situated at Woodpur Machhariha, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-4-1980

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th April 1980

Ref. No. 808/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 18-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—46GI/80

(1) Shri Dhatm Das s/o Shri Jhampat Mal Sindhi
R/o Nala Mantola, Agra.
(Transferor)

(2) Shri Abdul Gaffar s/o Shri Noor Bax,
R/o Dholi Khar, Agra,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property Hall No. 18/180, situated at Mantola, Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th April 1980

Ref. No. 811/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 30-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nandlal s/o Dayalmal
R/o 4/85, Lajpat Kunj, Civil Lines, Agra
and Hall Resident of Maharaj Film Distributor,
Bhagirathi Palace, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Vijai Kumar Saigal
s/o Shri Malik Deshraj Saigal and
Phoola Rani Saigal wife of Malik Deshraj Saigal,
R/o Hall 68, Lajpat Kunj, Agra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Immovable property bearing No. 68, Municipal No. 4/85, situated at Lajpat Kunj Civil Lines, Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 833-A/Meerut/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 17-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yashpal Dhingra
S/o Shri Mathura Dass Dhingra,
R/o 1876, Laxmibai Nagar, Vijai Nagar East,
Block-G, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Arora w/o Shri Rajendra Kishore Arora
R/o 171-N, Abbu Lane, Meerut Cantt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 82 situated at Tilak Road, Begum Bagh, Meerut.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 899-A/Kairana/79-80.—Whereas, I, **B. C. CHATURVEDI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. **AS PER SCHEDULE** situated at **AS PER SCHEDULE** (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 23-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) **facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or**

- (b) **facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Manwati w/o Shri Barumal
R/o Shamli Aaryapuri,
Paig. and Post. Shamli, Teh. Kairana,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand S/o Deviduttamal and
Smt. Amrit Rani W/o Shri Suresh Chand and
Sudhir Kumar S/o Shri Suresh Chand,
R/o Shamli, Post. Khas,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Shop situated at Shamli, Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS-----**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 889-A/Sardhana/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sardhana on 28-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Shyam Murari, Paras Ram and Rajeev Kumar Bansal S/o Shri Braj Mohan Lal Bansal R/o Civil Lines, Meerut.

(Transferor)

- (2) Shri Asaram S/o Ram Prasad R/o Mahadev, Ramesh Chand S/o Daryav Singh, S/Shri Sher Singh, Ashok Kumar and Vinod Kumar S/o Ramesh Chand R/o Village Haidarpur, Parg. Garhmukteshwar, Teh. Khas, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot measuring 2148 sq. yds. situated at Mohalla : Lushkar Ganj, Kasba : Sardhana, Distt. Meerut.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 883-A/PN/Ghaziabad/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PIR SCHINDUIT situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 10-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Krishna Jaisawal
S/o Shri Lala Ramshandar
R/o Modi Nagar, Parg. Jalalabad, Teh and Distt. Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Gomti Devi w/o Shri Ram Gopal
R/o Kasba : Faridnagar all Resident of Mohalla New Gurudwara Road, Modi Nagar, Parg Jalalabad, Teh. and Distt. Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed House Property measuring 20. sq. yds. situated at Mohalla New Gurudwara Road Satyanagar Modinagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karam Chand s/o Bahadur Chandra
R/o 11, Adarsh Nagar, Gandhi Nagar,
Ghaziabad

(Transferor)

(2) Shri Rajeshwari Prasad Kaushik
S/o Shri Tara Chandra (Partner) of
M/s. Quality Enterprises,
119, New Gandhi Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 873-A/Ghaziabad/79-80 —Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ghaziabad on 29-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. A-1/2-C Industrial Block measuring 8659 Sq.
yds. situated at Meerut.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jorma Atoz Mainic Survanto,
173-A, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. Emmanul Raj,
Secretary/Treasurer of the New Life Centre,
Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. Acq/755-A/DDN/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dehradun on 7-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following per-
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 173-A, situated at Rajpur Road, Dehradun
with land measuring about 1700-583 metres sold for
Rs. 1,00,000/- fair market value of which is more than
15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 820-A/G.Bad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
36—46GI/80

- (1) Shri Kanti Prasad S/o Pt. Shri Bhagwat Pd. Sharma
R/o 16, Chah Kamal Hapur,
Asharam s/o Shri Ram Chandra
R/o 37, Aarya Nagar, Kanpur,
Shri Ratan Lal Goyanka
S/o Shri Tula Ram Goyanka,
Shri Madhav Prasad Goyanka
S/o Shri Kanhaiya Lal Goyanka,
Shri Shri Gopal Goyanka
Shri Manna Lal Goyanka and
Smt. Gulab Devi Goyanka
Widow of Shri Devki Nandan Goyanka
All R/o Calcutta.

(Transferors)

- (2) Shri Deputy Saran s/o Babu Ram
R/o Mohalla : 39, Bhagwati Ganj,
Shri Om Prakash S/o Shri Babu Ram
R/o 108, Jawahar Ganj, Hapur Distt.
Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Factory Building measuring 548 sq. yds. situated at Poch Khunje Walan, Garh Road Hapur Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ishwar Singh s/o Shri Ram Swaroop Singh
R/o Krishna Nagar, Bulandshahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lajja Devi w/o Sardari Lal
R/o Kayasth Bara, Sikandrabad,
Sushila Gupta w/o Shri Anand Swaroop
R/o Village Mudi, Parg. Syana, Distt.
Bulandshahar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 766-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Bulandshahar on 17-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitates the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property situated at Krishna Nagar, Buland-
shahar.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Thakur Das s/o Bhagwan Dass
R/o 31, Sarvat Gate (Northern)
Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S. Atma Singh s/o S. Harnam Singh
R/o 6/4 Gandhi Colony,
Muzaffarnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 734-A/M. Nagar/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Muzaffarnagar on 1-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 270 measuring about 301½
Sq. yds. situated at Mohalla : Civil Lines (Northern),
Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 835-A/M.Nagar/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Murari Lal s/o Shri Phool Chandra
R/o 156, Civil Lines, Southern,
Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Nareshwar Dass s/o Basbeshwar Dayal
R/o 682, Civil Lines (Southern),
Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Double Storeyed House Property bearing No. 156 measuring 273 sq. yds. situated at Mohalla : Civil Lines (Southern), Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. Acq/875-A/GBD/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 29-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Ramesh Chandra Sethi,
Shri Om Prakash Sethi,
59, Majitha Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Bhagat & Associates,
Through Shri V. K. Bhagat,
Rakesh Bhagat,
R/o 56, Jauharbagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5,207 sq. yds. situated at Village Rasonda, Parg. Loni and Vill. Karkarmodel, Parg. Loni, Teh. & Distt. Ghaziabad sold for Rs. 1,83,000/- fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. Acq/834-A/Mrt/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 3-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ashok Kumar Sharma, Amrish Kumar, Anil Kumar, Amit Kumar, Smt. Shanti Devi, R/o Chippi Tank, Meerut, and Smt. Gulzarwati, Kamla Rani, Kusum Lata, R/o Naya Bazar, Meerut Cantt. (Transferor)
- (2) Shri Ram Autar s/o Shri Shyam Sunder Lal, R/o Modinagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Bungalow No. 173-B, situated at Abu Lane, Meerut Cantt. sold for Rs. 145,000/- fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. Acq/729-A/Mrt/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 3-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Ashok Kumar Sharma,
(2) Shri Amreesh Kumar,
(3) Shri Anil Kumar,
(4) Smt. Shanti Devi,
R/o Chippi Tank, Meerut. (Transferor)
2. Shri Hariom Agarwal, s/o Shri Jai Parkash Agarwal,
R/o 184-B, Abu Lane, Meerut Cantt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Bungalow No. 173-B, situated at Abu Lane, Meerut Cantt., sold for Rs. 1,45,000/- the fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur
Kanpur

Date : 14 4-1980

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 739-A/M. Nagar.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at M. Nagar on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurditta Mal,
Shri Kishan Lal S/o Shri Ram Ditta Mal,
R/o 376 Ramji Coloney Muzaffarnagar. (Transferor)
- (2) Shri Kashmir Singh,
Shri Darshan Lal S/o Shri Mohan Singh,
R/o 1047 Punjabi Coloney Shamli, Teh.
Kairana Distt. Muzaffarnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 376 Ghandhi Coloney Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 817-A/Hapur.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hapur on 29-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
37—46GI/80

(1) Shri Salag Ram S/o Sri Ganga Ram,
R/o Kasmabad Teh. Hapur Distt Ghaziabad.
(Transferors)

(2) Shri Brahmadutta,
Shri Niranjan Lal Sharma S/o Sri Hardeo Sahai,
R/o Chhippiwara Jilkhua Teh. Hapur Distt.
Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahata 2/3 part Chhippiwara, Nai Abadi, Jilkhua Teh. Hapur Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Bhagirathi Devi w/o Shri Bhim Deo Sanghl,
R/o Khandela House, Chhota Pana, Sansar Chandra
Road, Jaipur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th April 1980

(2) M/S. Rajesh Sharma Family Trust Through Shri
Shyam Sunder Sharma,
C/o Metal Alloy Industry, Makum Road, Tansu-
khiya, Assam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/674.—Whereas, I, M. L.
CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Khandela House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided half portion of house property situated at
Khandela House area, Sansar Chandra Road, Opposite Main
Khandela House and more fully described in the sale deed
registered by S. R. Jaipur vide No. 2096 dated 27-8-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-4-1980
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shrimati Kamala Devi w/o Shri Vasudev Modl,
R/o Neemka-thana, Distt Sikar.
(Transferor)

(2) M/s. Rajesh Sharma Family Trust, Through Shri
Shyam Sunder Sharma,
C/o Metal Alloy Industry, Makum Road, Tansu-
khiya, Assam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/675.—Whereas, J. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Khandela House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half portion of house property situated at Khandela House area, Sansar Chandra Road, Opposite Main Khandela House and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 2087 dated 27-8-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 15-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/678.—Whereas, I, M. L.
CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7 & 8 situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Beawar on 21-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/S. Ganesh Soot Udyog, Beawar Through its partners Svs. (1) Shri Durga Pd. Jajoo S/o Shri Bhawarlalji Jajoo (2) Smt. Yashoda Devi Jajoo, W/o Shri Ram Niwas Jajoo, R/o Pisan-Gan, District, Ajmer.

(Transferor)

(2) M/S. Vimelesh Yarn Industries (P) Ltd., 7, Shri-ram Road, Delhi through its Directors Svs (1) S. N. Baldua, S/o Shri Janwarilalji Baldua, (2) Smt. Yashoda Jajoo, w/o Shri R. N. Jajoo and (3) Shri Bhawarlal Jajoo of Piasngan Distt. Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One factory shed standing on plot No. 7 & 8 together with its machinery, plant, shed and waste plant situated at Jawaharlal Nehru Udhog Puri, Sendra Road, Beawar and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Beawar vide No. 1962 dated 21-8-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 18-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1980

Ref. No. Rej/LAC(Acq.)/676.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 25 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 20-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Laxminarain and Banarsidass Ss/o Late Shri Kripa-ram Agarwal 11-B Block, Sriganganagar.
(Transferor)
- (2) Shrimati Kalawati Devi w/o Shri Ram Bhaj Agarwal P/o Rambhaj Hanumandass,
Shop No. 25, Dhanmandi, Ganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 portion of shop No. 25 situated at Dhanmandi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 2321 dated 20-8-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income-tax, Acquisition Range,
Jaipur

Date : 18-4-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Laxminarain and Banarsidass S/o Late Shri Kriparam
Agarwal 11-B Block, Sriganganagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kalawati Devi w/o Shri Ram Bhaj Agarwal
P/o Rambhaj Hanumandass,
Shop No. 25, Dhanmandi, Ganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1980

Ref. No. Rej/JAC(Acq.)/677.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 25 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

† portion of shop No. 25 situated at Dhanmandi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 2269 dated 17-8-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-4-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/679.—Whereas, I. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. D-1 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tilak Kak, S/o Shri Jal Nath Kak through C.P.A. holder Hazi Mohd. Ramian S/o Hazi Abdul Rehman, Kharadlyon ka Mohalla Hazi Bldg., Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Sampatraj S/o Shri Baboolal Ghanci B-Road, Paota, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-1 situated at Dharamnarainji Ka Ahata, Bandore Road, Paota and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1386 dated 16-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th March 1980

Ref. No NNL/4/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One residential house situated at Narnaul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Narnaul in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Girdhar Gopal,
(2) Shri Kanhya Lal,
(3) Shri Badri Parshad,
(4) Shri Ramesh Chander,
(5) Shri Mahesh Chander alias Lala Ganga Ram
S/o Shri Ganpat Ram, Farashkhana Narnaul.
(Transferor)

- (2) Smt. Vidya Devi W/o Shri Perhalad Rai S/o Shri
Rup Chant, Moh. Farashkhana, Narnaul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being a residential house situated at Moh. Farashkhana Narnaul and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1439 dated 17-8-79 with the Sub Registrar, Narnaul.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 27-3-1980

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th March 1980

Ref. No. AMB/17/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property being three shops, three rooms single storeyed situated at Ambala City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—46GI/80

- (1) Smt. Shakuntla Jain W/o Shri S. P. Jain,
B-II-189, Mohalla Soodan, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Mohinder Kaur W/o Shri Harbans Singh,
Plot No. 2032 Near Mehta Sheller Ambala Kalka Road, Ambala City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being three shops, three rooms single storeyed situated on Ambala Kalka Road, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3118 dated 24-9-1979 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Rohtak

Date : 25-3-1980
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th March 1980

Ref. No. BGR/31/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 19 DL. F. Industrial Area No. measuring 3779 sq. yds. situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sewa Ram Sharma S/o Late Pt. Kishan Lal, 52 Prem Puri Meerut (UP).

(Transferor)

- (2) M/S. Stainless & Steel Products Co. 11/7 Milestone, Mathura Road, Faridabad-121003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 19, DLF Industrial Area No. 11, Faridabad measuring 3379 sq. yards and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6342 dated 11-12-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Rohtak

Date : 27-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bimla Gupta W/o Shri D. R. Gupta,
R/o House No. N-155, Panchsheel Park New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S. Tarakru Housing Corporation,
M-33, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th April 1980

Ref. No. BGR/21/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 134, Block E-I Sector 11, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in August 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 134, Block E-I situated in Sector 11, Faridabad, measuring 1166.6 sq. yds. and as mentioned more in the sale deed registered at No. 3703 dated 16-8-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Rohtak

Date : 16-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th April 1980

Ref. No. PNP/18/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 179, Ward No. 1, near Central Bank, Insar Chowk situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Daulat Ram Kubba S/o Shri Duni Chand Kubba, R/o House No. 222-L, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) (1) Shri Y. L. Sethia S/o Shri Keshav Dass, R/o House No. 56/W-3, Panipat.

(2) Shri Hira Nand S/o Shri Keshav Dass, R/o House No. 56/W-3, Panipat.

(3) Shri Prem Singh Chawla S/o Shri Hakim Rai, R/o 388, Model Town, Panipat.

(4) Smt. Saroj Bala W/o Shri Jagdish Chander C/o M/S. Gandhi Electricals, Assandh Road, Panipat.

(5) Shri Ram Kishan Gupta S/o Shri Ajudhla Parshad, R/o House No. 372, Ward No. 2, Panipat.

(6) Smt. Gian Devi W/o Shri Tilak Raj C/o M/o Moti Ram & Sons, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 179, Ward No. 1, Panipat and as mentioned more in the sale deed registered at No. 2763 dated 26-9-1979.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE
SATARA ROAD, PUNE-411009

Pune-411009, the 22nd March 1980

Ref. No. CA5/Haveli-II/471/79-80.—Whereas, I S. K. TYAGI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub-Plot No. 4, F.P. No. 4B, S. No. 3, Mungeri situated at Gultekadi, Pune-9 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haveli-II on 27-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Krishna Balayya Sandupatla,
431/3, Gultekadi, Pune.
2. Shri Haribhau Purshottam Chaudhary,
1114/5, Ganeshkhind Road, Pune-5. (Transferor)
- (2) Shri Balram Sahakari Gaiha Rachana Sansiha
Mayadit, 431/4, Gultekadi, Pune-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sub-Plot No. 4, Final Plot No. 4B, S.No. 3, Mungeri, Gultekadi, Pune-9.
(Property as described in the sale deed registered under No. 2458 dated 27-9-1979 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

S. K. TYAGI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, POONA

Date : 22-3-1980

Seal :

